THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 272 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **मार्गशीर्ष शु.9 2080 गुरुवार, 21 दिसंबर-2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

तीन नए क्रिमिनल लॉ बिल लोकसभा में पास

> राजद्रोह कानून खत्म > नाबालिग से रेप और मॉबलिंचिंग पर फांसी की सजा

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। तीन नए क्रिमिनल लॉ बिल लोकसभा में पास हो गए हैं। अब इसे राज्यसभा में रखा जाएगा। वहां से पास होने के बाद इसे मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। इसे पेश करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने कहा-अंग्रेजों के समय का राजद्रोह कानून खत्म किया गया है। नाबालिग से रेप और मॉबलिंचिंग जैसे क्राइम में फांसी की सजा दी जाएगी।

सशस्त्र विद्रोह करने और देश की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर जेल

बिल पर लोकसभा में अमित शाह ने कहा कि अंग्रेजों का बनाया राजद्रोह कानून, जिसके चलते तिलक, गांधी, पटेल समेत देश के कई सेनानी कई बार 6-6 साल जेल में रहे। वह कानून अब तक चलता रहा। मैंने राजद्रोह की जगह उसे देशद्रोह कर दिया है। क्योंकि अब देश आजाद हो चुका है, लोकतांत्रिक देश में सरकार की आलोचना कोई भी कर सकता है। अगर कोई देश की सुरक्षा, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का काम करेगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

अगर कोई सशस्त्र विरोध करता है, बम धमाके करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी, उसे आजाद रहने का हक नहीं, उसे जेल जाना ही पड़ेगा। कुछ लोग इसे अपनी समझ के कपड़े पहनाने की कोशिश करेंगे, लेकिन मैंने जो कहा उसे अच्छी तरह समझ लीजिए। देश का विरोध करने वाले को जेल जाना होगा।

बच्ची से रेप के आरोपी को फांसी की सजा

पहले रेप की धारा 375, 376 थी, अब जहां से अपराधों की बात शुरू होती है उसमें धारा 63, 69 में रेप को रखा गया है। गैंगरेप को भी आगे रखा गया है। बच्चों के खिलाफ अपराध को भी आगे लाया गया है। मर्डर 302 था, अब 101 हुआ है। 18 साल से कम उम्र की बच्ची से रेप में आजीवन कारावास और मौत की सजा का प्रावधान है। गैंगरेप के आरोपी को 20 साल तक की सजा या जिंदा रहने तक जेल। प्रस्तावित कानून में गैर इरादतन हत्या को दो हिस्सों में बांटा गया है। अगर गाड़ी चलाते वक्त हादसा होता है, >14

लालू यादव और तेजस्वी यादव को ईडी का समन

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया

पटना, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने बिहार के डिप्टी मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और उनके पिता आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव को रेलवे में नौकरी के बदले जमीन घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए समन भेजा है। तेजस्वी यादव को 22 दिसंबर को डिप्टी सीएम के पद से हटने के लिए कहा गया है। दोनों को अपना बयान रिकॉर्ड करवाने के लिए मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत 27 दिसंबर को पेश होने के लिए कहा गया है। रेवले मंत्री होने के दौरान लालू यादव इस घोटाले में शामिल हुए थे। यह घोटाला 2004 से 2009 के बीच किया गया था, जहां कई लोगों को रेलवे के विभिन्न जोनों में ग्रुप-डी के पदों पर नौकरियां दी गई थी।

सोनिया बोलीं-सरकार ने लोकतंत्र का गला घोंट दिया

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी ने कहा कि सरकार ने लोकतंत्र का गला घोंट दिया है। इससे पहले कभी इतनी बड़ी संख्या में सांसदों को सस्पेंड नहीं किया गया था, वो भी एक वाजिब मांग रखने के लिए। सोनिया ने ये बात कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी की मीटिंग में कही। यह बैठक आज संसद के संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में की गई। सोनिया ने कहा कि 13 दिसंबर को जो हुआ वह स्वीकार्य नहीं है और उसे सही नहीं ठहराया जा सकता है। इस मामले पर देश को संबोधित करने में पीएम को चार दिन लग गए, वो भी उन्होंने संसद के बाहर किया।

ऐसा करके उन्होंने संसद की गरिमा के प्रति तिरस्कार और देश की जनता के प्रति अपनी उपेक्षा जाहिर की है। दरअसल, 14, 18 और 19 दिसंबर को लोकसभा और राज्यसभा से 141 सांसद सस्पेंड हुए। इसमें सबसे ज्यादा कांग्रेस के 57 सांसद (लोकसभा से 40, राज्यसभा से 17) थे। इससे एक दिन पहले दिल्ली में हुई इंडिया की बैठक में सांसदों के सस्पेंशन का मुद्दा उठा था। विपक्षी दलों ने सांसदों के सस्पेंशन की निंदा की। 13 दिसंबर को जो हुआ वह स्वीकार्य नहीं है और उसे सही नहीं ठहराया जा सकता है। इस मामले पर देश को संबोधित करने में पीएम को चार दिन लग गए, वो भी उन्होंने संसद के बाहर किया। >14

लोकसभा से आज फिर दो विपक्षी सांसद निलंबित

संसद से अब तक 143 सांसद हो चुके हैं सस्पेंड

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद की सुरक्षा में चूक मामले पर विपक्ष जमकर हंगामा कर रहा हैं।

सदनों में कार्यवाही के दौरान विपक्षियों के हंगामे और व्यवधान डालने के आरोप में विपक्षी सांसदों को शेष शीतकालीन सत्र से निलंबित कर दिया गया हैं। बीते गुरुवार से सासंदों को निलंबन करने की कार्रवाई जारी हैं। अब तक 143 सांसदों को शेष शीतकालीन सत्र की कार्यवाही से निलंबित कर दिया गया है। बुधवार को एक बार फिर सांसदों को निलंबित किया गया है। >14

पहली बार पन्नू केस पर बोले पीएम मोदी

कुछ घटनाएं भारत-अमेरिका रिश्तों को बेपटरी नहीं कर सकतीं, हम जिम्मेदारी से जांच करेंगे

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश के मामले पर बयान दिया है। फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा-कुछ घटनाएं अमेरिका-भारत रिश्तों को बेपटरी नहीं कर सकती हैं।

अगर हमारे देश का कोई नागरिक दूसरे देश में अच्छा या बुरा काम करता है तो हम जिम्मेदारी लेते हैं। हमें इस बारे में बताया गया है तो हम जांच करने के लिए तैयार हैं।

हम कानून का पालन करते हैं। दरअसल, अमेरिकी सरकार ने आरोप लगाया था कि न्यूयॉर्क में पन्नू पर जानलेवा हमले की साजिश रची गई थी। इसमें भारत का हाथ था। इस साजिश को नाकाम कर दिया गया। हालांकि, यह नहीं बताया गया कि हमला किस दिन होने वाला था। जून 2023 में पीएम नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे के बाद ही अमेरिकी अधिकारियों ने भारत के सामने यह मुद्दा उठाया था। इस बात का खुलासा 22 नवंबर 2023 को पब्लिश हुई फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट में हुआ था। मोदी ने कहा-अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में यह तत्व डराने-धमकाने और हिंसा भड़काने में लगे हुए हैं।

भारत विदेशों में स्थित कुछ चरमपंथी समूहों की गतिविधियों के बारे में चिंतित है। अमेरिका के साथ हमारे रिश्ते काफी मजबूत हैं। सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी सहयोग हमारी साझेदारी का एक मुख्य आधार रहा है। कुछ घटनाओं को दोनों देशों के डिप्लोमैटिक रिलेशन्स से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। >14

'हमें अलर्ट रहने की जरूरत, पर घबराने की नहीं'

उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में बोले मंडाविया

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। कोरोना के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। भारत में एक बार फिर से कोरोना महामारी पैर पसार रहा है। कोरोना के नए वैरिएंट जेएन.1 से लोगों में डर पैदा कर दिया है। इस बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने बुधवार को कोरोना के बढ़ते केसों और सांस लेने संबंधी बीमार लोगों की बढ़ती संख्या को देखते हुए राज्यों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य मंत्रियों, अधिकारी समेत कई लोग शामिल हुए। >14

'10 राज्यों ने मामलों की जांच के लिए सीबीआई को दी गई सहमति वापस ली'

सदन में बोले कार्मिक राज्य मंत्री

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकार ने बुधवार को लोकसभा में बताया कि तमिलनाडु और तेलंगाना सहित 10 राज्यों ने अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में मामलों की जांच के लिए सीबीआई को दी गई सामान्य सहमति वापस ले ली है। दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (डीएसपीई) अधिनियम, 1946 की धारा 6 के अनुसार, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को अपने अधिकार क्षेत्र में जांच करने के लिए संबंधित राज्य सरकारों से सहमति की आवश्यकता होती है। डीएसपीई अधिनियम की धारा-6 के तहत सीबीआई का गठन किया गया है। इस प्रावधान के तहत, डीएसपीई का एक सदस्य यानी सीबीआई संबंधित राज्य सरकार की सहमति के बिना उस राज्य में अपनी शक्तियों और अधिकार क्षेत्र का प्रयोग नहीं कर सकती है। कई गैर-भाजपा राज्यों ने सीबीआई से आम सहमति वापस लेते हुए आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार गैर-भाजपा शासित राज्यों में राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ एजेंसी का दुरुपयोग कर रही है। कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि पंजाब, झारखंड, केरल, राजस्थान, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, मिजोरम, तेलंगाना, मेघालय और तमिलनाडु ने सामान्य सहमति वापस ले ली है।

धनखड़ के 'जाट' वाले बयान पर भड़के खरगे

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद की सुरक्षा में चूक के बाद से ही सत्ता और विपक्ष आमने-सामने हैं। लगातार विपक्ष द्वारा केंद्र सरकार पर हमला किया जा रहा है। संसद की 'कार्यवाही में व्यवधान' डालने के आरोप में कई विपक्षी सांसदों को संसद के दोनों सदनों में चल रही शीतकालीन सत्र की शेष कार्यवाही से निलंबित कर दिया गया है। इसी बीच, टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा सभापति की नकल उतारने का मामला भी तूल पकड़ता जा रहा है। इस मुद्दे को धनखड़ की तरफ से किसान और जाट का अपमान कहे जाने के मुद्दे पर अब मल्लिकार्जुन खरगे ने निशाना साधा है।

ईडी ने समन भेजकर तलब किया

तो विपश्यना के लिए पंजाब जाने की तैयारी में अरविंद केजरीवाल

होशियारपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में शराब घोटाले को लेकर ईडी ने आप सुप्रीमो व मुख्यमंत्री अरविंदर केजरीवाल को 21 दिसंबर को पेश होने के लिए समन भेजकर तलब किया है। पेश होने से पहले केजरीवाल ने ठीक एक दिन पूर्व उन्होंने 20 दिसंबर को होशियारपुर के गांव आनंदगढ़ स्थित विपश्यना मेडीटेशन सेंटर में आकर साधना करने का प्रोगाम बना लिया। सीएम का यहां पर दस दिन का प्रवास होगा।

इसके मद्देनजर जिला प्रशासन चौकस हो गया है। विपश्यना मेडीटेशन सेंटर के इर्द गिर्द पुलिस को सतर्क कर दिया गया है। बता दें कि आनंदगढ़ स्थित

विपश्यना मेडीटेशन सेंटर होशियारपुर से 12 किलोमीटर दूर है। इसके बाद दोपहर तीन बजे के करीब केजरीवाल का हेलीकॉप्टर चौहाल स्थित एक निजी फैक्ट्री के हेलीपैड पर लैंड करेगा।

सीएम केजरीवाल का यह निजी प्रोग्राम

उनके साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी रहेंगे। इसके अलावा भी किसी भी आप नेता और कार्यकर्ता के रहने की इजाजत नहीं होगी क्योंकि केजरीवाल का यह पूरी तरह से निजी प्रोग्राम है। बिना किसी से मिले पुलिस की कड़ी सुरक्षा में केजरीवाल सीधे विपश्यना मेडीटेशन सेंटर पहुंचेंगे। उनके साथ सीएम भगवंत मान भी जाएंगे। फिर केजरीवाल वहीं पर रुकेंगे और मान वहां से चले जाएंगे।

दस दिन तक शिविर में साधना करेंगे केजरीवाल

सेंटर में केजरीवाल दस दिन तक शिविर में साधना करेंगे। इस बीच वह किसी से मिलेंगे नहीं। तहकीकात करने पर मालूम पड़ा है कि विपश्यना सेंटर की देश में कई ब्रांचे हैं। साधना के लिए केजरीवाल ने होशियारपुर को इसलिए चुना है कि चूंकि आनंदगढ़ गांव पहाड़ियों की गोद में बसा है।

इसलिए सीएम केजरीवाल ने चुना आनंदगढ़

आब-ओ-हवा बहुत अच्छी है। एक तो मेडीटेशन सेंटर और दूसरे यहां की अद्भुत प्रकृति बहुत ज्यादा सुकून प्रदान करती है। दूसरा, पंजाब में ही साधना करने के लिए इसलिए भी चुना गया है कि चूंकि केजरीवाल पर ईडी का शिकंजा है। यहां पर आप की सरकार है। सो सुरक्षा के लिहाज से इसी चुना गया माना जा रहा है।

प्राइवेट फोटो वायरल विवाहित की आत्महत्या की आई खबर,तो युवक ने भी लगा लिया मौत को गले

मैसूर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मैसूर जिले के हुनसूर में एक युवक और एक गृहिणी ने अपनी एक फोटो वायरल होने के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। मृतकों की पहचान 28 वर्षीय विवाहित महिला श्रुति और 20 वर्षीय मुरली के रूप में की गई है, दोनों शहर के कलगुनिज के निवासी हैं। पुलिस के मुताबिक, मुरली और श्रुति दोस्त थे और मुरली ने उसके साथ फोटो भी ली थी। यह तस्वीर उनके स्टेटस पर अपलोड की गई और बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इस बात की जानकारी होने पर श्रुति और मुरली के परिवार वाले इस बात पर झगड़ने लगे। प्रतिक्रिया के डर से श्रुति ने अपने आवास पर फांसी लगा ली।

समाज के सभी वर्गों की राय लेने के बाद जाति आधारित गणना पर कोई निर्णय लेंगे : मुख्यमंत्री शिंदे

नागपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को कहा कि जाति आधारित गणना पर कोई निर्णय समाज के सभी वर्गों से राय लेने के बाद और लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। शिंदे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संस्थापक के बी हेडगेवार और दूसरे 'सरसंघचालक' एम एस गोलवलकर के रेशिमबाग स्थित स्मारकों पर पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले मंगलवार को आरएसएस के पदाधिकारी श्रीधर गाडगे ने कहा था कि जाति आधारित गणना नहीं होनी चाहिए, साथ ही उन्होंने प्रश्न किया था कि इससे क्या हासिल होगा?

विदर्भ सह-संघचालक गाडगे ने संवाददाताओं से कहा कि इस तरह की कवायद से कुछ लोगों को राजनीतिक रूप से फायदा हो सकता है, क्योंकि इससे यह डेटा मिलेगा कि किसी निश्चित जाति की आबादी कितनी है, लेकिन यह सामाजिक रूप से और राष्ट्रीय एकता के संदर्भ में अच्छा नहीं है।

कांग्रेस देशभर में जाति आधारित गणना कराने के पक्ष में है।

आरएसएस के पदाधिकारी की टिप्पणी के संबंध में पूछे जाने पर शिंदे ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र एक प्रगतिशील राज्य है और इसकी संस्कृति तथा परंपरा अन्य राज्यों से भिन्न है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, " यहां सभी समुदाय और जाति के लोग साथ मिलकर रहते हैं, काम करते है और जश्न मनाते हैं। इसलिए समाज के सभी वर्गों से राय लेने के बाद और लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए कोई निर्णय लिया जाएगा।" भारतीय जनता पार्टी के मंत्री और विधायक नागपुर में शीतकालीन सत्र के दौरान प्रत्येक वर्ष हेडगेवार और गोलवलकर के स्मारकों पर जाते हैं।

ओडिशा में ठंड का सितम जारी

भुवनेश्वर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा में शीतलहर का कहर जारी है तथा राज्य में 14 स्थानों पर न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग ने कहा कि कंधमाल जिले के जी। उदयगिरी में न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम का सबसे निचला स्तर है। उन्होंने बताया कि फुलबनी में न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस, किरेई में 7.5 डिग्री सेल्सियस, कोरापुट में आठ डिग्री सेल्सियस, अंगुल में आठ डिग्री सेल्सियस, दरिंगबाड़ी में 8.5 डिग्री सेल्सियस, क्योंझर में 8.6 डिग्री सेल्सियस, राउरकेला में 8.6 डिग्री सेल्सियस, तथा रानीताल में नौ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भुवनेश्वर और कटक में न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि अगले चार से पांच दिनों में पूरे ओडिशा में रात के तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। विभाग ने अगले 24 घंटों में राज्य के कुछ हिस्सों में कोहरा छाए रहने की संभावना व्यक्त की है।

दिल्ली में दिखा तेज रफ्तार का कहर डीटीसी बस ने कार को मारी जोरदार टक्कर

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में बुधवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। यहां मोती नगर रेड लाइट के पास तेज रफ्तार डीटीसी की ई-बस ने कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार चालक बुरी तरह घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। हादसा सुबह 6:30 बजे का है। एक डीटीसी की इलेक्ट्रिक बस शादीपुर की तरफ से आकर रोहिणी की तरफ जा रही थी। तभी दूसरी तरफ से आ रही कार में उसने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्ती की कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कार के एयर बैग खुल गए। उसके बाद भी कार चालक घायल हो गया साथ ही डीटीसी बस को भी नुकसान पहुंचा। बताया जा रहा है कि उस वक्त बस में बहुत कम सवारी थी। हालांकि, किसी भी सवारी को कोई चोट नहीं आई है और चालक कार में अकेला था। उसे हादसे में चोट लगी है। फिलहाल हादसे की वजह डीटीसी बस का तेज रफ्तार बताई जा रही है।

इंदौर में यू ट्यूबर पर रेप का केस, तलाकशुदा युवती को दे रहा था शादी का झांसा

इंदौर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। तलाकशुदा युवती को शादी का झांसा देकर शोषण करने के मामले में चर्चित यू ट्यूबर रॉबिन जिंदल के खिलाफ पुलिस ने रेप का केस दर्ज किया है। रॉबिन का यूट्यूब पर ओए इंदौरी चैनल है और उसके हजारो फालोअर है। एमआईजी पुलिस ने एक तलाकशुदा युवती की शिकायत पर रॉबिन के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज किया है। युवती एक निजी कंपनी में काम करती है और रॉबिन उसे शादी का झांसा देकर यौन शोषण करता था। जब युवती को पता चला कि रॉबिन की सगाई हो चुकी है और वह शादी करने वाला है तो उसने थाने में जाकर शिकायत कर दी। फिलहाल आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। 16 मार्च को युवती ने थाने में शिकायत की थी, इसके बाद ओए इंदौरी के नाम से यूट्यूब पर रील्स डालने वाला रॉबिन ने पीड़िता से मिन्नतें की और शादी करने की बात कहते हुए राजीनामा कर लिया था। युवती को सालभर से वह शादी की बात टाल रहा था और लगातार पीड़िता का शारीरिक शोषण भी कर रहा था। एक बार राजीनामा होने के बावजूद फिर मामला पुलिस तक पहुंचा तो युवती की शिकायत पर केस दर्ज हो गया।

जेपी नड्डा से मीटिंग के बाद शिवराज सिंह चौहान ने

एमपी के नए सीएम मोहन यादव को दिया ये बड़ा मैसेज

भोपल, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में मोहन यादव की ताजपोशी के बात पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रहीं थीं, लेकिन अब इन पर ब्रेक लगता दिख रहा है। पूर्व सीएम ने दिल्ली में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद सीएम मोहन यादव की जमकर तारीफ की। शिवराज सिंह चौहान ने मोहन यादव की तारीफ के बात कई और बातें कहीं। उन्होंने कहा कि डॉ। मोहन यादव प्रदेश के सीएम हैं और मैं एक विधायक हूं। ऐसे में वह मेरे भी नेता हैं। मेरी दिल से इच्छा यही है कि मैं जिन कामों को मध्य प्रदेश में आगे बढ़ाया, उसे वह और आगे ले जाएं। मध्य प्रदेश को बिमारू राज्य से विकासशील राज्य तक ले जाने का जो काम

मैंने किया, उसे मोहन यादव नई ऊंचाइयों पर ले जाएं।

'मोहन यादव का हर तरह से करूंगा सहयोग'

शिवराज सिंह चौहान ने आगे कहा कि, मुझे पूरा भरोसा है कि मोहन यादव इन कामों को मुझसे बेहतर तरीके से कर पाएंगे और प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। इस काम के लिए जो भी हो सकेगा मैं उनका पूरा सहयोग करूंगा। इसके अलावा मैं चाहूंगा कि वह जनकल्याण की योजनाएं भी चलाएं ताकि लोगों का भला हो सके। शिवराज सिंह ने मोहन यादव के लिए कहा कि, मुख्यमंत्री का दायित्व निभाने के लिए उन्हें मुझसे जो भी सहयोग चाहिए होगा, वह मैं करता रहूंगा।

केंद्र में मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

बता दें कि इससे पहले शिवराज सिंह चौहान ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की थी। इस मुलाकात को लेकर कहा जा रहा है कि पार्टी ने उन्हें जल्द नई जिम्मेदारी के लिए तैयार रहने को कहा है। उन्हें अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र में बड़ा रोल मिल सकता है।

लोकसभा चुनाव में मिल सकता है शिवराज का फायदा

दरअसल, शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश में काफी पॉपुलर हैं। बीजेपी के शीर्ष के नेता भी शिवराज सिंह की अहमियत के बारे में जानते हैं। यही वजह है कि बीजेपी ने उन्हें दिल्ली बुलाकर जनता को खासकर महिला वोटर को यह संदेश देने की कोशिश की है कि उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा रहा है। लोकसभा चुनाव से पहले मध्य प्रदेश के इस लोकप्रिय चेहरे को नजरअंदाज करना बीजेपी के लिए जोखिमपूर्ण हो सकता है, इसी वजह से पार्टी उन्हें जल्द केंद्र में बड़ा रोल देकर डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश करेगी।

गजब! ब्रा पैड में छुपाया नौ करोड़ का ड्रग्स, डीआरआई ने ऐसे किया खुलासा

मुंबई, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। डीआरआई ने ड्रग्स तस्करी के एक नए मॉड्स अपरेंडी का खुलासा किया है। युगांडा की रहने वाली एक महिला इसी मॉड्स अपरेंडी से पुलिस की आंखों में धूल झोंक कर ड्रग्स की तस्करी कर रही थी। डीआरआई की टीम ने इस मजिला के पास से करीब 890 ग्राम कोकीन बरामद किया है। खुले बाजार में इस ड्रग्स की कीमत करीब नौ करोड़ रुपये आंकी जा रही है। यह महिला छोटी छोटी थैलियों में ड्रग्स की यह खेप अपने ब्रा पैड और हेयर विग में छिपा कर भारत ला रही थी। डीआरआई के अधिकारियों के मुताबिक यही नहीं, कुछ और विदेशी महिलाओं को ड्रग्स तस्करी के लिए मादक पदार्थों को सैनिटरी पैड में छिपा कर लाते हुए पकड़ा गया है। जबकि इससे पहले तरल कोकीन को व्हिस्की की बोतलों में लाने के मामले सामने आ चुके हैं। इस बार ब्रा पैड और हेयर विग के अंदर कैविटी मिली है। यह एक तरह का अनोखा तरीका है। आम तौर पर पुलिस या डीआरआई की टीम महिलाओं के ऐसे स्थानों पर चेकिंग नहीं करती है। डीआरआई की टीम ने इस बरामदगी का एक वीडियो भी जारी किया है। इसमें महिला के सिर से विग उतार कर कोकीन की खेप बरामद की जा रही है। डीआरआई के अधिकारियों के मुताबिक यूगांडा की रहने वाली इस महिला से पूछताछ में पता चला है कि वह पहली बार इस तरह से कोकीन की तस्करी नहीं कर रही। बल्कि इससे पहले भी कई बार वह ड्रग्स की बड़ी खेप लेकर भारत आ चुकी है। महिला ने डीआरआई टीम को बताया कि वह लंबे समय से अपने हेयर विग, ब्रा पैड और सेनेटरी पैड में ड्रग्स लेकर आती रही है। दरअसल इन स्थानों चेकिंग के दौरान पुलिस लापरवाह तो होती ही है, स्कैनर भी ड्रग्स को स्कैन नहीं कर पाता।लेकिन चूंकि डीआरआई को पहले से पुख्ता इनपुट मिल चुके थे, इसलिए गंभीरता से जांच हुई और इस तरह की तस्करी का खुलासा हुआ है। डीआरआई के मुताबिक महिला को एनडीपीएस एक्ट के तहत अरेस्ट कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महाराष्ट्र के शनेश्वर मंदिर में भ्रष्टाचार की जांच के आदेश

डिप्टी सीएम फड़णवीस ने कहा दोषियों पर होगी कार्रवाई

नागपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़णवीस ने बुधवार को विधान परिषद में कहा कि शनि शिंगणापुर शहर में स्थित शनेश्वर मंदिर में भ्रष्टाचार की जांच होगी। फड़णवीस ने सदन के सदस्यों को बताया कि जांच के लिए सचिव स्तर के अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। संगठनों के सभी लेनदेन का ऑडिट किया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक चन्द्रशेखर बावनकुले के ध्यानआकर्षण प्रस्ताव पर डिप्टी सीएम ने मंदिर में भ्रष्टाचार की जांच के आदेश दिए। बीजेपी विधायक ने देवस्थान समिति को भंग करने की भी मांग की है।

आरोपियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि शनेश्वर मंदिर न्यासी अधिनियम 2018 लागू किया जाएगा। फड़णवीस ने कहा कि मंदिर में भ्रष्टाचार करने वाले लोगों को बक्शा नहीं जाएगा। सभी आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि इस मंदिर में भ्रष्टाचार के आरोप काफी समय से लग रहे थे। इसकी जांच की मांग सत्ताधारी दल के विधायकों ने भी सरकार से की थी।

जानें क्या है पूरा मामला

बता दें कि शनि शिंगणापुर में श्री शनिश्वर देवस्थान में न्यासी बोर्ड द्वारा 1800 श्रमिकों को अनौपचारिक रूप से भर्ती किया गया था। यह संख्या आवश्यकता से कई गुना अधिक है और इनमें से सैकड़ों श्रमिकों को घर बैठे वेतन दिया जा रहा है। मंदिर क्वार्टर पर दर्शन के लिए 500 रुपये की फर्जी रसीद छपवाकर 2 करोड़ रुपये का गबन करने का आरोप है। मंदिर को मिलने वाला दान एक निजी शिक्षण संस्थान को दिया जा रहा है। 24 घंटे बिजली आपूर्ति होने पर प्रति माह 40 लाख का डीजल जलता था। मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए 20 करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया गया था, हालांकि 50 करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद 50 से 60 फीसदी काम अभी भी बाकी है।

अमृतसर में पुलिस के साथ मुठभेड़ में गैंगस्टर मारा गया

चंडीगढ़, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। अमृतसर के जंडियाला गुरु इलाके में बुधवार को पंजाब पुलिस के साथ गोलीबारी में एक गैंगस्टर मारा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अमृतपाल सिंह को दो किलो हेरोइन की बरामदगी के लिए जंडियाला गुरु ले जाया गया था, तभी उसने वहां छिपाई गई पिस्तौल से पुलिस पर गोली चला दी और भागने की कोशिश की। पुलिस ने कहा कि जवाबी कार्रवाई में आरोपी की मौत हो गई और घटना में एक अधिकारी घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि अमृतपाल पर हत्या, हत्या के प्रयास सहित अन्य आरोप थे।

मणिपुर में लगातार बिगड़ रहे हालात

अब 5 दिन के लिए इंटरनेट बंद, चुराचांदपुर में फरवरी तक धारा 144

चुराचांदपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। हिंसा की आग में जल रहे मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में देर रात दो छात्र समूहों के बीच हिंसक झड़प हुई। इसके बाद मणपुर सरकार ने जिले में पांच दिनों के लिए मोबाइल इंटरनेट बंद कर दिया है। इसके अलावा दो महीने के लिए जलि में सभाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। उधर, हिंसक झड़प में कई नागरिक घायल हो गए। वहीं सीआरपीसी की धारा 144 के तहत प्रतिबंध भी लगाए गए हैं। जो कि राज्य में चल रहे संघर्ष के 87 आदिवासी पीड़ितों को चुराचांदपुर शहर में बुधवार को सामूहिक दफन से पहले लगाया गया। जिला मजिस्ट्रेट धारुन कुमार एस। ने एक आदेश जारी कर कहा कि दो समूहों के बीच हो रहे टकराव की वजह से अभी भी शांति भंग होने की आशंका, हालात अभी भी तनावपूर्ण हैं। इस आदेश के बाद राज्य में सोमवार से धारा 144 लागू कर दी गई है, जो 18 फरवरी 2024 तक लागू रहेगी। इसके तहत एक जगह पर पांच या उससे ज्यादा लोगों के एक साथ खड़े रहने या एकत्रित होने पर मनाही है साथ ही हथियार रखने की भी मनाही है। जिला मजिस्ट्रेट कहना है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने हिंसा से प्रभावित इलाकों में शांति बनाए रखने के लिए हर तरह से प्रयास किए हैं। गौरतलब है कि मणिपुर के कई हिस्सों में इस साल मई के बाद से जातीय संघर्ष चल रहा है।

तोमर 16वीं विधानसभा के 19वें अध्यक्ष चुने गए, कांग्रेस ने भी दिया अपना समर्थन

भोपाल, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को 16वीं विधानसभा का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। बुधवार को हुए चुनाव में वे निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। वे विधानसभा के 19वें अध्यक्ष हैं। इसके साथ ही ग्वालियर चंबल से आने वाले पहले विधानसभा अध्यक्ष हैं। उनके निर्वाचन पर सदन के सभी सदस्यों ने उन्हें बधाई दी। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि नरेंद्र सिंह तोमर व्यक्ति नहीं एक पूरी संस्था हैं। मैंने उन्हें कभी धैर्य खोते नहीं देखा। वे अटल बिहारी बाजपेयी की तरह मप्र में अजातशत्रु हैं।

सीएम ने रखा प्रस्ताव सिंघार ने किया समर्थन

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने तोमर के नाम का प्रस्ताव रखा जिसका समर्थन नेताप्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने किया। इसके साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी तोमर के नाम का प्रस्ताव रखा और प्रह्लाद पटेल ने उसका समर्थन किया। कैलाश विजयवर्गीय ने भी तोमर के नाम का प्रस्ताव रखा जिसका समर्थन डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने किया। कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत ने भी तोमर के नाम का समर्थन किया।

वार्ड अध्यक्ष से विधानसभा अध्यक्ष तक

1977 में युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष बने। 96 में युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष। 1998 में पहली बार विधायक चुने गए। 2003 में दूसरी बार विधायक बने। 2003 से 2008 तक के कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रहे। 2008 में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिली। इसके बाद 2009 में लोकसभा के रास्ते केंद्र में पहुंचे। 2012 में एक बार फिर प्रदेश अध्यक्ष का जिम्मा सौंपा। 2014 में लोकसभा सदस्य चुने गए और केंद्रीय मंत्री भी बने। 19 में भी लोकसभा सदस्य चुने गए और केंद्रीय मंत्री बने। 2023 में पार्टी ने एक बार फिर उन्हें विधायक का टिकट दिया। वे जीते और अब उन्हें विधानसभा अध्यक्ष बनाया गया है।

हंसी मजाक में बोले प्रह्लाद पटेल

इस दौरान नरसिंहपुर से विधायक प्रह्लाद पटेल ने कहा कि अब आप पर वह टिप्पणियां नहीं कर पाएंगे, जो साथ रहते हुए आपका मार्गदर्शन लेते हुए की जाती थी। मैं जिस सदन में रहा हूं उसका अलग अनुभवः कांग्रेस विधायक इस दौरान विजयपुर से कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत बोले कि मैं जिस सदन में रहा हूं, उसका अलग अनुभव रहा है। नरेंद्र सिंह तोमर जी आप धैर्य की परिभाषा है। आपको विधायक का लंबा अनुभव है। बहुमत के आधार पर अध्यक्ष जी का चयन होता है, लेकिन आसंदी पर पहुंचकर आप सभी का संरक्षण करेंगे यही विश्वास है।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गरीश गौतम

इस दौरान पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गरीश गौतम ने नए अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को दी बधाई। इसके साथ ही बोले कि विधानसभा अध्यक्ष मैं भी रहा हूं, इस पद की एक गरिमा है। हम सब का विश्वास है आप इस पद का सम्मान बरकरार करते हुए इसे आगे बढ़ाएंगे।

विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने पर गोपाल भार्गव ने भी दी तोमर को बधाई

इस दौरान गोपाल भार्गव बोले कि मेरे 40 वर्ष के इस कार्यकाल में कई विधानसभा अध्यक्ष रहे, जिनके साथ काम किया। इस विधानसभा में जितने अनुभवी और प्रशासनिक अनुभव रखने वाले सदस्य हैं ऐसा मध्य प्रदेश के विधानसभा में नहीं देखा।

कैलाश विजयवर्गी बोले- बड़ा भावुक खोकर यहां खड़ा हूं

इंदौर-1 से विधायक कैलाश विजयवर्गी बोले कि मैंने आपकी राजनीतिक यात्रा शुरू से देखी, छात्र राजनीति करते थे। आप डबल साइकिल पर बैठाकर ले जाते थे, छात्र राजनीति में सोचा नहीं था कि मंत्री बनेंगे या विधानसभा आएंगे। तब तो यही सपना भी आते थे कि पुलिस पीछे है और डंडे पड़ रहे। आपको इस कुर्सी पर देख कर मैं खुद को भी गौरव महसूस कर रहा हूं, नई पीढ़ी को बताना चाहता हूं इस कुर्सी के पीछे बैठने में कितना परिश्रम है। यह नरेंद्र सिंह तोमर के जीवन से देख सीख सकते हैं। वहीं उन्होंने कहा कि आप कई बार पीठ पर हाथ मारते हैं तो लोगों को लगता है शाबाशी मिली। लेकिन जिसको पड़ता है वही जनता है।

कांग्रेस को कैलाश विजयवर्गीय की नसीहत

इस दौरान कैलाश विजयवर्गी ने कांग्रेस को नसीहत दे डाली। उन्होंने कहा कि विरोध करना पहले पेज पर छपना यह अपनी जगह है, लेकिन सदन कैसे चले यह भी सोचें।

सदन में भूपेंद्र सिंह ने कहा

आपके व्यक्तित्व को समझना और पढ़ना यह मुझे अवसर मिला है। आपके साथ युवा मोर्चा से लेकर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में जब आप थे तब काम करने का, महामंत्री के रूप में मौका मिला आज गरिमामय क्षण है। इस शुभ अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा भी सदन में मौजूद है

जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर हटाने को लेकर आमने-सामने कांग्रेस बीजेपी

जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर हटाने पर प्रोटेम स्पीकर गोपाल भार्गव ने कहा कि जिस दीवार पर तस्वीर लगी थी, उसमें सीलन आ गई थी, इसलिए पंडित नेहरू की तस्वीर हटाई गई थी। इसको लेकर सदन की समिति है, उसमें चर्चा की जाएगी फिर फैसला लिया जाएगा तस्वीर लगाने को लेकर।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने अपने निर्वाचन पर उन्होंने कहा कि मेरी एक कोशिश रहेगी कि मेरी निगाह और नजर हर सदस्य पर रहे। उसका जो हक है उसे मिल सके। इसके साथ ही उन्होंने नए सदस्यो को सीखने और अध्ययन करने की सलाह दी, वहीं पुराने सदस्यों को नसीहत देते हुए कहा कि वे ये न सोचें की वे सब कुछ सीख गए हैं। वे विद्यार्थी का भाव हमेशा रखें।

उन्होंने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मेरे से पूर्व सभी अध्यक्षों ने अनेक मांनदण्ड स्थापित किए हैं। परंपरा स्थापित की है। अपने-अपने कार्यकाल में अपने-अपने ढंग से सदन का गौरव बढ़े इस बात का प्रयत्न किया गया है। अध्यक्ष के रूप में आप सब की निश्चित रूप से मुझसे भी ऐसी अपेक्षा है। मेरी ईमानदार कोशिश होगी कि मैं आपकी अपेक्षा के अनुसार अपने दायित्व का निर्वहन कर सकूं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 21 दिसंबर, 2023 3

सुविचार

यहां सिर्फ एक ही जाति है, मानवता की जाति। एक ही धर्म है, प्रेम का धर्म। केवल एक ही भाषा है, हृदय की भाषा।

सरकार सांप्रदायिक सौहार्द्र की रक्षा करेगी : सीतक्का

मंत्री ने ईसाई कर्मचारी संघ के क्रिसमस समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज मंत्री और ग्रामीण विकास मंत्री दनसारी अनसूया, सीताक्का ने कहा कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली नवनिर्वाचित कांग्रेस सरकार तेलंगाना राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव की रक्षा करेगी। मंत्री बुधवार को यहां सचिवालय में डॉ. बी. आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय ईसाई कर्मचारी संघ द्वारा आयोजित क्रिसमस समारोह में मुख्य अतिथि थी। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि लोग दुनिया के उद्धारकर्ता ईसा मसीह के जन्मदिन पर क्रिसमस का त्योहार पूरी दुनिया में खुशी और खुशी के साथ मनाएंगे। उन्होंने शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में अनुकरणीय सेवाएं प्रदान करने के लिए ईसाई समुदाय की सराहना की। मंत्री ने लोगों से शांति और भाईचारे के साथ रहने की अपील की और कहा कि राज्य सरकार ईसाइयों को सुरक्षा प्रदान करेगी। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए एडवर्ड विलियम्स ने क्रिसमस केक काटा. विलियम्स ने कहा कि "यीशु पापों को क्षमा करने के लिए दुनिया में आये।" उन्होंने क्रिसमस त्योहार की विशिष्टता और ईश्वर के प्रेम को कैसे प्राप्त करें और साझा करें, इसके बारे में बताया। विलियम्स ने सभी लोगों से प्रभु यीशु द्वारा सिखाए गए शांति के सिद्धांतों का पालन करने का आह्वान किया। प्रोटोकॉल निदेशक अरविंदर सिंह और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी विजयकुमार ने शुभकामनाएं दीं। सेक्रेटेरिएट चर्च क्वायर और सदस्यों ने संगीत निर्देशक पीजेडी कुमार के निर्देशन में क्रिसमस कैरोल गाए। तेलंगाना सचिवालय कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष ई. चित्तिबाबू ने समारोह की अध्यक्षता की। एसोसिएशन के सदस्य सुवर्णाराजू, शशिभूषण, प्रेमलाला, देवराजू, विक्रम, मनोरमा, स्वामीनाथन भूमपाग जैकब रॉस और अन्य ने भाग लिया। समारोह में सचिवालय कर्मचारियों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया।

बालाजी मंदिरों में श्रीवारी वैकुंठद्वार दर्शन 23 को

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी हैदराबाद के डिप्टी ईओ रमेश बाबू ने कहा है कि टीटीडी 23 दिसंबर से अधिक से अधिक भक्तों को हिमायतनगर और जुबली हिल्स मंदिरों में श्रीवारी वैकुंठद्वार दर्शन प्रदान करने के लिए व्यापक व्यवस्था कर रहा है। आज यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, ईओ ने कहा कि वैकुंठद्वार दर्शन 23 दिसंबर की सुबह 3.30 बजे शुरू होगा और आधी रात को समाप्त होगा। उन्होंने कहा कि इन काउंटरों पर विशेष कतार लाइनें, बैरिकेड्स, पीने का पानी उपलब्ध कराया जाएगा। पौराणिक कथा के अनुसार, श्री महा विष्णु के वैकुंठ में एक दिन की अवधि पृथ्वी पर एक वर्ष के बराबर मानी जाती है।

इसी प्रकार, वैकुंठ में दिन के 12 घंटे का समय पृथ्वी पर छह महीने के बराबर होता है जिसे उत्तरायण भी कहा जाता है और वैकुंठ में 12 घंटे की रात के समय को पृथ्वी पर दक्षिणायन के छह महीने के रूप में जाना जाता है। इसी तरह, वैकुंठ में 120 मिनट पृथ्वी पर 30 दिनों के बराबर है जिसे धनु मास के रूप में जाना जाता है। उस एक दिन में, वह 40 मिनट के लिए सभी देवताओं को दर्शन देते हैं, जो पृथ्वी पर वैकुंठद्वार दर्शनम के 10 दिनों के बराबर है।

विदेशी मुद्रा विनिमय धोखाधड़ी गिरोह के सात सदस्य गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, नॉर्थ जोन टीम ने विदेशी मुद्रा विनिमय धोखाधड़ी में वांछित अंतर-राज्य गिरोह के सात आरोपियों को पकड़ा और उन्हें बोवेनपल्ली पुलिस स्टेशन को सौंप दिया। आरोपियों में मोहम्मद इमरान शेख पुत्र मोहम्मद सिराजुल इस्लाम, निवासी दिल्ली, वाहिद शेख निवासी दिल्ली, हासिम आलम निवासी बिहार, कुलसुम, निवासी दिल्ली, मोहम्मद अली शेख निवासी बिहार, निशा दिल्ली, शेख निसार अहमद यूपी शामिल है। इनके पास से पुलिस को 7,47,000, बजाज डिस्कवर वाहन मिला है। इनके खिलाफ बोवेनपल्ली पुलिस स्टेशन और तिरूमलगिरी मामले दर्ज है। आरोपियों ने संगारेड्डी में एक घटना को अंजाम दिया है। आरोपियों ने 'कम विनिमय दर' पर भारतीय रुपये में मुद्रा विनिमय के लिए दिरहम वाले छोटे व्यवसायियों से संपर्क किया। पीड़ितों को कम विनिमय दर का लालच देने के बाद, उन्होंने उनसे भारतीय रुपये को एक भीड़ भरे सार्वजनिक स्थान पर लाने के लिए कहा, जहां, उन्होंने भारतीय रुपये एकत्र किए और दिरहम का एक बंडल सौंप दिया। ऊपर कुछ दिरहम के नोट रखे गए और पीड़ितों को दिखाए गए, बंडल के बाकी हिस्से को मुड़े हुए अखबारों से भर दिया गया। आरोपियों ने पीड़ितों को सार्वजनिक स्थान पर बंडल न खोलने की चेतावनी दी और मौके से भाग निकले। पुलिस ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि विदेशी मुद्रा के चक्कर में आकर्षित होकर अपना पैसा न गंवाए। यदि कोई विदेशी मुद्रा विनिमय की पेशकश लेकर आता है तो तुरंत संबंधित पुलिस स्टेशन को सूचित करें। पकड़े गए आरोपियों को जब्त सामग्री के साथ आगे की कार्रवाई के लिए बोवेनपल्ली पुलिस स्टेशन के प्रभारी को सौंप दिया गया।

उत्तम ने गलत आंकड़ों से विधानसभा को गुमराह करने के लिए हरीश राव की आलोचना की

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कृषि पंप सेटों पर स्मार्ट मीटर की स्थापना पर झूठे आंकड़ों के साथ विधानसभा को गुमराह करने के लिए पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक हरीश राव की आलोचना की है। बुधवार को विधानसभा में "तेलंगाना राज्य वित्त-श्वेत पत्र" पर एक संक्षिप्त चर्चा में भाग लेते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने बीआरएस विधायक हरीश राव के बयान पर आपत्ति जताई, जिन्होंने कहा था कि केंद्र ने तेलंगाना राज्य को 35,000 करोड़ रुपये जारी करने से इनकार कर दिया है। कृषि पंप सेटों पर बिजली के मीटरों पर सवाल उठाया और कहा कि हरीश राव का बयान झूठ और झूठ से भरा है। "विधेयक के मसौदे में, कृषि पंप सेटों पर बिजली मीटर लगाने के लिए किसानों से धन एकत्र करने का कोई उल्लेख नहीं था। मुझे इस मामले की पूरी जानकारी है क्योंकि मैं संसदीय समिति का सदस्य हूं। हरीश राव का धन एकत्र करने का दावा उत्तम कुमार रेड्डी ने स्पष्ट किया, ''किसानों की ओर से यह पूरी तरह से झूठ है।'' मंत्री ने यह भी खुलासा किया कि नागरिक आपूर्ति विभाग में चार साल से कोई ऑडिट नहीं हुआ है और विभाग 58,000 करोड़ रुपये के कर्ज में डूबा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने अपनी असंतुलित नीतियों से तेलंगाना को कर्ज में डूबे राज्य में धकेल दिया था और वांछित परिणाम प्राप्त किए बिना परियोजनाओं के नाम पर लाखों करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। सिंचाई मंत्री ने कहा कि बीआरएस सरकार ने कालेश्वरम परियोजना के हिस्से के रूप में मेदिगड्डा बैराज को दोषपूर्ण डिजाइन किया था और इसने उन विशेषज्ञों के सुझावों को नजरअंदाज कर दिया था जिन्होंने परियोजना के निर्माण के अधिकार का विरोध किया था। उन्होंने यह भी बताया कि अन्नाराम और सुंडीला परियोजनाओं की सरचनाओं में दरारें आ गई हैं और इन परियोजनाओं की तुरंत मरम्मत की जरूरत है। उन्होंने दोहराया, "सार्वजनिक धन का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार भ्रष्टाचार

कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना के वित्त पर श्वेत पत्र जारी किया

उप मुख्यमंत्री ने विधानसभा में दी जानकारी

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने बुधवार को तेलंगाना की वित्त स्थिति पर एक श्वेत पत्र जारी किया और घोषणा की कि तेलंगाना पर 6,71,757 करोड़ रुपये का कर्ज है। "तेलंगाना राज्य वित्त-श्वेत पत्र" पर एक संक्षिप्त चर्चा की घोषणा के बाद विधानसभा को संबोधित करते हुए, उप मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के समय, कर्ज 72,658 करोड़ रुपये था और यह था। दस वर्षों में 24.5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से वृद्धि हुई। उन्होंने बताया कि राजस्व का 34 प्रतिशत ऋण पुनर्भुगतान में और 35 प्रतिशत कर्मचारियों के वेतन और पेंशन में जा रहा था। उपमुख्यमंत्री ने तेलंगाना की खराब वित्तीय स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी स्थिति है कि राज्य सरकार को दैनिक खर्चों के लिए भी ऋण लेना पड़ता है और राज्य दस वर्षों में दिवालिया हो गया है। विक्रमार्का ने कहा, "पिछली बीआरएस सरकार द्वारा की गई आर्थिक अराजकता के बारे में लोगों को बताना हमारी ज़िम्मेदारी है।" इस बीच, श्वेत पत्र में कहा गया है कि बढ़ते राजकोषीय तनाव के कारण, राज्य को दैनिक आधार पर आरबीआई से मिलने वाले तरीकों और साधनों पर निर्भर रहना पड़ता है। कांग्रेस सरकार ने बताया कि राज्य शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर पर्याप्त धन खर्च करने में सक्षम नहीं है, जहां कुल व्यय के अनुपात के रूप में बजटीय राशि देश में सबसे कम है। श्वेत पत्र में खुलासा किया गया कि तेलंगाना राज्य, जो 2014 में राजस्व अधिशेष राज्य था और देश की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक था, अब ऋण संकट का सामना कर रहा है। इसमें कहा गया है, "बजट से इतर उधारी से कर्ज जमा होने की दर के कारण यह स्थिति पैदा हुई है। अनावश्यक खर्चों को कम करते हुए राज्य के संसाधनों को बढ़ाने और गरीबों के उत्थान के लिए व्यय को निर्देशित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।" हालाँकि, राज्य सरकार ने दोहराया कि वह चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी द्वारा वादा की गई सभी छह गारंटियों को लागू करेगी और कहा कि वह जिम्मेदार, विवेकपूर्ण और पारदर्शी तरीके से राजकोषीय चुनौतियों से निपटेगी।

दक्षिण मध्य रेलवे में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय में दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर जी. के. द्विवेदी, सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित थे तथा मंडलों व कारखानों के प्रतिनिधियों ने ऑन लाइन माध्यम से सहभागिता की। महाप्रबंधक महोदय ने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस रेलवे पर राजभाषा के क्षेत्र में अच्छा कार्य हो रहा है। संसदीय राजभाषा समिति द्वारा, रेलवे बोर्ड स्तर पर, गृह मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा इस रेलवे पर हिंदी में हो रहे कार्य की सराहना की गई। उन्होंने कहा कि राजभाषा कार्यान्वयन के लिए राजभाषा विभाग के पास दो चुनौतियां हैं-एक है विभागों में हिंदी कार्य को बढाने हेतु अधिक से अधिक कर्मचारियों को जोडना तथा दूसरा कर्मचारियों द्वारा उनको सौंपे गए कार्य के सुचारु निष्पादन के लिए उन्हें दिए जानेवाले निदेश उनकी अपनी भाषा में देना, ताकि वे निदेशों को ठीक तरह से समझ सकें और अपना कार्य बेहतर ढंग से कर सकें।

उन्होंने आगे कहा कि रेल संरक्षा से जुड़े हिंदी भाषी कर्मचारियों की अधिकता को देखते हुए रेल संरक्षा से संबंधित सभी नियमों तथा निदेश आदि को हिंदी में जारी किया जाना न केवल राजभाषा नियम के अनुपालन के कारण बल्कि रेल संरक्षा की दृष्टि से भी अनिवार्य है। वेबसाइट पर जन सूचनाएं अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में भी अपलोड करने से आरटीआई के मामले कम होंगे और हमारे काम का बोझ कम होगा।

इससे पहले बैठक के आरंभ में मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख प्रमुख मुख्य सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर ने माननीय महाप्रबंधक तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि स्टेशन संचालन नियमों का अनुवाद प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। वेबसाइट पर भी सामग्री हिंदी में भी अपलोड करने के संबंध में कार्रवाई जारी है। उन्होंने कहा कि संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति द्वारा विजयवाडा मंडल, हैदराबाद मंडल, रायनपाडु कारखाना के निरीक्षण के दौरान की गई टिप्पणियों पर आवश्यक कार्रवाई की जाए। डॉ. श्याम सुंदर साहू, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने पिछली तिमाही की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट की मदों पर विस्तार से चर्चा की। एम.के.नागराजु, राजभाषा अधिकारी, प्रधान कार्यालय ने पिछली तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्यों की जानकारी दी। मंडलों और कारखानों के प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और अगली तिमाही की कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

भाजपा ने तब्लीगी जमात के सम्मेलन के लिए 3 करोड़ रुपये मंजूर करने की निंदा की

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा की राज्य प्रवक्ता रचना रेड्डी ने आज रंगा रेड्डी जिले के पारिगी में तब्लीगी जमात के एक सम्मेलन के आयोजन के लिए 3 करोड़ रुपये मंजूर करने के राज्य सरकार के फैसले की निंदा की। राज्य पार्टी कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए रचना रेड्डी ने पूछा कि राज्य सरकार इस्लाम और आतंकवाद की विचारधारा फैलाने वाले संगठन को पैसा क्यों दे रही है? उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से पूछा कि वह टुकड़े-टुकड़े गैंग के साथ क्या करेंगे? उन्होंने कहा कि नई कांग्रेस सरकार अब अपना असली रंग उजागर कर रही है। उन्होंने दावा किया कि हाल के विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस पार्टी ने कई वादे किये, झूठ बोला और वोट हासिल किये। कांग्रेस सरकार आते ही, मुस्लिम मिशनरी संगठन तब्लीगी जमात द्वारा आयोजित सम्मेलन को वित्त पोषित किया गया था। विकाराबाद जिले के परिगी मंडल में आयोजित एक बैठक में धनराशि को मंजूरी दी गई। हम अल्पसंख्यकों के ख़िलाफ़ नहीं हैं। लेकिन सरकार इस्लाम और आतंकवाद की विचारधारा फैलाने वाले संगठन को पैसा क्यों दे रही है? 13 दिसंबर 2023 को जारी अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के जीओ नंबर 123 में सम्मेलन के लिए धनराशि स्वीकृत करना देश के लिए खतरनाक है।

छापेमारी का वीडियो साझा नहीं किया : डीसीपी

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीते रविवार को जुबली हिल्स में कुछ पबों में नशीली दवाओं की जांच के लिए पुलिस की तलाशी और छापेमारी के बारे में चल रहे वीडियो पर विवाद के बाद, पुलिस ने स्पष्ट किया कि वीडियो उनके द्वारा साझा नहीं किए गए थे। डीसीपी (पश्चिम) जोएल डेविस ने कहा कि वीडियो निजी लोगों द्वारा लिए गए थे और हो सकता है कि उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया गया हो। वास्तव में, आगंतुक स्वयं पब में पुलिस कार्रवाई का फिल्मांकन कर रहे थे। जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा कि कांस्टेबलों ने अपने रिकॉर्ड के लिए वीडियो लिया और इसे किसी के साथ साझा नहीं किया गया। यह एक सार्वजनिक स्थान है और कोई भी प्रतिष्ठान में जा सकता है। इसलिए हम किसी से वीडियो न लेने के लिए नहीं कह सकते है।

आर्मी पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेल दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आर्मी पब्लिक स्कूल, आरके पुरम ने अपना 24 वां वार्षिक खेल दिवस, 'स्पोर्ट्स स्पेक्टाकुला' बड़े जोश और उत्साह के साथ मनाया। इसका उद्देश्य छात्रों को खेल को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना और स्कूल के खेल नायकों की उपलब्धियों का जश्न मनाना था। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर ए ए देशपांडे, कमांडेंट एओसी सेंटर और स्कूल के चेयरमैन के आगमन के साथ हुई। विद्यार्थियों द्वारा मंगलाचरण नृत्य से कार्यक्रम की शुभ शुरुआत हुई। इसके बाद औपचारिक ध्वज मार्च, ध्वजारोहण और मशाल रिले का आयोजन किया गया। एपीएस आरके पुरम प्रिंसिपल सुश्री अर्चना राय ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और इस बात पर प्रकाश डाला कि स्कूल ने कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

मुख्य अतिथि ने शिक्षकों एवं मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। खेल उत्सव की शुरुआत प्री-प्राइमरी विंग के नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए आयोजित मनोरंजक दौड़ से हुई, जो आनंद और खुशी लेकर आई। कार्यक्रम में एथलेटिक कार्यक्रम और चमकीले रंगों में सजे छात्रों द्वारा शानदार नृत्य प्रदर्शन शामिल थे। उत्साही माता-पिता बड़ी संख्या में एकत्र हुए और उत्साही युवा खेल सितारों की लगातार सराहना की। मुख्य अतिथि ने सभा को संबोधित किया और शिक्षा और खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्कूल की प्रशंसा की। उन्होंने समग्र विकास के लिए खेलों के महत्व पर भी जोर दिया। कार्यक्रम का समापन ग्रैंड फिनाले के साथ हुआ जहां छात्रों ने मिशन चंद्रयान III को श्रद्धांजलि दी और प्रेरणा ली कि आकाश कोई सीमा नहीं है। भव्य समापन समारोह के साथ खेल दिवस का समापन हुआ।

कोरोना के नए वेरिएंट पर सावधानी बरतें : स्वास्थ्य मंत्री

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य राज्य मंत्री दामोदरा राजनरसिम्हा ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. राज्य के चिकित्सा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री दामोदरा राजनरसिम्हा ने मनसुख मंडाविया के तत्वावधान में सभी राज्यों के चिकित्सा और स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ एक उच्च स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंस में राज्य सचिवालय से भाग लिया। तेलंगाना राज्य में कोरोना का नया वैरिएंट जेएन-1 महामारी

मंत्री ने एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में उठाए जा रहे उपायों का खुलासा किया। इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में तेलंगाना राज्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सचिव, स्वास्थ्य निदेशक और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

केंद्रीय मंत्री भगवंत खुबा ने बुधवार को विधानसभा, तेलंगाना के सीएम चैंबर में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मुलाकात की।

तेलंगाना सरकार के पास दैनिक खर्चों के लिए राशि नहीं : अकबरुद्दीन

हैदराबाद, 20 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। मजलिस नेता अकबरुद्दीन ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि, तेलंगाना सरकार के पास दैनिक खर्चों के लिए राशि नहीं है। इस संदर्भ में, मजलिस पार्टी नेता अकबरुद्दीन ओवैसी ने जारी विधानसभा सत्र में बीजेपी और कांग्रेस सरकार को जवाब देते हुए कहा कि बीआरएस शासन के दौरान तेलंगाना पर कर्ज बढ़ गया और वो सरकार दिवालिया हो गयी। उन्होंने कहा कि यह कहना सही नहीं है कि तेलंगाना दिवालिया हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि, यह कहकर राज्य में आने वाले उद्योगों को गलत संकेत न देने की सलाह दी।

भारतीय रिज़र्व बैंक
संपदा विभाग, हैदराबाद

ई-निविदाः बैंक के अधिकारी आवास, अमीरपेट, हैदराबाद में एक यात्री लिफ्ट का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग।

1. भारतीय रिज़र्व बैंक, बैंक के अधिकारी आवास, अमीरपेट, हैदराबाद में एक यात्री लिफ्ट के डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग हेतु ई-निविदा आमंत्रित करता है। कार्य की अनुमानित लागत ₹20 लाख (रुपये बीस लाख केवल) है। पूर्व-पात्रता मानदंडों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया निविदा सूचना के साथ निविदा दस्तावेजों को देखें, जो 21 दिसंबर 2023 से एमएसटीसी लिमिटेड के ई-निविदा पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) और हमारी वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर 'निविदाओं' के तहत उपलब्ध हैं।
2. ई-निविदाएं केवल एमएसटीसी पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) के माध्यम से 31 जनवरी 2024 को 14:00 बजे तक जमा की जा सकती हैं। इच्छुक पात्र निविदाकारों को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने हेतु एमएसटीसी लिमिटेड के साथ स्वयं को पंजीकृत करना होगा।
3. बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

हैदराबाद
21 दिसंबर 2023

हस्ता/-
क्षेत्रीय निदेशक

जन्मदिन की शुभकामनाएं

अलाकुंटा गणेश
माता: ए. पूजा
पिता: ए. अयांश

पूर्वोत्तर रेलवे

शुद्धि-पत्र-दिनांक- 19.12.2023
Website- www.ner.indianrailways.gov.in
निविदा सूचना सं. 17 दिनांक 08.12.2023 के अन्तर्गत मद सं. 3 एवं 4 में निम्न संशोधन जारी किया जाता है:- क्र.सं.: 1- मद सं.:3- वर्तमान प्रविष्टि: 21235002B, निविदा खुलने की तिथि- 29.12.2024, अब पढ़ा जाये: 21235002B, निविदा खुलने की तिथि- 29.12.2023, क्र.सं.: 2- मद सं.:4- वर्तमान प्रविष्टि: 26235214, निविदा खुलने की तिथि- 27.12.2024, अब पढ़ा जायें: 26235214, निविदा खुलने की तिथि- 27.12.2023, नोटः उपरोक्त निविदा सूचना को पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाईट www.ner.indianrailways.gov.in तथा भारत सरकार के वेबसाइट www.tenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक
मुजाद्धि/एस-109 गोरखपुर
"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

ट्रेनें लेट होंगी

सिग्नल का केबल ही काट ले गए चोर; दो रेल खंडों पर रेल संचालन अभी मैनुअल हो रहा

समस्तीपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। समस्तीपुर स्टेशन के पास चोरों ने रेलवे का सिग्नल केबल (तार) ही काटकर फरार हो गए। इस कारण समस्तीपुर- दरभंगा और समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर रेल खंड पर ओपन डाउन सिग्नल फेल हो गया। इससे रेलवे को लाखों का नुकसान हुआ है। बताया जा रहा है कि चोरों ने 50 से अधिक केवल काटा गया। इस कारण कई ट्रेन लेट भी हो सकते हैं। हालांकि, रेलवे की पूरी टीम मौके पर पहुंची गई है। जांच कर रही है। रेलवे का कहना है कि मैनुअली रूप से ट्रेनों परिचालन का किया जा रहा है। घटना की सूचना पर हाजीपुर से प्रधान सिग्नल एंड टेलीकॉम इंजीनियर भी पहुंचे। डीआरएम ने कहा कि अगले दो-तीन घंटा में रिपोर्टिंग का कार्य पूरा हो जाएगा।

मोहन भागवत का बिहार दौरा, पटना एयरपोर्ट से सीधे भागलपुर होंगे रवाना

क्राइम ब्रांच और खुफिया एजेंसी अलर्ट, ये है तैयारी

पटना, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ। मोहन भागवत अपने तीन दिवसीय प्रवास के क्रम में गुरुवार को पटना आ रहे हैं। भागवत पटना एयरपोर्ट से ही भागलपुर के लिए रवाना हो जाएंगे। भागलपुर में ही वे रात्रि विश्राम करेंगे। भागवत 22 दिसंबर को भागलपुर के कुप्पा घाट स्थित महर्षि मेंही आश्रम में संतों के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। इस मौके पर महर्षि मेंही पर बनी डाक्यूमेंट्री महर्षि मेंही एक व्यक्तित्व एक विचार का लुकआउट जारी करेंगे। संतमत सत्संग महासभा के संस्थापक महर्षि मेंही पर बनी डाक्यूमेंट्री की शूटिंग पूर्णिया जिला स्कूल, पूर्णिया व अररिया के अलावा, भागलपुर के कुप्पाघाट आश्रम एवं बरारी घाट पर हुई है। भागवत 22 की शाम में पटना लौटेंगे एवं यहीं रात्रि विश्राम करेंगे। पटना से वे 23 को प्रस्थान करेंगे।

तीन दिन पहले ही शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

महर्षि मेंहीं आश्रम कुप्पाघाट भागलपुर में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का 22 दिसंबर को आगमन होगा। आने में तीन दिन बांकि है। अभि से ही प्रशासन सुरक्षा के अभेद्य व्यवस्था में लग गया है। आश्रम में जहां व्यवस्था में आश्रम वासी लगे हैं। जगह जगह नई चादर गद्दा आदि का निर्माण कराया जा रहा है। मोहन भागवत लंबा समय तकरीबन छः घंटा आश्रम में रुकेंगे। जहां वह आश्रम के सभी गतिविधियों से रूबरू होंगे वहीं साधु संतों के साथ बैठकर विचारों का आदान प्रदान करेंगे। आश्रम सूत्रों की मानें तो बहुत पहले से ही मोहन भागवत का महर्षि मेंही से लगाव रहा है। बहुत पहले वह शाखा प्रमुख थे उस समय महर्षि मेंही के मार्ग पर चलने वाले साधु संतों से मुलाकात किया था। अभी हाल ही में आश्रम वासी के निमंत्रण पर मोहन भागवत आश्रम आए थे और उन्होंने कहा था कि मैं पुनः आउंगा।

आगमन को लेकर पुलिस सख्त

इसबार उन्होंने यहां आने का स्वयं प्रोग्राम बनाया है। इससे आश्रम वासी अहलादित हैं। उधर, उनके आने को लेकर आश्रम और उसके आसपास सघन चेकिंग अभियान पुलिस चला रही है। एक एक ऑटो टोटो का बारिकी से जांच किया जा रहा है। अंदर और बाहर पुलिस आश्रम को अपने सुरक्षा में ले लिया है। सुरक्षा में कहीं कोई चूक नहीं हो जाय इसके लिए बारिकी से सभी चिजों और क्रिया कलाप पर पुलिस नजर है।

क्राइम ब्रांच और खुफिया एजेंसियां हुईं सक्रिय

संघ प्रमुख मोहन भागवत के भागलपुर में दो दिवसीय दौरे को लेकर भागलपुर पुलिस स्थानीय स्तर पर भी सुरक्षा का कड़ा इंतजाम कर रखा है अति सुरक्षा घेरे वाले संघ प्रमुख की सुरक्षा व्यवस्था की मोनिटरिंग वैसे हाइलेवल अधिकारी कर रहे हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर भी स्पेशल ब्रांच, क्राइम ब्रांच, सीआइडी वाले भी सक्रिय कर दिये गए हैं।

काफिला गुजरने वाले रास्ते पर तैनात रहेगी यातायात पुलिस

21 दिसंबर के शाम आरएसएस के संघ प्रमुख डा मोहन भागवत भागलपुर आएंगे। इसको लेकर ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त की जा रही है। यातायात डीएसपी आशीष कुमार सिंह ने बताया कि जानकारी मिली है कि काफिला नवगछिया से सड़क मार्ग से भागलपुर आएंगें। इसके लिए पुल के दोनों छोड़ पर मौजूद यातायात थाने को निर्देश दिया गया है। उनके आने के समय विक्रमशिला पुल पर ट्रैफिक व्यवस्था सही रहनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने बताया कि शहर में जिस रोड उनका काफिला गुजरेगा। उस इलाके में यातायात पुलिस मौजूद रहेगी। साथ ही साथ यातायात विभाग की पेट्रोलिंग टीम भी पहले से रास्ते पर जाम ना लगे इसका मुआयना करते रहेगी। वहीं 22 तारीख को भी उनके जाने के समय भी विक्रमशिला पुल पर ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त रहेगी। दूसरी और शहर में कई हिस्सों में जाम लगने का सिलसिला लगातार जारी रहा। यूनिवर्सिटी रोड में सीवरेज बनने को लेकर रुक-रुक कर जाम लगता रहा।

ठंड के टॉर्चर से कंपकंपाया बांका

बिहार में 21 दिसंबर से राहत की उम्मीद

पटना, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। बांका में न्यूनतम तापमान लुढक कर 6 डिग्री सेल्सियस, गया में 6.1 डिग्री सेल्सियस, भागलपुर के सबौर में 6.4 डिग्री, नवादा में 7.2 डिग्री सेल्सियस। इन जिलों के न्यूनतम तापमान ये बताने के लिए काफी हैं कि बिहार में ठंड का साम्राज्य पूरी तरह से पसर गया है। भोर के आसपास और शाम के बाद पारा लुढ़क जा रहा है। पछुआ हवाओं ने माहौल को काफी ठंडा बना रखा है। हालांकि इस दफे वैज्ञानिकों ने ठंड के कहर बरपाने की आशंका को खारिज कर दिया है। वहीं बिहार में 21 दिसंबर से मौसम में फिर से हल्के बदलाव का पूर्वानुमान है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक कुमार गौरव के मुताबिक 'पिछले 24 घंटों में राज्य का मौसम शुष्क रहा। राज्य का औसत अधिकतम तापमान 24.1 डिग्री सेल्सियस और औसत न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहा। राज्य में पछुआ हवा का प्रवाह जारी है। अगले 24 घंटों के दौरान राज्य का मौसम शुष्क रहेगा। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में किसी विशेष परिवर्तन का पूर्वानुमान नहीं है। हल्के से मध्यम स्तर का कुहासा सुबह के समय बिहार के अधिकांश भागों के एक या दो स्थानों में छाए रहने की संभावना है।' पटना मौसम विभाग के मुताबिक 21 दिसंबर से बिहार को हल्की राहत मिल सकती है। 22 दिसंबर को राज्य के कुछ जिलों को छोड़ कर बाकी सभी जिलों का अधिकतम तापमान तापमान 22 डिग्री सेल्सियस से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। यानी इस दिन अधिकतम और न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री की बढ़ोतरी की संभावना है।

'बीजेपी पर नकेल कसने का हुनर लालू के पास'

सांसदों के निलंबन पर भड़कीं रोहिणी आचार्य

पटना, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर विपक्ष सरकार को घेरने में लगा है। गृह मंत्री अमित शाह से सदन में आकर इस पर सरकार का पक्ष रखने की मांग की जा रही है। सदन जमकर हंगामा हुआ। इस हंगामे के चलते लोकसभा और राज्यसभा से इंडिया गठबंधन के कई सांसदों को निलंबित कर दिया गया है। वर्तमान में लोकसभा में विपक्ष के कुल 133 सदस्य हैं और अब तक 95 सस्पेंड हो गए हैं। इसी तरह, राज्यसभा में विपक्ष के कुल 95 सदस्य हैं और अब तक 45 सस्पेंड हो गए हैं। इसको लेकर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने बीजेपी को घेरा है। रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया एक्स पर मंगलवार को पोस्ट करते हुए मोदी सरकार पर जमकर हमला किया। रोहिणी ने लिखा, श्री रामचंद्र कह गए सिया से ऐसा कलयुग आएगा, माफीवीर के औलादों के हाथों देश का लोकतंत्र लुट जाएगा, आज नहीं तो कल होगा, तेरी तानाशाही का अंत होगा।

बीजेपी को घेरते हुए लालू का लिया नाम

रोहिणी आचार्य ने एक और पोस्ट किया है। लालू प्रसाद यादव के बीते दिनों को याद करते हुए लिखा, बीजेपी सरकार पर नकेल कसने का कारगर कौशल-हुनर लालू जी के ही पास है। आगे लिखा, आज संसद को और जनसंघर्ष की बदौलत लोकतंत्र की रखवाली की मुहिम को लालू जी की ही कमी खल रही है। अगर लालू जी वहां (संसद व जनता के बीच) होते और स्वास्थ्य संबंधित पाबंदियों से बंधे नहीं होते तो लोकतंत्र का गला घोंटने वाली बीजेपी की फासीवादी सत्ता को उसकी असली औकात का आभास करा देते। रोहिणी आचार्य ने लिखा, संसद से सड़क तक अभूतपूर्व व जोरदार विरोध प्रदर्शन होता। लालू जी जनता के बीच अवश्य ही जाते और अपार जनसमर्थन के साथ देश की सत्ता पर काबिज निरंकुश जमात को उखाड़ फेंकने के संकल्प को अमलीजामा पहनाकर ही दम लेते।

बदायूं में धारदार हथियार से अधेड़ की हत्या, तीन लोग हिरासत में लिए गए

बदायूं, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। बिसौली कोतवाली क्षेत्र स्थित साहबर शाह गांव में बुधवार को एक अधेड़ का शव मिलने से हड़कम्प मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. ओपी सिंह मौके पर पहुंचे, जहां उन्होंने जल्द घटना का खुलासा करने के कोतवाली पुलिस को निर्देश दिए। साहबर शाह गांव के रहने वाले 50 वर्षीय नन्हूराम मंगलवार को घर से भैंस खरीदने की बात कह कर निकले थे। वह रात भर घर वापस नहीं लौटे। आज बुधवार को उनका शव गांव के बाहर मिला तो परिवार में कोहराम मच गया। नन्हूराम के शव पर गंभीर चोटों के निशान थे। इसकी वजह से हत्या कर शव फेंखे जाने की परिजनों ने आशंका जताई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो पता चला कि नन्हूराम ने गांव के ही तीन लोगों के साथ पहले शराब पी थी।

यूपी में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर

नियुक्ति के सात साल बाद 6,470 शिक्षकों को मिलेगी तैनाती

लखनऊ, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। परिषदीय स्कूलों में सहायक अध्यापक के पद पर नियुक्त 6,470 शिक्षकों को आखिरकार सात साल बाद स्कूलों में तैनात किए जाने का रास्ता साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर बेसिक शिक्षा परिषद ने इन चयनितों को तैनाती देने के लिए काउंसिलिंग कार्यक्रम भी जारी कर दिया है। 27 दिसंबर से लेकर 30 दिसंबर तक इन्हें तैनाती देने के लिए काउंसिलिंग की जाएगी। वर्ष 2016 में परिषदीय स्कूलों में 12,460 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। सहायक अध्यापक के पद पर चयनित अभ्यर्थियों की सभी जिलों में ट्रेनिंग भी करा ली गई। जिस अभ्यर्थी ने मेरिट के अनुसार जिस जिले में ट्रेनिंग की थी उसको उसी जिले के किसी परिषदीय स्कूल में तैनाती देने की प्रक्रिया शुरू हुई तो गड़बड़ी सामने आ गई। यह सभी पद कुल 51 जिलों में ही थे बाकी 24 जिलों में शिक्षकों का एक भी पद खाली नहीं था। ऐसे में बेसिक शिक्षा परिषद ने अभ्यर्थियों को द्वितीय वरीयता के जिले चुनने की छूट दी लेकिन तमाम अभ्यर्थी कोर्ट चले गए और मामला फंस गया। ऐसे 24 जिले जहां पद नहीं थे, वहां से चयनित 6,470 शिक्षकों की तैनाती लटक गई। अब सुप्रीम कोर्ट ने 30 दिसंबर तक इनकी भर्ती प्रक्रिया पूरा करने के निर्देश दिए हैं। ऐसे में अब इन चयनित अभ्यर्थियों की तैनाती के लिए काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू की जाएगी। 27 दिसंबर को इन अभ्यर्थियों की अनंतिम चयन सूची जारी की जाएगी। 29 दिसंबर को काउंसिलिंग व अभिलेखों का परीक्षण होगा और 30 दिसंबर को इन्हें स्कूल आवंटित करते हुए नियुक्ति पत्र जारी कर दिया जाएगा। बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव प्रताप सिंह बघेल की ओर से 51 जिले जिसमें शिक्षकों को तैनाती देने के लिए काउंसिलिंग प्रक्रिया निर्धारित शेड्यूल के अनुसार किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

आईआईटी कानपुर की महिला प्रोफेसर ने की आत्महत्या, पंखे से लटका मिला शव

कानपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। आईआईटी की एक रिसर्च स्टाफ मेंबर ने पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान डॉ.पल्लवी चिल्का के रूप में हुई है। वह इसी साल एक अगस्त को रिसर्चर के रूप में संस्थान के बायो साइंस और बायो इंजीनियरिंग विभाग से जुड़ी थीं। संस्थान में एक रिसर्च स्टाफ के मेंबर का शव मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंच कर मामले की जांच शुरू कर दी है। डीसीपी वेस्ट ने बताया कि जब पुलिस हॉस्टल पहुंची, तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिसकर्मी जब दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंचे, तो देखा कि महिला का शव पंखे से लटका हुआ था। कल्याणपुर के थानेदार धनंजय पांडे ने बताया कि बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पल्लवी के पिता मधुसूदन एलआईसी से रिटायर हैं। वह ओडिशा के रहने वाले हैं।

पंखे से लटका मिला शव

फिलहाल मृतका के परिजन अभी तक कानपुर नहीं पहुंचे हैं। परिजनों से बात कर प्रतिक्रिया ली जाएगी। परिवार वालों ने अभी कोई आरोप नहीं लगाया है। पल्लवी के भाई ने कहा कि उसे कोई टेंशन नहीं थी। आईआईटी कानपुर द्वारा जारी बयान के अनुसार, डॉ। पल्लवी चिल्का संस्थान के जैविक विज्ञान और बायोइंजीनियरिंग विभाग में अपने पोस्ट डॉक्टरल शोध को आगे बढ़ाने का काम कर रही थीं। वह 19 दिसंबर को अपने हॉस्टल के कमरे में मृत पाई गई थीं। पुलिस की एक फॉरेंसिक टीम ने मौत के कारण की जांच करने के लिए मौके पर पहुंची है। संस्थान मौत का संभावित कारण निर्धारित करने के लिए पुलिस जांच का इंतजार कर रहा है।

कितना खतरनाक है जेएन1

सर्दी बुखार और सांस रोगियों की होगी कोरोना जांच, नए वैरिएंट को लेकर अलर्ट जारी

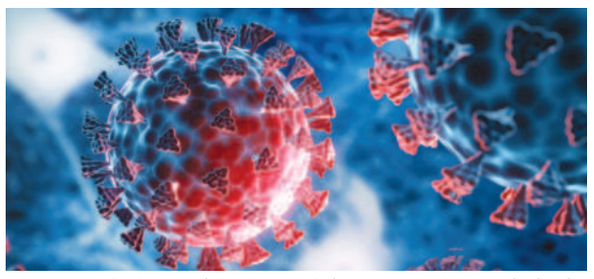

पटना, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल से होते हुए दिल्ली-उत्तर प्रदेश तक पहुंच चुके कोरोना वायरस के नए अत्यधिक संक्रामक वैरियंट जेएन-1 के आशंकित खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने सभी जिलों के आलाधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग पर बैठक की। इसमें कोरोना जांच की संख्या बढ़ाने के साथ इलाज के लिए जरूरी सभी आवश्यक उपकरणों व दवाओं के साथ जांच किट की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए आंतरिक बैठक करने का निर्देश दिया गया। जो पीएसए आक्सीजन प्लांट किसी कमी के कारण बंद हैं उन्हें तुरंत ठीक कराने के अलावा उपचार के लिए कुशल कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि अस्पताल आने वाले सर्दी खांसी, बुखार यानी एनफ्लुएंजा लाइक इलनेस (आइएलआइ) या सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी इंफेक्शन (एसएआरआइ) के लक्षण वाले रोगियों की अब कोरोना जांच कराई जाए। सभी जिलों के महामारी पदाधिकारी को इसकी नियमित निगरानी व प्रतिदिन की रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग को भेजने का निर्देश दिया गया है। पुराने कोरोना जैसे लक्षण : बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ, थकान, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, गले में खराश इसके सामान्य लक्षण हैं। कुछ पीड़ितों में स्वाद-गंध नहीं मिलना या उल्टी-दस्त के लक्षण भी मिल रहे हैं।

तीन दिन पहले ही कोरोना को लेकर हुई थी मॉक ड्रिल

आठ दिसंबर को पहली बार केरल में एक महिला में इस वायरस की पुष्टि हुई थी। सात दिन बाद ही देश में कोरोना के नए रोगियों की संख्या बढ़कर औसतन 300 हो गई। इसके बाद ही स्वास्थ्य विभाग सचेत हो गया था। तीन दिन पहले ही स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना से निपटने के लिए सभी जिलों में माक ड्रिल की थी।

सामान्य ओमिक्रोन से 1.2 गुना अधिक संक्रामक है जेएन-1

जेएन-1 अबतक का देश में कोरोना का सबसे नया वैरियंट हैं। यह पिरोलो वैरियंट बीए-2-86 को सब स्ट्रेन है। इसके स्ट्रेन में कई बदलाव होने के कारण यह सामान्य ओमिक्रोन वैरियंट की तुलना में 1.2 गुना से अधिक संक्रामक बताया जा रहा है। 40 देशों में इस वैरियंट के मरीज मिल चुके हैं।

'इंडिया' गठबंधन में मायावती की एंट्री पर अखिलेश ने खींच दी लक्ष्मण रेखा, कांग्रेस से पूछे सवाल

लखनऊ, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में इंडिया गठबंधन की बेहद अहम बैठक हुई। इस बैठक में विपक्षी दल 2024 लोकसभा चुनाव लड़ने की रणनीति सामने आई। इस बैठक में समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव भी शामिल हुए। दिल्ली में हुई इंडिया गठबंधन की बैठक उत्तर प्रदेश के लिहाज़ से बेहद अहम रही रही। अखिलेश यादव ने इस भरी मीटिंग मे अपने संबोधन में सबसे पहले कांग्रेस और बसपा के बीच चल रही बातचीत का जिक्र किया।

मायावती पर दो टूक सवाल

बैठक में अखिलेश यादव ने मायावती को लेकर कांग्रेस से दो टूक सवाल किया तो यूपी को लेकर दो शर्तें भी रख दीं। अखिलेश यादव ने पूछा कि क्या इस गठबंधन के इधर कांग्रेस पार्टी बीएसपी के साथ बातचीत कर रही है? क्या वह बीएसपी को इस गठबंधन में लाना चाहती है सबसे पहले कांग्रेस इस पर अपना रुख स्पष्ट करे? अखिलेश यादव ने तल्ख भाव में यह पूछ लिया था कि अगर कांग्रेस ऐसा चाहती है तो वह साफ कर दे क्योंकि तब समाजवादी पार्टी को भी अपना स्टैंड इस गठबंधन को लेकर साफ करना पड़ेगा।

अखिलेश ने कांग्रेस से पूछे ये सवाल

बैठक में अखिलेश यादव के कांग्रेस नेतृत्व से पूछे गए इस सवाल में तल्खी थी, जिसके जवाब में राहुल गांधी को इस मीटिंग में बसपा को लेकर कांग्रेस का रुख साफ करना पड़ा। कांग्रेस की तरफ से बताया गया कि उत्तर प्रदेश में बीएसपी के साथ गठबंधन का कोई इरादा नहीं है और कांग्रेस पार्टी अखिलेश यादव के नेतृत्व में ही उत्तर प्रदेश के गठबंधन में चुनाव में जाएगी।

बसपा के साथ गठबंधन के पक्ष में कांग्रेस

दरअसल, अखिलेश यादव कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व यानी अजय राय और कई नेताओं के लगातार बसपा के साथ संपर्क में होने और पार्टी को बसपा के साथ जाने की फिर भी करने से खफा थे और इंडिया गठबंधन की इस मीटिंग में बीएसपी को लेकर कांग्रेस का साफ रुख सुनना चाहते थे। बता दें कि इस इंडिया ब्लॉक की दिल्ली में हुई बैठक की एक दिन पहले उत्तर प्रदेश के बड़े कांग्रेसी नेताओं के साथ राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की मीटिंग हुई थी, जिसमें दो धड़े साफ दिखाई दे रहे थे। अजय राय और कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व बसपा के साथ गठबंधन के पक्ष में था जबकि प्रमोद तिवारी सरीखे वरिष्ठ नेता हर हाल में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की वकालत कर रहे थे।

कांग्रेस ने साफ किया अपना रुख

पिछले कुछ समय से अखिलेश यादव को यह बात लगातार कचोट रही थी कि आखिर कांग्रेस इस गठबंधन में रहते हुए दो नाव की सवारी क्यों करना चाहती है। जबकि मायावती लगातार कांग्रेस पार्टी और गठबंधन से सार्वजनिक तौर पर अपनी दूरी बना रही हैं। बहरहाल, अखिलेश यादव का तल्ख रुख देखकर कांग्रेस पार्टी ने अखिलेश यादव को और नाराज न करने में ही अपनी बेहतरी समझी और साफ कर दिया की इंडिया गठबंधन में उसका मायावती को लाने का कोई इरादा नहीं है और हर हाल में वह अखिलेश यादव के साथ ही 2024 के चुनाव में जाएगी।

'क्या शराब के दम पर 1 ट्रिलियन इकॉनमी बनेगा यूपी?' योगी सरकार के इस फैसले पर भड़के अखिलेश यादव

लखनऊ, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में योगी कैबिनेट ने फैसला किया है कि रेलवे और मेट्रो स्टेशनों पर प्रीमियम ब्रांड की शराब बेची जाएगी। सरकार के इस फैसले पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है। सपा नेता ने कहा कि क्या 1 ट्रिलियन की इकॉनमी बनाने के लिए अब सिर्फ यही रास्ता बचा है? सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने लिखा- उप्र भाजपा सरकार के पास 1 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए क्या यही एक रास्ता बचा है कि शराब रेलवे, मेट्रो स्टेशन व क्रूज़ पर बेची जाए। इसका मतलब ये हुआ कि लाखों-करोड़ों के निवेश के जो भी दावे किए गए थे, वो सब झूठे साबित हुए हैं, तभी तो सरकार ऐसे अनैतिक रास्तों को अपना रही है। आज शराब बिक रही है कल को दूसरे और भी मादक पदार्थ सार्वजनिक जगहों पर बेचे जाएंगे। उन्होंने लिखा- अगर भाजपाई समझते हैं कि शराबखोरी इतनी ही अच्छी है तो अपने कार्यालयों से बेचें, सार्वजनिक स्थलों को अराजकता और अपराध का केंद्र न बनाएं। पूर्व सीएम ने लिखा- सरकार ऐसे फ़ैसलों से घर-परिवार को बर्बाद न करे। महिलाएं और बच्चे जानते हैं कि शराब किस प्रकार घरेलू हिंसा से लेकर सार्वजनिक हिंसा का कारण बनती है और युवाओं के लिए घातक साबित होती है। इस फ़ैसले के विरोध में उप्र की महिलाएँ, परिवारवाले और युवा, भाजपा को हटाने का फ़ैसला करेंगे। करहल से विधायक अखिलेश ने लिखा- शराब और अपराध का गहरा संबंध होता है। ये भाजपा राज में अपराध के ख़िलाफ़ ज़ीरो टॉलरेंस के ज़ीरो हो जाने का एक और उदाहरण बनेगा। बता दें योगी सरकार की कैबिनेट ने आबकारी पॉलिसी को नए संशोधनों के साथ 1अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक लागू किये जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

'बिस्तर पर आ जाओ, एसएचओ बना दूँगा', महिला दरोगा को प्रमोशन का लालच देकर अश्लील मैसेज भेजता था डीएसपी फैज़ अहमद खान

कैमूर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के कैमूर जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है यहाँ अपनी अधीनस्थ महिला सब-इंस्पेक्टर का यौन शोषण करने वाला डिप्टी एसपी निलंबित कर दिया गया है। सस्पेंड डीएसपी का नाम फैज़ अहमद खान है जिस पर महिला दरोगा को अपने साथ सोने का ऑफर देने का आरोप है। इसके बदले अपराधी ने पीड़िता को एसएचओ बनाने का लालच दिया था। निलंबन की यह कार्रवाई हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निलंबित हुआ डीएसपी फैज़ अहमद खान कैमूर के मोहनिया में एसडीपीओ के पद पर तैनात था। कैमूर जिले में ही तैनात एक महिला सब-इंस्पेक्टर ने वरिष्ठ अफसरों को फैज़ अहमद के खिलाफ शिकायत दी थी। इस शिकायत में बताया गया था कि फैज़ अहमद खान निरंतर उनको व्हाट्सएप्प पर अश्लील मैसेज भेजता था। इन संदेशों में वह पीड़िता को अपने साथ शारीरिक संबंध बनाने पर एसएचओ के पद पर प्रमोशन का लालच दिया करता था। थोड़े वक़्त पश्चात पीड़िता सब-इंस्पेक्टर का स्थानांतरण हो गया। आरोप है कि स्थानांतरण के बाद भी अपराधी डीएसपी महिला दरोगा को परेशान करता रहा तथा अनैतिक संबंधों का दबाव बनाता रहा। पीड़िता ने अपने आरोपों के साथ डीएसपी के खिलाफ सबूत भी पेश किए थे। पीड़िता दरोगा की शिकायत पर कैमूर जिले के पुलिस अधीक्षक ललित मोहन शर्मा ने जाँच कमेटी गठित की। 3 सदस्यों की इस समिति में महिला एसडीएम तथा महिला थाना प्रभारी सम्मिलित थीं। इस समिति ने दोनों पक्षों का बयान लिया एवं सबूतों की तहकीकात की। आखिरी जाँच रिपोर्ट में आरोपों को सही पाया गया। आईजी शाहाबाद की इसी रिपोर्ट पर आखिरकार डीएसपी फैज़ अहमद खान को निलंबित कर दिया। बिहार सरकार के गृह मंत्रालय ने इस बावत नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है। आखिरकार कैमूर के एसपी ने यह जाँच रिपोर्ट शाहबाज़ रेंज के आईजी नवीन चंद्र झा को भेजी। आईजी शाहाबाद ने शासन से डीएसपी फैज़ अहमद खान को निलंबित कर के कहीं और स्थानंतरण किए जाने की सिफारिश की। बताते चलें कि इससे पहले इसी वर्ष सितंबर माह में कैमूर के ही भभुआ जिले में इंस्पेक्टर राजकुमार पर एक महिला सिपाही ने यौन शोषण का आरोप लगाया था। इन आरोपों के चलते इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया गया था।

तृणमूल विधायक के आवास, कार्यालयों पर आयकर के छापे

कोलकाता, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के सशस्त्र जवानों की सुरक्षा में आयकर विभाग की अलग-अलग टीमों ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस विधायक बायरन बिस्वास के आवास और कार्यालयों पर छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया। बिस्वास को पिछले साल सागरदिघी विधानसभा क्षेत्र के लिए हुए उपचुनाव में वाम मोर्चा समर्थित कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुना गया था। हालाँकि, अपनी जीत के कुछ महीनों के भीतर वह तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी की उपस्थिति में सत्तारूढ़ दल में शामिल हो गए। घटनाक्रम से वाकिफ सूत्रों के मुताबिक, आयकर विभाग की टीमें और उनके साथ केंद्रीय सशस्त्र बल के जवान मंगलवार रात ही मुर्शिदाबाद पहुंच गए। केंद्रीय सशस्त्र बल के जवानों ने बुधवार को सबसे पहले बिस्वास के स्वामित्व वाले विभिन्न परिसरों को पूरी तरह से घेर लिया, जिसमें उनका निवास, उनकी 'बीड़ी' फैक्ट्री और गोदाम, निजी स्कूल और उनके स्वामित्व वाला नर्सिंग होम शामिल था। छापेमारी और तलाशी अभियान चलाने के अलावा, आयकर अधिकारियों ने उन लोगों से भी पूछताछ शुरू कर दी है जो बिस्वास के स्वामित्व वाले विभिन्न व्यवसायों की निगरानी के लिए जिम्मेदार हैं। उपलब्ध नवीनतम जानकारी के अनुसार, छापेमारी और तलाशी अभियान अनिश्चित काल तक जारी रहने की उम्मीद है। फिलहाल किसी को भी परिसर में प्रवेश करने या बाहर जाने की अनुमति नहीं है। सूत्रों ने कहा कि आयकर विभाग के अधिकारी कथित तौर पर कुछ अतिरिक्त व्यवसायों की जांच कर रहे हैं, जिनके बारे में विभाग को जानकारी होने के अलावा सत्तारुढ़ पार्टी के विधायक भी जुड़े हो सकते हैं। सूत्रों ने कहा कि आयकर विभाग इस संबंध में अपने स्वयं के रिकॉर्ड की भी पुष्टि कर रहा है, जिसका उल्लेख बिस्वास ने पिछले साल सागरदिघी उपचुनाव से पहले निर्वाचन आयोग के साथ दायर हलफनामे में किया था। जिस समय रिपोर्ट दर्ज की गई, उस समय इस मामले में न तो बिस्वास और न ही तृणमूल कांग्रेस के किसी नेता की ओर से कोई प्रतिक्रिया आई थी।

सांसदों के निलंबन से ध्यान भटकाने का किया जा रहा प्रयास: कांग्रेस

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने बुधवार को एक टीएमसी नेता द्वारा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की नकल करने की आलोचना के लिए भाजपा पर पलटवार किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को उठाकर 140 से अधिक सांसदों के अभूतपूर्व निलंबन से ध्यान भटकाने का प्रयास किया जा रहा है। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि कांग्रेस का हमला तब आया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उपराष्ट्रपति धनखड़ को फोन किया और संसद परिसर में कुछ सांसदों की मिमिक्री करने पर दुख व्यक्त किया। एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 'मिमिक्री' का मुद्दा उठाकर 142 सांसदों के अभूतपूर्व निलंबन से ध्यान भटकाने की बेताब कोशिश की जा रही है। याद रखें किसने किसकी नकल की और वह भी लोकसभा में? रमेश ने कहा और 2018 में राहुल गांधी द्वारा उन्हें गले लगाने के बाद लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी के भाषण की एक वीडियो क्लिप साझा की। सांसदों के निलंबन के खिलाफ संसद की सीढ़ियों पर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के दौरान तृणमूल कांग्रेस नेता कल्याण बनर्जी द्वारा धनखड़ का उपहास करने के बाद मंगलवार को राजनीतिक विवाद पैदा हो गया, जिसकी सत्तारूढ़ भाजपा ने कड़ी निंदा की। बीजेपी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा बनर्जी के प्रदर्शन का वीडियो बनाने को लेकर भी विपक्ष पर हमला बोला। अनियंत्रित व्यवहार के लिए मंगलवार को 49 और विपक्षी सांसदों को लोकसभा से निलंबित कर दिया गया, जिससे संसद के दोनों सदनों में कार्रवाई का सामना करने वाले सांसदों की कुल संख्या 141 हो गई और भारतीय गठबंधन ने शुक्रवार को देशव्यापी सरकार विरोधी प्रदर्शन की घोषणा की।

महाराष्ट्र: 7 महीनों में 4872 नवजातों की मौत

रोजाना 23 शिशुओं ने गंवाई जान, सरकार ने ही बताए आंकड़े

मुंबई, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग ने चौंकाने वाली खबर दी है। विधानसभा में पेश किए गए आंकड़ों में स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत ने कहा है कि राज्य में इस साल अप्रैल से अक्टूबर के बीच 4800 से ज्यादा नवजात शिशुओं की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत विधानसभा में बीजेपी विधायक सचिन कल्याण शेट्टी के सवालों का जवाब दे रहे थे। स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत ने कहा कि महाराष्ट्र में इस साल अप्रैल से अक्टूबर के बीच 4872 नवजात बच्चों की मौत हुई है। जो शिशु मरे हैं उनकी उम्र पैदा होने से लेकर महज 28 दिनों तक थी। उन्होंने कहा है कि औसत आधार पर देखें तो रोजाना 23 बच्चों की मौत हुई है। जिन जिलों इलाकों में बच्चों की मौत सबसे ज्यादा हुई है वे क्षेत्र हैं- मुंबई, ठाणे, सोलापुर, अकोला और नंदुरबार। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 4,872 मौतों में 16 प्रतिशत यानी कि 795 शिशुओं की मौत श्वास संबंधी दिक्कतों से हुई। उन्होंने दावा कि शिशुओं के इलाज के लिए 52 सेंटर संचालित है। सभी बीमार बच्चों को सरकारी अस्पतालों में दवा, टेस्ट और ट्रांसपोर्ट मुफ्त में मुहैया कराया गया है।

नवजात मृत्यु दर में कमी, लेकिन...बता दें कि देश में नवजात मृत्यु दर में लगातार गिरावट आई है। यह 2019 में प्रति 1000 जीवित जन्मों में 22 थी जो 2020 में प्रति 1000 जीवित जन्मों में 20 हो गई। यानी कि भारत में 2019 में हर 1000 में 22 बच्चों की मौत जन्म के बाद हो जाती थी, 2020 में ये आंकड़ा 20 हो गया।

शहरी क्षेत्रों में नवजात बच्चों की मृत्यु दर प्रति हजार पर 12 और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति हजार पर 23 है

यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में एक साल में पैदा होने वाले कुल 2।5 करोड़ बच्चों का लगभग पांचवां हिस्सा भारत में जन्म लेता है। इन शिशुओं में से हर मिनट एक शिशु की मृत्यु हो जाती है। रिपोर्ट के अनुसार नवजात शिशुओं की मृत्यु में भारत की हिस्सेदारी 1990 में विश्वभर में नवजात शिशुओं की मृत्यु का एक तिहाई थी, आज कुल एक चौथाई से भी कम है। 1990 की तुलना में 2016 में भारत में हर माह,नवजात शिशुओं की मृत्यु में लगभग 10 लाख की कमी आई है।

पंजाब कांग्रेस में रार

प्रताप बाजवा के 78 से 18 पर लाने के बयान पर भड़के नवजोत सिद्धू, सोशल मीडिया पर पलटवार

चंडीगढ़, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब कांग्रेस में एक बार फिर कलह हो गई है। पिछले दिनों बठिंडा के गांव महिराज में हुई रैली के दौरान नवजोत सिद्धू ने कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्रियों कैप्टन अमरिंदर सिंह और चरणजीत सिंह चन्नी पर निशाना साधा था। इस पर विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने टिप्पणी की। बाजवा ने कहा कि नवजोत सिद्धू जब कांग्रेस के प्रधान थे तो वे पार्टी को 78 सीटों से 18 पर ले आए। वे अपना अलग अखाड़ा न बनाएं। पार्टी की रैलियों में शिरकत करें। इसके बाद नवजोत सिद्धू भी मैदान में आए और सोशल मीडिया पर बाजवा को जवाब दिया।

सिद्धू ने कहा कि आप इंडिया गठबंधन की राजनीति को खारिज करते हुए कहते हैं कि इस गठबंधन के राजनीतिक फैसले को कांग्रेस हाईकमान लागू नहीं करेंगे, तो ये कोई अलग अखाड़ा नहीं है। अगर सिद्धू ने कहा कि मैं हाईकमान के साथ खड़े होकर पंजाब के लिए लड़ूंगा तो ये अलग अखाड़ा कैसे बन गया? सिद्धू ने कहा कि कांग्रेस के 78 से 18 विधायकों की जिम्मेदारी आप पर है ना कि अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू पर।

सिद्धू की लूट खत्म करने का पंजाब एजेंडा खारिज करके आपने दलित कार्ड खेला।

ठगी का अड्डा बना इंस्टाग्राम, अमेजन और फ्लिपकार्ट में जॉब के नाम पर लगाया जा रहा चूना

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में इंस्टाग्राम स्कैम का सबसे बड़ा अड्डा बन गया है। तमाम कंपनियों में हो रही छंटनी के बाद ये ठग लोगों की मजबूरी का फायदा उठा रहे हैं। ये ठग इंस्टाग्राम पर जॉब के लिए विज्ञापन दे रहे हैं और ये विज्ञापन इस तरीके से दिए जा रहे हैं कि लोगों को इसमें मेहनत कम और फायदा अधिक नजर आ रहा है। ये ठग लोगों को इंस्टाग्राम के डीएम (डायरेक्ट मैसेज) के जरिए भी लोगों से जॉब के लिए संपर्क कर रहे हैं।

सबसे बड़ी बात यह है कि ये ठग लोगों को जॉब देने के लिए अमेजन, फ्लिपकार्ट और नेटफ्लिक्स जैसे बड़े ब्रांड्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर जॉब के लिए दिए जाने वाले इन विज्ञापन में दावा किया जा रहा है कि काम बहुत ही कम है, लेकिन पैसे खूब मिलेंगे। इसके बाद ये साइबर ठग लोगों से ऑनलाइन एक फॉर्म भरवा रहे हैं जिसमें लोगों से उनके बैंक अकाउंट जैसी महत्वपूर्ण और निजी जानकारी मांगी जा रही है। लोगों से आधार कार्ड जैसी आईडी भी मांगी जा रही है। लोगों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर फर्जी क्रेडिट और डेबिट कार्ड तैयार किए जा रहे हैं और लोगों के बैंक अकाउंट खाली किए जा रहे हैं। ये ठग लोगों को इंस्टाग्राम पर मैसेज करके शानदार विकेंड ट्रिप की भी लालच दे रहे हैं। इसके बाद वे जॉब के लिए एक टोकन मनी मांगते हैं। इसी दौरान लोगों से ठगी होती है। भोले-भाले लोग ये नहीं समझ पाते हैं कि उनके यूपीआई अकाउंट में पैसे भेजे जा रहे हैं या फिर पैसे मांगने के लिए रिक्वेस्ट आया है। ये ठग लोगों से पैसे के लिए रिक्वेस्ट करते हैं और यूपीआई पिन डालने के लिए कहते हैं। आपकी बता दें कि कोई भी कंपनी जॉब देने के लिए पैसे नहीं मांगती है। यदि आपको भी इंस्टाग्राम या किसी अन्य साइट पर इस तरह का कोई एड दिखता है तो उस अकाउंट को जरूर चेक करें कि वह फर्जी या है असली। इस तरह के फेक अकाउंट की स्पेलिंग गलत होती है। अकाउंट से शेयर किए गए कंटेट की तारीख भी जरूर चेक करें। इससे आपके फर्जी अकाउंट को पहचानने में मदद मिलेगी। किसी भी कीमत पर किसी को पैसे ट्रांसफर ना करें।

64 वर्षीय विधवा से बलात्कार-हमले के आरोप में एक व्यक्ति पकड़ा गया

मुंबई, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की आर्थिक राजधानी में ट्रॉम्बे थाना पुलिस ने 64 वर्षीय विधवा के साथ बलात्कार-और-हमला करने और फिर उसे महाराष्ट्र के ठाणे क्रीक के पास मरने के लिए छोड़ने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने यहां बुधवार को यह जानकारी दी। ट्रॉम्बे थाना के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रवींद्र रणशेवरे ने बताया कि मंगलवार देर रात गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान उत्तर-पूर्व मुंबई के मानखुर्द उपनगर के शांतिनगर निवासी 38 वर्षीय उमेश गुलाबराव ढोक के रूप में हुई है। रणशेवरे ने कहा, आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया है और उस पर आईपीसी और पोक्सो के तहत विभिन्न आरोप लगाए गए हैं और आगे की जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, महिला सोमवार शाम को नेहरू नगर में स्थानीय खंडोबा मंदिर गई थी और लौटते समय आरोपी उसे घर छोड़ने के बहाने शांतिनगर में अपने कमरे में ले गया। अपने घर में, उसने सोमवार-मंगलवार की रात को महिला के साथ क्रूरतापूर्वक बलात्कार किया, उस पर छड़ी से कई बार हमला किया, जिससे चेहरे, सिर, छाती, और निजी अंगों अंगों पर गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने कहा कि जब महिला बेहोश हो गई, तो उसने सुबह करीब 5 बजे उसे ठाणे क्रीक के साल्ट-पैन इलाके में उसके घर के पास नग्न अवस्था में फेंक दिया। पीड़िता की बेटी ने कहा कि इसके तुरंत बाद एक स्थानीय महिला ने उसकी मां को बिना कपड़ों के वहां पड़ा देखा और उसके लिए गाउन लेकर आई।

मद्रास एचसी के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी डीएमके

मंत्री पोनमुडी को बरी करने का आदेश किया था रद्द

चेन्नई, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री के। पोनमुडी को आय से अधिक संपत्ति मामले में मद्रास हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। हाई कोर्ट ने मंत्री पोनमुडी को बरी करने के निचली अदालत के फैसले को रद्द कर दिया है। हालांकि, डीएमके अब हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी कर रहा है। डीएमके प्रवक्ता ने कहा कि कोर्ट का फैसला पोनमुडी के लिए एक झटका है और इसके खिलाफ पार्टी सुप्रीम कोर्ट जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट जाएगी डीएमके

डीएमके प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने कहा कि यह फैसला शिक्षा मंत्री के लिए झटका है। उन्होंने कहा कि वह अपने विधायक-मंत्री को खो सकते हैं, लेकिन हमारे पास सुप्रीम कोर्ट का विकल्प हैं।

मद्रास हाई कोर्ट ने फैसले को किया रद्द

बता दें कि मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री के. पोनमुडी को आय से अधिक संपत्ति मामले में आरोप मुक्त करने के निचली अदालत के फैसले को रद्द कर दिया है। सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ कोर्ट में अपील की थी। जिसके बाद यह फैसला सुनाया।

ट्रायल कोर्ट ने किया था बरी

इसके साथ ही कोर्ट जयचंद्रन ने पोनमुडी और उनकी पत्नी को 21 दिसंबर को अदालत में पेश होने का भी निर्देश दिया है। इससे पहले ट्रायल कोर्ट ने 28 जून 2023 को सुनाए अपने आदेश में तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री पोनमुडी को बरी कर दिया था।

क्या है मामला

बता दें कि यह मामला साल 2011 का है। राज्य में 2006 से 2011 तक द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) की सरकार थी। इस दौरान पोनमुडी और उनकी पत्नी पर 2011 में कथित तौर पर संपत्ति जमा करने के लिए मुकदमा चलाया गया था। मामले में सौ से अधिक लोगों की जांच की गई और आरोप पत्र दायर किए गए। आरोप था कि मंत्री पोनमुडी और उनकी पत्नी ने 1।36 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति जमा की है।

दिल्ली मेट्रो का एलान, मरने वाली महिला के परिजनों को 15 लाख मुआवजा मिलेगा

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर ट्रेन के दरवाजे में साड़ी फंसने से रीना नाम की महिला की मौत के मामले डीएमआरसी ने मुआवजा देने का एलान कर दिया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने कहा कि महिला यात्री के परिजनों को 15 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने कहा कि दिल्ली मेट्रो महिला यात्री के परिजनों को 15 लाख रुपये का मुआवजा देने जा रही है। जिनकी पिछले सप्ताह दिल्ली मेट्रो नेटवर्क की रेड लाइन पर इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर एक हादसे में मौत हो गई थी। मेट्रो रेलवे (दावे की प्रक्रिया) नियम, 2017 के मुताबिक, मृतक के परिजनों को पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। इसके अलावा, मृतक के बच्चों को मानवीय सहायता के रूप में 10 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि दी जाएगी। दोनों बच्चे नाबालिग हैं, इसलिए डीएमआरसी वर्तमान में कानूनी उत्तराधिकारी को राशि सौंपने के कानूनी तौर-तरीकों को सुलझाने में लगा हुआ है। इसके अलावा डीएमआरसी दोनों बच्चों की पढ़ाई का भी ख्याल रखेगी। डीएमआरसी ने आगे कहा कि सभी आवश्यकताओं को शीघ्रता से पूरा करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम को तैनात किया गया है।

माननीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने यह भी निर्देश दिया है कि बच्चों की देखभाल और शिक्षा दिल्ली मेट्रो प्रबंधन द्वारा सुनिश्चित की जाए। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह ने दिल्ली मेट्रो में हुई घटना पर दुख जाता है।

एमपी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ की तरह

यूपी में भी पीढ़ी परिवर्तन का दौर शुरू करेगी भाजपा, ये है पूरी योजना

लखनऊ, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश में अगले साल होने वाले विधान परिषद, राज्यसभा और लोकसभा चुनाव से नेतृत्व में पीढ़ी परिवर्तन का दौर शुरू करेगी। पार्टी कई सालों से सीटों पर जमे सांसद और परिषद सदस्यों की जगह नए और युवा चेहरों को नेतृत्व का मौका देगी, जो आगामी 15-20 वर्षों तक पार्टी का नेतृत्व कर सकें। राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की जगह पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा, मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान की जगह मोहन यादव और छत्तीसगढ़ में रमन सिंह की जगह विष्णुदेव साय को पार्टी ने नेतृत्व सौंपा है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि पार्टी नेतृत्व ने राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में बड़ी रणनीति के तहत नेतृत्व का पीढ़ी परिवर्तन किया गया है। प्रदेश में फरवरी 2024 में विधान परिषद की शिक्षक एवं स्नातक क्षेत्र की 5 सीटों पर चुनाव होना है। अप्रैल-मई में लोकसभा की 80 सीटों पर चुनाव होगा। अप्रैल 2024 में राज्यसभा की भी 10 सीटों पर चुनाव होगा। मई में परिषद की विधानसभा क्षेत्र की 13 सीटों पर चुनाव होगा। पार्टी के एक उच्च पदस्थ सूत्र का कहना है कि विधान परिषद की कुल 18, राज्यसभा की 10 और लोकसभा की 80 सीटों पर चुनाव से पार्टी नए नेतृत्व को मौका देने की शुरुआत करेगी। जातीय समीकरण साधते हुए इन सीटों पर नए चेहरों को मौका दिया जाएगा।

इसमें महिला और युवाओं की संख्या बढ़ाई जाएगी। इनमें पंचायतीराज और नगरीय निकाय संस्थाओं के जनप्रतिनिधि, सहकारी संस्थाओं में चुने हुए प्रतिनिधि, पार्टी के पूर्व व वर्तमान पदाधिकारी भी शामिल होंगे। इनके जरिये पार्टी प्रदेश में अगड़े, पिछड़े, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग में अपनी नई लीडरशिप भी तैयार करेगी। पार्टी जिन्हें फिर से विधान परिषद, लोकसभा या राज्यसभा जाने का मौका नहीं देगी, उन्हें भी संगठन से जुड़ी कोई न कोई जिम्मेदारी दी जाएगी।

एमपी अजब है! वर्षों से कर रहे थे जिस पत्थर की पूजा, वह निकला डायनासोर का अंडा, ऐसे उठा सच्चाई से पर्दा

धार, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के धार जिले से एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है। जहां धार जिले के पाडल्या गांव में खुदाई के दौरान लोगों को गोलाकार पत्थर जैसे वस्तु मिली। ग्रामीण इसे विभिन्न स्थानों पर अलग-अलग नाम देकर पूजते रहे। यहीं नहीं पाडल्या में भिल्लड़ बाबा का मंदिर बनाया और पटेलपुरा में भी इन पत्थर जैसी वस्तु पूजा की जाने लगी। लोग इनपर बड़ी श्रद्धा के साथ हार, फूल, नारियल और तिलक लगाकर इन्हें पूजते रहे। विशेषज्ञों को जब पता चला तो उन्होंने मौके पर जाकर जांच की। यहीं नहीं लोग यहां भिल्लड़ बाबा के नाम से मुर्गे और बकरे की बलि भी दी जाने लगी। पटेलपुरा में इन पत्थर रुपी वस्तुओं को गोवंश के रक्षक के रूप में पूजा जाने लगा। पाडल्या के अलावा इसके आसपास के गांवों घोड़ा, टकारी, झाबा, अखाड़ा, जामन्यापुरा के लोग भी इनकी पूजा करने के लिए आने लगे। इसकी जानकारी किसी तरह विशेषज्ञों को लगी उन्हें पता चला कि डायनासोर के अंडों के 256 जीवाश्म करीब 17 साल पहले लोगों को मिले थे। पाडल्या गांव में डायनासोर फासिल्स जीवाश्म पार्क बनाया गया है। लोग इन डायनासोर की टिटानो-सौरन प्रजाति के जीवाश्म की पूजा करते है। इसके बाद विशेषज्ञों ने मौके पर जाकर इसकी जांच की तो डायनासोर के जीवाश्म होने की सच्चाई पता चली। बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट आफ पैलियो साइंस लखनऊ के विशेषज्ञों और मध्य प्रदेश वन विभाग के अधिकारियों की तरफ से इसकी जांच की गई थी। जिसके बाद विशेषज्ञों की तरफ से ग्रामीणों को जागरूक किया गया कि जिन्हें वो भगवान समझकर पूज रहे है असल में वो डायनासोर के अंडे है। अब विशेषज्ञों की तरफ से धार जिले को यूनेस्को द्वारा ग्लोबल जियो पार्क के रूप में मान्यता दिलाने की योजना बनाई जा रही है। ताकि जीवाश्म और भू-विरासत स्थलों को संरक्षित रखा जा सके।

कर्नाटक के बेलगावी में तनाव, कन्नड़ झंडा लगाने पर युवकों की पिटाई; पांच के खिलाफ एफआईआर दर्ज

बेलगावी, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेलगावी जिले में कन्नड़ झंडा लगाने पर युवकों की पिटाई करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। युवकों की पिटाई के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया है। कर्नाटक पुलिस ने घटना के संबंध में पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। साथ ही पुलिस ने एक शख्स को हिरासत में लिया है। कर्नाटक के बेलगावी जिले के संकेश्वर के अंकाली गांव में छत्रपति शिवाजी की मूर्ति के पास कुछ युवकों ने कन्नड़ झंडा लगाया था। वहां मौजूद एक समूह ने शिवाजी की प्रतिमा के पास कन्नड़ झंडा लगाने पर आपत्ति जताते हुए इसे तत्काल हटाने की मांग की।

कूरियर से बिहार भेजते थे हरियाणा की शराब, पेंट की बाल्टियों में लकड़ी का बुरादा भरकर छिपाते थे, 360 बोतल जब्त

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के शाहदरा जिले के स्पेशल स्टाफ ने तस्करों के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो कूरियर से हरियाणा की शराब बिहार भेजते थे। पुलिस ने इस संबंध में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो उत्तर-पूर्वी दिल्ली में अलग-अलग इलाकों के रहने वाले हैं। मुनेश कुमार (40) ईस्ट गोकल पुर की अमर कॉलोनी में रहता है और सुनील कुमार (32) शाहदरा के न्यू संजय अमर कॉलोनी के रहने वाला है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हरियाणा मार्का अंग्रेजी शराब की 360 बोतलें बरामद की हैं। शाहदरा जिला पुलिस को इनके सरगना अब्दुल की तलाश है। पूरे सिंडिकेट के मकसद का पता लगाने के लिए मामले की आगे की जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक उनकी टीम को गुप्त सूचना मिली कि बी-19, झिलमिल औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक कूरियर कंपनी 'डेल्हीवरी लिमिटेड' दूसरे राज्य यानी बिहार में अवैध शराब की तस्करी में शामिल है। पुलिस के मुताबिक इस गुप्त जानकारी को और उनकी टीम ने गहराई से वेरिफाई किया। इसके अलावा, शाहदरा जिले के स्पेशल स्टाफ की टीम को 'डेल्हीवरी लिमिटेड' के गोदाम की त्वरित रेकी करने के लिए तैनात किया गया। इसके बाद, मुनेश कुमार और सुनील को 360 बोतल अंग्रेजी व्हिस्की ('केवल हरियाणा में बिक्री के लिए' स्टैम्प) के साथ पकड़ा गया। आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिलने के बाद जीटीबी एन्क्लेव थाने में उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 33 के तहत उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई और अवैध शराब जब्त की गई। निरंतर पूछताछ पर आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे इस कूरियर कंपनी में 20,000 रुपये प्रति माह के वेतन पर काम करते हैं। दोनों आरोपियों ने बताया कि वे अब्दुल नाम के शख्स के निर्देशों का पालन कर रहे थे, जो कूरियर कंपनी का सुरक्षा प्रभारी है। वे अब्दुल के निर्देश पर अवैध शराब की खेप लोड/अनलोड करते थे। उन्होंने बताया कि अवैध शराब को पेंट की बाल्टियों में लकड़ी के बुरादे के बीच छिपाकर रखा जाता था और बाल्टी सील कर दी जाती थी।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 21 दिसंबर - 2023

अपनी दूरदर्शी सोच से ही भाजपा आगे बढ़ी

राज सक्सेना

2014 के बाद के हर चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने विरोधियों सहित देश के हर नागरिक को यह सोचने पर विवश किया है कि विरोधियों की राजनैतिक सोच जहां पर खत्म होती है, मोदी की सोच वहां से शुरू होती है। इसमें कोई शक भी नहीं है कि राष्ट्रवादी मोदी केवल अपने और अपने दल के कल्याण की ही नहीं सोचते. उनके सामने पहले उनका राष्ट्र रहता है, फिर उनका दल और सबसे अंत में अपनी छवि जबकि विरोधी दलों की सोच ठीक इससे विपरीत होती है। वे पहले अपने नेता का कल्याण और फिर अपने दल का कल्याण मात्र सोचते हैं। इसका परिणाम यह हुआ है कि कभी पूरे देश पर राज करने वाली कांग्रेस बहुत तेजी से अन्य दलों के सहयोग के बावजूद सिमटती जा रही है और भाजपा मोदी की छत्रछाया में 'बनिया-ब्राह्मण' की पार्टी की छवि तोड़ कर विश्व के सबसे अधिक सदस्यों वाली पार्टी के रूप में उभर चुकी है। कर्नाटक में स्थानीय नेतृत्व की गलतियों के चलते करारी हार का दंश झेल रही भाजपा विगत विधानसभा चुनावों के बाद पांच में से तीन राज्यों में नए मुख्यमंत्रियों के माध्यम से कमान संभाल चुकी है। सत्ता परिवर्तन की इस कवायद में सबसे अधिक चर्चा-परिचर्चा राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की ही है हालांकि तेलंगाना में भी उसने दूसरे नम्बर के दल ओबैसी की पार्टी को पीछे धकेल कर उससे बढत प्राप्त कर ली है। भाजपा ने इन तीनों राज्यों में जीत के बाद नए चेहरों को सत्ता के शिखर पर बैठाकर राजनीतिक पंडितों से लेकर अपने समर्थको को भी अचंभित कर दिया है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ को लेकर तो तय लग रहा था कि पार्टी अब वहां वसुंधरा राजे और रमन सिंह के स्थान पर नए विकल्प को पूर्ण करने का मन बना चुकी है परन्तु मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मिली शानदार जीत के बाद, आशा थी कि राज्य के मुखिया शायद वही बने रहें मगर अनुमानों को ध्वस्त करते हुए भाजपा की सर्वोच्च कमान ने मध्य प्रदेश में भी नए मुख्यमंत्री का तिलक कर दिया। भाजपा के इस निर्णय के साथ ही यह सिद्ध हो गया कि भाजपा की आंतरिक राजनीति में दखल रखने वाले अटल और आडवाणी युग वाले सभी मुख्यमंनत्रियों की विदाई हो चुकी है और भाजपा की 'सेकेण्ड लाइन' की शुरुआत हो चुकी है। हो सकता है अभी एकाधेक मुख्यमंत्री की विदाई रुक जाती मगर विरोधियों की जाति गणना के दांव को कोल्ड स्टोर की शोभा बनाने के लिए यह आवश्यक हो गया था कि भाजपा की राजनीतिक सफलता के लिए उसमें सोशल इंजीनियरिंग का तड़का लगाया जाय। दूरदर्शी मोदी-शाह और नड्डा की तिकड़ी ने साहस का परिचय देते हुए छत्तीसगढ़ में आदिवासी मुख्यमंत्री का राजतिलक कर दिया और आदिवासी समुदाय से आने वाले विष्णु देव साय को मुख्यमंत्री बनाकर, ओबीसी वर्ग के अरुण साब और अगड़ी जातियों से विजय शर्मा को उपमुख्यमंत्री बनाया गया। इसी तरह मध्य प्रदेश में ओबीसी वर्ग के डॉक्टर मोहन यादव को मुख्यमंत्री तो दलित समाज के जगदीश देवड़ा और ब्राह्मण राजेंद्र शुक्ला उनके नए बने जातीय समीकरणों के दृष्टिकोण से प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बनाये गये। सबसे अधिक जातिवाद के गणित में उलझे राजस्थान को भाजपा ने विद्रोह तक के खतरे को उठाते हुए तीन दशक बाद भजनलाल शर्मा के रूप में ब्राह्मण मुख्यमंत्री दिया। यहां राजपूत समाज की दिया कुमारी और राज्य में पार्टी के दलित चेहरे प्रेमचंद बैरवा को उपमुख्यमंत्री बनाकर सोशल इंजीनियरिंग को साधा गया है। भाजपा के इस कदम के माध्यम से देश को यह संदेश दिया गया है कि वह जातिवादी पार्टी नहीं है। इन सोशल इंजीनियरिंग के जातीय समीकरणों को सुलझाने के अलावा नए चेहरों के चयन में भाजपा ने कट्टर विचारधारा और सांगठनिक कौशल जैसे पहलुओं को भी प्राथमिकता दी है।

स्वच्छ छवि के साथ ईमानदार व्यक्तित्व पर ध्यान दिया गया है। इस चयन प्रक्रिया में राजनीतिक विरासत, अनुभव और नए नेतृत्व को निखारने की सोच भी जुड़ी हुई है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय के दादा और चाचा राजनीति में सक्रिय रहे हैं वह खुद दो बार विधायक और चार बार सांसद रहने के साथ ही मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में राज्य मंत्री भी रह चुके हैं। मध्य प्रदेश के मोहन यादव पूर्व में दो बार विधायक और राज्य सरकार में महत्वपूर्ण मंत्रालय संभाल चुके हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जरूर पहली बार विधायक बने हैं पर लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहे हैं। इन तीनों में एक सामान्य विशेषता यह भी है कि भाजपा के छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से यह सब जुड़े रहे हैं। आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी से जोड़कर यह गणित देखा जाय तो किसी पुराने मुख्यमंत्री के स्थान पर इन निष्कलंक चेहरों के साथ, मोदी और शाह के लिए चुनावी प्रबंधन कहीं अधिक सरल होगा। वे केंद्र की उन योजनाओं को भी कहीं बेहतर तरीके से लागू कर सकेंगे जिन पर सत्ता में वापसी के लिए मोदी ने बड़ी राजनीतिक पूंजी ग्रामीण क्षेत्रों पर लगाई है। नए चेहरों के माध्यम से कई अन्य संदेश भी दिए जा सकते हैं। पहला तो यही कि भाजपा किसी भी सक्षम कार्यकर्ता को शीर्ष पद पर बैठा सकती है। संघ और भाजपा ने इसके माध्यम से यह भी सिद्ध किया है कि वह जब चाहे अपने बीच से नया नेतृत्व पैदा करने में सक्षम है हालांकि भाजपा में अपवाद स्वरूप पहले भी ऐसा होता आया है। नरेंद्र मोदी और शिवराज चौहान जैसे नेता इसके उदाहरण हैं। मोदी ने 2001 में गुजरात का मुख्यमंत्री बनने के बाद ही पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ा था। उससे पहले वह पार्टी के चर्चित चेहरे तक नहीं थे। बस गुजरात भाजपा के बीच समर्पण से अपना काम करते रहे थे। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने अपना गुजरात मॉडल देकर राष्ट्रीय राजनीति को एक अलग ही दिशा प्रदान कर दी। इसी तरह मध्य प्रदेश में विजया राजे सिंधिया और उमा भारती के सहित नरेंद्र सिंह तोमर जैसे दिग्गजों के बीच शिवराज सिंह ने अपनी एक अलग जगह बनाकर मुख्यमंत्री बनने के बाद राज्य को बीमार प्रदेशों की सूची से निकाला। जल्दबाजी होगी कि किसी नए मुख्यमंत्री से ऐसी कोई अपेक्षा की जाय कि वह भी मोदी या शिवराज की तर्ज पर सफलता के नए प्रतिमान बना सके लेकिन यह तो सच है कि उन्हें अवसर देकर भाजपा ने विपक्ष के सोचने के सारे रास्ते बंद कर दिये हैं जिन पर चल कर वह भाजपा के विरुद्ध कुछ कर सके। इस तरह के दुस्साहसिक निर्णय लेने की इच्छाशक्ति और मानसिकता का सारे विरोधी दलों में अभाव है। इन तीनों राज्यों में विजय पताका फहराकर भाजपा को सबसे बड़ा फायदा यह हुआ है कि कर्नाटक विजय के बाद इंडी अलायन्स पर बना कांग्रेस का दबदबा अब लगभग शून्य हो गया है और इसमें टूट के आसार लगातार बनते जा रहे हैं। कांग्रेस के कार्यकर्ता भी अब हतोत्साहित रहेंगे और भाजपा के उत्साहित। विष्णु देव साय, मोहन यादव और भजन शर्मा के समक्ष तात्कालिक चुनौती लोकसभा चुनाव की होगी।

इन तीनों राज्यों में लोकसभा की 65 सीटें दांव पर लगी हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में यहां भाजपा का प्रदर्शन बहुत अच्छा था। सत्ता में वापसी के लिए भाजपा को इससे ऊपर जाना होगा क्योंकि कर्नाटक को छोड़कर शेष दक्षिण में भाजपा की नगण्य राजनीतिक सफलता को देखते हुए शीर्ष कमान के नजरिए से हिंदी भाषी क्षेत्रों में ही अपने लक्ष्य को पाना होगा। आगे क्या होता है, यह तो भगवान के हाथ में है मगर शीर्ष नेतृत्व ने इंडी अलायन्स के सारे रास्ते बंद तो कर ही दिए हैं।

फिर मंडराया कोरोना का खतरा

एक बार फिर कोरोना के नए बहुरूप जेएन.1 से संक्रमित एक व्यक्ति की केरल में पहचान क्या हुई, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय तुरंत सतर्क हो गया है। वजह साफ है कि कोरोना विषाणु के पांव पसारने की आशंका बढ़ने लगी है। बीते लगभग एक सप्ताह में कोरोना के मामलों में एकदम से उछाल दर्ज हुआ है। यहां तक कि एक दिन में एक सौ चालीस से अधिक मामले पाए गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र लिख कर इससे सावधान रहने को कहा है। इस हिदायत के बाद सतर्कता बरतते हुए तमिलनाडु और केरल सरकार ने लोगों को एहतियाती कदम उठाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। कोरोना की दो बड़ी लहरों द्वारा देश में जिस तरह से जान-माल का नुकसान पहुंचाया गया था, उसे देखते हुए सरकार किसी भी तरह का जोखिम मोल लेने को तैयार नहीं है। सबसे बडी बात तो यह है कि शुरुआती मामला सामने आने के तुरंत बाद सरकारें सतर्क हो गई हैं और लोगों को भी जागरूक रहने को प्रेरित कर रही हैं। पिछली बार भी कोरोना के शुरुआती मामले केरल से ही फैले थे, जो देश भर में तबाही का कारण बन गए थे। विशेषज्ञों के अनुसार नए बहुरूप के प्रभाव इतने खतरनाक नहीं हैं कि उसे लेकर दहशत फैले, मामूली लापरवाही भी महामारी का रूप लेते देर नहीं लग सकती है। इसलिए सतर्कता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। देश ने जिस तरह से कोरोना के विषाणु को भुगता है उसे देखते हुए इस तरह की सतर्कता जरूरी भी है। देश भर में टीकाकरण और सख्त नियमों के जरिए लोगों को सुरक्षित किया जा चुका है। तब भी चिकित्सा विज्ञानियों ने कहा था कि कोरोना विषाणु सदा के लिए समाप्त नहीं हो सकता। यह रूप बदल-बदल कर हमारे बीच में आता रहेगा और हमें अब इसके साथ ही जीने की आदत डालनी होगी। इस हकीकत से इंकार भी नहीं किया जा सकता कि कोई भी विषाणु पूरी तरह समाप्त नहीं होता, वातावरण, मौसम आदि के मुताबिक अपना रूप बदलता रहता है। उससे निपटने के लिए प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने की जरूरत है। पहले भी प्रतिरोधक टीकों के जरिए ही अनेक महामारी फैलाने वाले विषाणुओं पर काबू पाया जा सका था। कोरोना के टीकों का भी प्रभाव पूरी दुनिया ने देखा, जिसने लोगों को नया जीवन दान दिया। बिडंबना है कि इन टीकों से शरीर में पैदा होने वाली प्रतिरोधक क्षमता स्थायी नहीं बताई जाती है, दूसरी ओर इनका बार-बार उपयोग भी सुरक्षित नहीं माना जाता है। ऐसे में लोगों से अपेक्षा की जाती है कि वे खुद नाक-मुंह ढंकने, हाथ धोने जैसे एहतियाती उपाय अपना कर और अपनी दिनचर्या, खानपान की आदतों आदि में बदलाव करके सुरक्षित रहने का प्रयास करें। भारत जैसे देश में, जहां भीड़भाड़ की अधिकता हर जगह रहती है, लोगों में साफ-सफाई को लेकर जागरूकता की भी कमी है। खांसी-जुकाम जैसी शिकायतों में प्रायः अनदेखी और देसी उपचार पर अधिक भरोसा किया जाता है, वहां किसी भी तरह की लापरवाही कोरोना जैसे विषाणु को पांव पसारने का मौका देती है। इसलिए केंद्र और राज्य सरकारों की चिंता वाजिब है। बहुत सारी राज्य सरकारें भी इसे लेकर गंभीर नजर नहीं आतीं। हमारे यहां स्वास्थ्य सेवाओं का आलम यह है कि जांच आदि की व्यवस्था भी राम भरोसे ही है, ऐसे में बहुत सारे रोगों की समय पर पहचान नहीं हो पाती। बहुत सारे लोगों ने मान लिया है कि कोरोना का संकट अब सदा के लिए टल गया है। इसलिए इससे संबंधी जांचें कराने की जरूरत नहीं रही। ऐसे में सरकारों को खुद भी सतर्क रहना और लोगों में इसके प्रति निरंतर जागरूकता पैदा करते रहने की जरूरत है ताकि कोरोना जैसी महामारी से लोगों को बचाया जा सके।

वैश्विक लोकप्रियता में शिखर पर नरेन्द्र मोदी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर विरोधियों द्वारा लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये जाते रहे हो पर इसमें कोई दो राय नहीं कि आज की तारीख में लोकप्रियता में दुनिया के दिग्गज नेताओं में शीर्ष पर कोई नेता है तो वह भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन या रुस के पुतीन हो या अमेरिका के ही पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता के आसपास भी नहीं टिकते है। अमेरिका की कंसल्टेंसी फर्म मार्निंग कंसल्ट द्वारा इसी माह की शुरुआत में करवाये गए सर्वें में यह साफ हो गया है कि सर्वें में हिस्सा ले रहे दुनिया के देशों कें लोगों में 76 फीसदी लोगों की पंहली पसंद नरेन्द्र मोदी रहे हैं। लोकप्रियता में नकारने वाले भी केवल 18 फीसदी ही है जबकि 6 फीसदी ने अपनी कोई राय उजागर नहीं की है। इससे पहले अमेरिकी थिंक टेंक प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार देश के 10 में से 8 व्यक्ति नरेन्द्र मोदी के प्रति सकारात्मक राय रखते हैं। यानी कि देश के 80 फीसदी लोग नरेन्द्र मोदी में विश्वास रखते हैं। 55 फीसदी लोगों की पहली पंसद नरेन्द मोदी है। देश की केवल 20 फीसदी आबादी नरेन्द्र मोदी को पसंद नहीं करती है। लोकप्रियता की सूची में मजे की बात यह है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन इस लोकप्रियता की श्रेणी में 8 वें पायदान पर हैं।दरअसल विश्वव्यापी लोकप्रियता अर्जित करना कोई सामान्य बात नहीं होती है। हमारे देश के लिए तो यह और भी गर्व की बात हो जाती है कि हमारे नेता की लोकप्रियता दुनिया में पहले पायदान पर है। मजे की बरत यह है कि लोकप्रियता के साथ ही विश्वसनीयता में भी सबसे आगे हैं। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि लोकप्रियता में अव्वल आना इस मायने में बड़ी बात हो जाती है कि 76 फीसदी को मतलब साफ है कि यह लोकप्रियता का कोई मामूली आंकड़ा नहीं है अपितु लोकप्रियता के दूसरे पायदान पर रहे मैक्सिकों के राष्ट्रपति एन्ड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर से पूरे दस प्रतिशत अधिक है। यानी कि नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का आंकड़ा 76 फीसदी है तो दूसरे पायदान पर रहे मैक्सिको के राष्ट्रपति की लोकप्रियता का आंकड़ा 66 फीसदी यानी कि दस फीसदी कम है। सूची के अनुसार तीसरे पायदान पर स्विट्जरलैंड, चौथे पर ब्राजील, पांचवें पर आस्ट्रेलिया और छटे पायदान पर इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी रही है। मेलोनी जिसको लेकर पिछले दिनों सोशियल मीडिया पर एक से एक मीम्स चलाये जा रहे थे उनके और नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता में पूरे 35 फीसदी का अंतर है। देखा जाये तो नरेन्द्र मोदी का एग्रेसिव रवैया ही उनकी लोकप्रियता का बड़ा कारण है। कठोर से कठोर और कड़े से कड़े निर्णय भी एक झटके में लेने की क्षमता और मोव को अपने पक्ष में करने क्षमता ही नरेन्द्र मोदी का लोकप्रियता के शिखर पर पंहुचाती है। वैश्विक सम्मेलनों और मंचों पर ऐसा लगता है जैसे दुनिया के देशों का नेतृत्व नरेन्द्र मोदी ही कर रहे हो। बॉडी लैंग्वेज ही ऐसी कि लगता यही है कि जैसे आज की तारीख में विश्व के नेताओं के कोई लीडर दिखाई देते है तो वह नरेन्द्र मोदी ही लगते हैं। भले ही इतर राय रखने वाले कुछ भी कहे या कुछ भी मनोभाव रखे पर अभी तो जो कुछ दिख रहा है वह साफ है और नरेन्द्र मोदी की सर्वमान्य नेता के रुप में भी प्रतिस्थापित करता है।

शिवराजसिंह भाजपा का उदारवादी चेहरा

नरेंद्र तिवारी

मध्यप्रदेश में सो ल ह वीं विधानसभा के चुनाव सम्पन्न हुए। इस चुनाव में भाजपा ने समस्त अनुमानों को झुठलाते हुए शानदार सफलता अर्जित की है। राज्य में भाजपा ने 163 विधानसभा सीटों पर विजय श्री प्राप्त कर अचंभित कर दिया। प्रदेश में भाजपा को मिली प्रचंड विजय को भाजपा संगठन मोदी मैजिक बता रहा है। चुनाव के पूर्व और अपार सफलता के बाद भी संगठन शिवराजसिंह को नजरंदाज करता प्रतीत हो रहा है, किंतु चुनाव के उपरांत भाजपा को मध्यप्रदेश में मिली अपार सफलता के बाद जनता की नजर में नायक के रूप में अव्वल नंबर पर कोई है तो वह है मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, मामा जिनकी जननायक की छवि ने भाजपा के लिए प्रचंड सफलता की इबारत लिखी। सूबे में शिवराजसिंह चौहान सबसे अधिक समय तक मुखिया रहे हैं। उन्होंने अनेकों जनकल्याणकारी योजनाओं को मूर्तरूप देकर जनसामान्य को लाभ पहुंचाने के कार्य किए। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में लाडली बहना योजना शिवराज का मास्टर स्ट्रोक शाबित हुआ। प्रदेश में लाडली बहना योजना का प्रचार–प्रसार करने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस योजना के माध्यम से प्रदेश की सवा करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में 1250 रु महीना राज्य सरकार द्वारा जमा किया जा रहा है। शिवराजसिंह चौहान मुख्यमंत्री रहने के दौरान भावुक, और संवेदनशील नजर आते रहते थै। उन्होंने समय–समय पर सख्त रुख भी इख्तियार किया। जो समय की मांग भी मानी जा सकती है। चुनाव प्रचार के दौरान प्रदेशभर में दिनरात एक कर पार्टी के पक्ष में माहौल बनाया। खुद शिवराज सिंह चौहान ने स्वीकार किया चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें नींद नहीं आती थी। उनकी नायकत्व छवि का ज्वार उस समय चरम पर पहुंच गया जब भाजपा नेतृत्व ने प्रदेश में अगली पीढ़ी को कमान सौंपने के निर्णय को सर्वोपरि रखते हुए शिवराज मंत्री मंडल के पूर्व शिक्षा मंत्री उज्जैन दक्षिण के वर्तमान विधायक मोहन यादव को मुख्यमंत्री पद की कमान सौंपने का निर्णय लिया। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने सिर्फ मध्यप्रदेश में ही नहीं अपितु छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी नवीन चेहरों को मुख्यमंत्री पद की कमान सौंपने का निर्णय लिया। मध्यप्रदेश में आमजनता की नजर में शिवराज सिंह मुख्यमंत्री पद के सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे थै। शिव के स्थान पर मोहन का चयन करना भाजपा हाईकमान का अंदरूनी निर्णय है। इस निर्णय के पीछे भाजपा संगठन की आगामी रणनीति भी छुपी हो सकती है। इस निर्णय से संगठन को क्या फायदा या नुकसान होगा यह समय के गर्त में छुपा हुआ है। किंतु वर्तमान दौर में साफतौर पर जो दिखाई दे रहा है। वह यह है की शिवराज सिंह चौहान एमपी में मुख्यमंत्री के तौर पर बेहतर कार्य कर रहे थै। प्रदेश की जनता ने भाजपा को प्रचंड बहुमत देकर शिवराज के पक्ष में ही अपना जनादेश दिया था। शिवराज का मुख्यमंत्री नहीं बन पाना प्रदेश की जनता को दुखी कर गया लगता है। इस दुख के पीछे शिवराज जनप्रिय छवि, गहरा विश्वास और जनसामान्य जुड़ गया नाता नजर आता है। प्रदेश के मामा, लाडली बहनों के भाई और संवेदनशील मुख्यमंत्री से आमजनता का गहरा रिश्ता बन गया था। प्रदेश की जनता के मन में शिवराज के प्रति गहरा अपनत्व नजर आता दिखाई दे रहा था। यह प्यार और अपनत्व उनके मुख्यमंत्री रहने के दौरान तो था। उनके मुख्यमंत्री नहीं बन पाने के बाद अधिक बढ़ता दिखाई दिया। प्रदेश भर से शिवराज के चाहने वालो के अश्रुयुक्त दुखी चेहरे इस बात की तस्दीक करते दिखाई दे रहे है, उनके दुख का मूल कारण यह है की जनता का यह वास्तविक प्रतिनिधि जिसे वह चाहते हैं, मतदान के रूप में जिसके प्रति विश्वास प्रकट किया गया। भाजपा संगठन की नीति के परिणाम स्वरूप प्रदेश का मुख्यमंत्री नहीं बन पाया।

बावजूद इसके जनता का प्रेम उनके प्रति अधिक बढ़ता दिखाई दिया। ऐसा प्रदेश के आमजन की भावनाओं को जानने के उपरांत दिखाई दे रहा है। शिवराज को भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व क्या जिम्मेदारी सौपेगा। यह आगामी समय में स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल शिवराज के प्रति जो स्नेह, प्यार और विश्वास की लहर दिखाई दे रही है। वह उन्हें देश के बड़े नेता और नायक के रूप में खड़ा करती दिख रही है। शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री रहते बनाई योजनाएं, उनका ईमानदारी से क्रियान्वयन उनके कुशल प्रशासक होने का प्रमाण है। उनके बहुत से प्रशंसक उन्हें भावी प्रधानमंत्री के रूप में भी देख रहे है। शिवराज की अंहकार रहित छवि भी उनके नायकत्व में वृद्धि करती है। साढ़े अठारह बरस निर्विवाद मुख्यमंत्री रहने के बाद एमपी की जनता के दिल में बसे शिवराज की भाजपा हाईकमान ने अपनी नीति के चलते बिदाई जरूर कर दी है। किंतु जनता के दिल से शिवराज की बिदाई करना इतना आसान दिखाई नहीं देता है। उनका अंदाज भी निराला है। जब उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया में कहा 'जस की तस रखदिनी चदरिया' तब वह यहीं कहना चाह रहे थै की जैसी मुझे सत्ता सौंपी गई थी वैसी की वैसी सत्ता वापस कर दी गई है। प्रजातंत्र में जनता का विश्वास उस नेता को ही मिलता है जो जनता की समस्याओं को जानता हो, समस्याओं के उचित निराकरण के उपाय करता हो, जो समाज के शोषित, वंचित, गरीब वर्ग के लिए संवेदनशील हो, जनपेक्षाओं से भलीभांति परिचित हो, अपराधियों के लिए कठोर, आमजन के लिए द्रवित दिखाई देता हो। शिवराज ने समय–समय पर कठोरता का आवरण ओढ़ा किंतु उनके मूल में उदारता हमेशा दिखाई देती रही। उन्होंने मध्यप्रदेश की तस्वीर को संवारा है। प्रदेश को विकासशील से विकसित बनाने की ओर अग्रसर किया है। प्रदेश के विकास में शिवराज के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। वें गंभीर प्रकृति के नेता है। यही कारण है की उनके प्रशसंक उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते है। यह सही भी है। भाजपा में नरेंद्र मोदी के बाद चार–पांच नामो पर चर्चा की जाए तो प्रधानमंत्री के दावेदारों में शिवराज को आसानी से शामिल किया जा सकता है।

आओ बीमारी खरीदें

डॉ टी महादेव राव

लोगों के खराब स्वास्थ्य के लिए मिलावटी धंधे वालों को हम गालियां देते हैं, कोंसते हैं, लेकिन दैनिक जरूरतों की चीजों के दामों को काबू में रखने की अद्भुत क्षमता उन्हीं मिलावटबाजों में होती है। महान जन-नेता, नाम बड़े और दर्शन छोटे वाली सरकार ही नहीं कर पाई महंगाई पर काबू, तो इन मिलावटबाजों से क्या होगा - यही सोच रहे हैं न आप? हमारे केंद्रीय कृषि मंत्री ने अपने बेशकीमती संदेश में आपके संदेह की निवृत्ति कर दी है। उनका कहना है- "सरसों तेल की कीमतें बढ़ी हैं, सच है। लेकिन कारण है हमने मिलावटी तेलों को बाजार में आने नहीं दिया, इसलिए कीमतें बढ़ी हैं। आप तो जानते ही हैं कि गुणवत्ता वाले तेलों का अधिक दाम होना सहज है।" यह तो अच्छा हुआ गुणवत्ता की बात केवल तेलों तक सीमित रखा उन्होंने। अगर यही फार्मूला चाँवल, दाल, मिर्ची में हो रही मिलावट के बारे में कहकर और भी बढ़ी हुई दामों का कोडा पीटते तो क्या होता? सामान्य जनों पर इतनी दया दिखाने वाले शासकों को तो शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया जाना चाहिए। कीमतें आसमान छू रही हैं सभी को मालूम है। सिंडिकेट लुटेरों के लूट पर सरकारी करों के कोड़े मिलकर अंत में सामान्य जनों की खून पसीने की कमाई लूट रहे हैं, यह बात भी सभी जानते हैं। इसके बावजूद आंखें मूंदे दूध पीती बिल्ली की तरह सिद्धांतों की खोज करने वालों को आप क्या कहेंगे? आधुनिक भारत में सच्चे नेता कहलाएंगे। जिन महान लोगों को अच्छी गुणवत्ता वाली चीजें सस्ते में मुहैया कराना चाहिए, अगर वही मिलावटें हटाने पर कीमतें बढ़ेंगी का सिद्धांत प्रतिपादित करें तो उन्हें जनकल्याण के समर्थ पालन को नई दिशा देने वाले कहेंगे न बोलिए? जैसा करेगा वैसा भरेगा सिद्धांत पर आंखें मूंद वोट देने वाले जनता को उसका दुष्परिणाम तो भुगतना ही होगा। ऐसे में केवल सुनने के अलावा जनता कर भी क्या सकती है? मंत्री जी की बेसिर पैर की बातें तो बातें एक और मंत्री महोदय ने इन मिलावटबाजों के विराट रूप के दर्शन भी करा दिए। एक और केंद्रीय मंत्री बेहद दुखी होते हुए कह रहे थे – "मिलावटी भोजन से हो रहे रोगों के कारण देश प्रतिवर्ष 1.09 लाख करोड रुपए खो रहा है। 2030 के अंत तक यह आंकड़ा 15 से 18 लाख करोड़ हो जाएगी।" मतलब इस तरह सामाजिक मिलावटी महानों की करतूतें कम नहीं होंगी बल्कि बढ़ेंगी ही यही कहना है न मंत्री महोदय का। अर्थ है कि वे मिलावट करते रहेंगे और शासक वर्ग आंखें मूँदे इस तमाशे को देखता रहेगा। शायद यही तो अर्थ हुआ मंत्री महोदय की महान बातों का, वरना वे कह सकते थे कि मिलावट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। उन्हें जेल में भरेंगे। इस पर हम कड़ाई से काम करेंगे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं कहा। उनके कहने का अंदरूनी मतलब है कि महंगाई की मार खाते हुए उसके साथ भी जीवन बिताना होगा। ऐसे अनुगृहीत करने वाले भाषणबाज नेताओं की भीड़ से भरे भारत में समस्याओं का समाधान तो होने से रहा। ऊपर से भाषण मुफ्त। निष्क्रिय नेताओं के इस युग में मिलावटी लोगों के हाथ पैर बड़ी सक्रियता से काम कर रहे हैं। घी से लेकर तेल तक, दालों से लेकर हल्दी तक कितनी मिलावट है कि कहना पड़ेगा कि मिलावट के लिए कुछ भी चलेगा कोई परहेज नहीं।

अमीर देशों के ऐशो आराम पर लोगों का जीना हुआ मुहाल

संजीव ठाकुर

संयुक्त राष्ट्र संघ की संस्था आई,पी,सी,सी, की ताजा रिपोर्ताज के अनुसार विश्व के अमीर देश अकेले ही 60% से ज्यादा उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं। जबकि इसका उल्टा गरीब देशों का कुल गैस उत्सर्जन का 12 से 14% ही है और स्थिति यह है कि विश्व ग्लोबल वार्मिंग की 1.5 डिग्री सेल्सियस से 2 डिग्री सेल्सियस तक ही सीमित करने से कोसों दूर हैं। ग्लोबल वार्मिंग का खतरा वैज्ञानिकों के अनुसार पूरे विश्व में बहुत बढ़ गया है और ऐतिहासिक तौर पर पिछले दो से तीन सौ वर्षों की तुलना की जाए तो बीते कुछ वर्षों में धरती का तापमान आश्चर्यजनक रूप से तीव्र गति से बढ़ गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी के पास ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए कुल मिलाकर 10 से 15 वर्ष ही शेष है। वैज्ञानिकों की यह बातें और रहस्योद्घाटन मानवता को डराने वाला जरूर है पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़े अमीर देशो द्वारा इसके उपायों की जो घोर अनदेखी की जा रही है वह अत्यंत चिंतनीय और चौकाने वाली है। मानवता के लिए अत्यंत खतरनाक भी है। ग्लोबल वार्मिंग न सिर्फ मनुष्य के लिए खतरा है बल्कि जीव-जंतुओं समुद्र मैं पाए जाने वाले जीवो के लिए भी यह अत्यंत विषैला तथा खतरनाक हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिकों के शोध के अनुसार जीवाश्म ईंधन के दशक ने एवं जलने से ग्लोबल वार्मिंग का तापमान तेजी से बढ़ा है एवं पूरी पृथ्वी जीवाश्म ईंधन के जलने से तेजी से धड़क रही है।

वैज्ञानिकों की चेतावनी तथा दिए गए प्रमाण के बाद भी अनेक देश जो कार्बन उत्सर्जन के बड़े जिम्मेदार हैं, जीवाश्म ईंधन की इस्तेमाल को कम करने या खत्म करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। जीवाश्म ईंधन की खपत खत्म होने की बात तो दूर है कम करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं, और तो और इसके आसार भी निकट भविष्य में दिखाई नहीं दे रहे हैं। भारत को छोड़कर अन्य यूरोपीय देशों जिसमें अमेरिका ब्रिटेन के अलावा 32 देशों ने जो कार्बन उत्सर्जन एवं जीवाश्म ईंधन के उपयोग के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार हैं, सम्मेलन कर इस पर चिंता जरूर जताई है पर इसमें स्पष्ट तौर पर अमेरिका, ब्रिटेन ,जापान चीन ,रूस की दादागिरी दिखाई देती है,यह छोटे गरीब देशों पर सारी जिम्मेदारी लादने का काम कर रहे हैं ।विश्व के कुल देशों में से लगभग 50 देश ऐसे हैं जो जीवाश्म ईंधन का उपयोग कर पृथ्वी को धधकाने के कार्य का 60% तक हिस्सेदारी रखते हैं। लेकिन इन देशों को ग्लोबल वार्मिंग की चिंता की बजाए विकासशील देश एवं गरीब देशों पर पर्यावरण सुरक्षा के नाम पर ग्लोबल वार्मिंग के नाम पर दोषारोपण कर के अपनी इतिश्री कर लेते हैं। ग्लोबल वार्मिंग तथा पर्यावरण चिंतन जितने भी सम्मेलन हुए हैं इसमें बड़े देशों की नीति एवं दादागिरी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। चीन जो सबसे बड़ा कार्बन का उत्सर्जक देश है उसने पर्यावरण पर हुए सम्मेलनों में हिस्सेदारी तो दूर उसकी तरफ ध्यान देना भी उचित नहीं समझा।

इंटरनेशनल पॉल्यूशन कंट्रोल कमिटी ने चेतावनी दी है कि धरती के तापमान की वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक रोकने के लिए कार्बन उत्सर्जन में 43% से 50% तक कटौती करनी होगी। 2010 से लेकर 2021 तक दुनिया का औसत वार्षिक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन मानव इतिहास में सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है जो सर्वाधिक खतरे के निशान से भी ऊपर है। फलस्वरूप जलवायु परिवर्तन के वजह से होने वाली ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए हमें अपने उत्सर्जन को लगभग शून्य पर लाना होगा, और इस कार्य के लिए पूरी दुनिया को ऊर्जा क्षेत्र में बड़े और कार्यकारी बदलाव लाने होंगे, इसके अलावा जीवाश्म ईंधन के उपभोग में भारी कमी भी लानी पड़ेगी। विगत 3 वर्षों में अक्षय ऊर्जा स्रोतों में जैसे सौर एवं पवन ऊर्जा साथी स्टोरेज बैटरी की लागत में आश्चर्यजनक गिरावट आई है जो लगभग गैस तथा कोयले की कीमत के बराबर हो गए हैं। कार्बन उत्सर्जन अभी 54% अधिक है। वास्तविक रूप से देखा जाए तो दुनिया के सब अमीर देश अकेले विश्व के कुल गैस उत्सर्जन के लिए बड़े जिम्मेदार पाए गए हैं।

वैज्ञानिकों ने कहा है कि अगले आठ दस सालों में अपने गैस उत्सर्जन में कटौती को आधा यानी 50% से कम नहीं करती है तो वर्ष 2050 तक उसे शून्य स्तर पर लाना होगा, अगर ऐसा नहीं किया तो पृथ्वी को तबाह होने से कोई नहीं रोक सकता है। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो भारत मोटे तौर पर ग्रीन हाउस गैसों के कुल वैश्विक उत्सर्जन में सहित 6.8 प्रतिशत का हिस्सेदार है। 1990 से लेकर 1920 तक भारत के ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में एक में 175% की बढ़ोतरी हुई है।

गीता जंयती कल

भ्रम में फंसे अर्जुन को श्रीकृष्ण की सीख, सुख-शांति और सफलता चाहते हैं तो काम अधूरे मन और भ्रम के साथ न करें

इस साल गीता जयंती यानी अगहन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी दो दिन रहेगी। एकादशी शुक्रवार, 22 दिसंबर की सुबह 9.21 बजे से शुरू होगी। इसके बाद ये तिथि 23 दिसंबर की सुबह 7.41 पर खत्म हो जाएगी। दो दिन एकादशी तिथि होने से इसकी तारीख को लेकर पंचांग भेद हैं।

23 दिसंबर को सूर्योदय के समय एकादशी तिथि रहेगी, इस वजह से 23 को ये व्रत करना और गीता जयंती मनाना ज्यादा शुभ रहेगा। शास्त्रों की मान्यता है कि सूर्योदय के समय जो तिथि रहती है, वही पूरे दिन मान्य होती है।

गीता जयंती पर श्रीमद् भागवत कथा का पाठ करना चाहिए या सुनना चाहिए। श्रीकृष्ण की छोटी-छोटी कथाएं पढ़-सुन सकते हैं। श्रीकृष्ण की कथाओं में सुख-शांति और सफलता पाने के सूत्र छिपे होते हैं। इन सूत्रों को जीवन में उतारने से हमारी सभी समस्याएं खत्म हो सकती हैं। यहां जानिए श्रीकृष्ण और अर्जुन का एक ऐसा किस्सा, जिसमें श्रीकृष्ण ने अर्जुन को भ्रम से बचने की सलाह दी है।

महाभारत युद्ध की तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। कुरुक्षेत्र में कौरव और पांडव पक्ष की सेनाएं आमने-सामने खड़ी थीं। संख्या और शक्ति के हिसाब से कौरवों की सेना ज्यादा अच्छी दिख रही थी।

जब अर्जुन ने कौरव पक्ष में अपने परिवार, कुटुंब के लोगों को देखा तो वे भ्रमित हो गए। अर्जुन ने अपने सारथी यानी श्रीकृष्ण से रथ को दोनों सेनाओं के बीच में ले जाने के लिए कहा।

श्रीकृष्ण रथ लोग युद्ध मैदान के बीच में ले गए। वहां पहुंचकर अर्जुन ने भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य, कृपाचार्य जैसे यौद्धाओं को देखा। इन सभी को देखकर अर्जुन ने युद्ध करने का विचार ही छोड़ दिया और अपने धनुष-बाण नीचे रख दिए।

अर्जुन ने श्रीकृष्ण से कहा कि मेरे कुटुंब के सभी लोग मेरे सामने खड़े हैं, मैं उनसे युद्ध नहीं कर सकता।

श्रीकृष्ण समझ गए कि अर्जुन भ्रम में फंस गए हैं। उस समय श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया। भगवान ने समझाया कि जब लक्ष्य बड़ा हो तो सभी बातें चल सकती हैं, लेकिन भ्रम नहीं चल सकता है। तुम्हें अपने सारे भ्रम छोड़कर सिर्फ अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए। जब हम अपने काम अधूरे मन और भ्रम के साथ करते हैं तो सफलता नहीं मिलती है। **-मुकेश ऋषि**

श्रीकृष्ण की सीख - सफलता चाहते हैं तो सभी भ्रम दूर करते हुए अपने काम पूरे मन से और एकाग्रता के साथ करना चाहिए।

कोयला ही रूपांतरित होकर हीरा बन जाता है

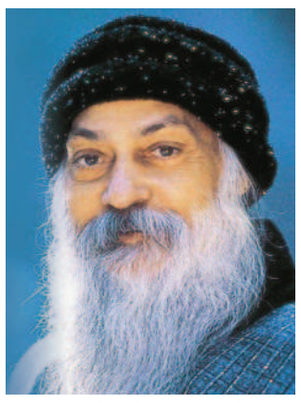

आदमी ने जो-जो निसर्ग के ऊपर इंजीनियरिंग की है, जो-जो उसने अपनी यांत्रिक धारणाओं को ठोंकने की और बिठाने की कोशिश की है, उससे गंगाएं रुक गई हैं, जगह-जगह अवरुद्ध हो गई हैं। और फिर आदमी को दोष दिया जाता है। किसी बीज को दोष देने की जरूरत नहीं है। अगर वह पौधा न बन पाए, तो हम कहेंगे कि जमीन नहीं मिली होगी ठीक, पानी नहीं मिला होगा ठीक, सूरज की रोशनी नहीं मिली होगी ठीक। लेकिन आदमी के जीवन में खिल न पाए फूल प्रेम का, तो हम कहते हैं..तुम हो जिम्मेवार। और कोई नहीं कहता कि भूमि न मिली होगी ठीक, पानी न मिला होगा ठीक, सूरज की रोशनी न मिली होगी ठीक; इसलिए यह आदमी का पौधा अवरुद्ध रह गया, विकसित नहीं हो पाया, फूल तक नहीं पहुंच पाया।

मैं आपसे कहना चाहता हूं कि बुनियादी बाधाएं आदमी ने खड़ी की हैं। प्रेम की गंगा तो बह सकती है और परमात्मा के सागर तक पहुंच सकती है। आदमी बना इसलिए है कि वह बहे और प्रेम बहे और परमात्मा तक पहुंच जाए। लेकिन हमने कौन सी बाधाएं खड़ी कर दी हैं?

पहली बात, आज तक मनुष्य की सारी संस्कृतियों ने सेक्स का, काम का, वासना का विरोध किया है। इस विरोध ने, मनुष्य के भीतर प्रेम के जन्म की संभावना तोड़ दी, नष्ट कर दी..इस निषेध ने! क्योंकि सच्चाई यह है कि प्रेम की सारी यात्रा का प्राथमिक बिंदु काम है, सेक्स है। प्रेम की यात्रा का जन्म, गंगोत्री..जहां से गंगा पैदा होगी प्रेम की..वह सेक्स है, वह काम है। और उसके सब दुश्मन हैं..सारी संस्कृतियां, और सारे धर्म, और सारे गुरु, और सारे महात्मा..तो गंगोत्री पर ही चोट कर दी, वहीं रोक दिया। पाप है काम, अधम है काम, जहर है काम। और हमने सोचा भी नहीं कि काम की ऊर्जा ही, सेक्स एनर्जी ही अंततः प्रेम में परिवर्तित होती और रूपांतरित होती है। प्रेम का जो विकास है, वह काम की शक्ति का ही ट्रांसफार्मेशन है, वह उसी का रूपांतरण है।

एक कोयला पड़ा हो और आपको ख्याल भी नहीं आएगा कि कोयला ही रूपांतरित होकर हीरा बन जाता है। हीरे और कोयले में बुनियादी रूप से कोई भी फर्क नहीं है। हीरे में भी वे ही तत्व हैं जो कोयले में हैं। और कोयला हजारों वर्ष की प्रक्रिया से गुजर कर हीरा बन जाता है। लेकिन कोयले की कोई कीमत नहीं है, उसे कोई घर में रखता भी है तो ऐसी जगह जहां दिखाई न पड़े। और हीरे को लोग छातियों पर लटका कर घूमते हैं, कि वह दिखाई पड़े। और हीरा और कोयला एक ही हैं! लेकिन कोई दिखाई नहीं पड़ता कि इन दोनों के बीच अंतर्संबंध है, एक यात्रा है। कोयले की शक्ति ही हीरा बनती है। और अगर आप कोयले के दुश्मन हो गए..जो कि हो जाना बिल्कुल आसान है, क्योंकि कोयले में कुछ भी नहीं दिखाई पड़ता..तो हीरे के पैदा होने की संभावना भी समाप्त हो गई, क्योंकि कोयला ही हीरा बन सकता था।**(क्रमशः)**

सबसे बड़ा मेडीटेशन सेंटर है 'स्वर्वेद महामंदिर'

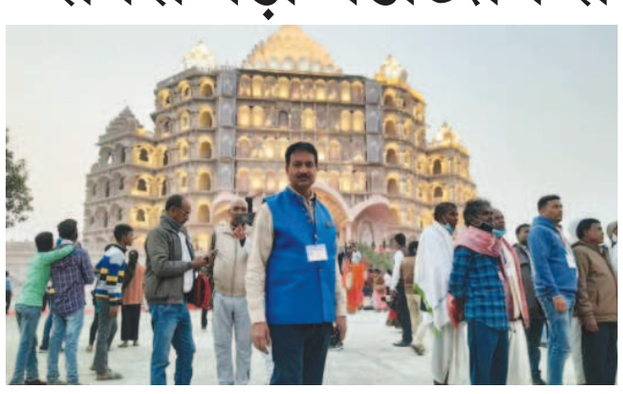

सुरेश गांधी

मंदिर का नाम स्वर्वेद से लिया गया है, जो शाश्वत योगी और विहंगम योग के संस्थापक सद्गुरु श्री सदाफल देवजी महाराज द्वारा लिखित एक आध्यात्मिक ग्रंथ है। संत सदाफल महाराज ने 17 वर्षों तक हिमालय में स्थित आश्रम में गहन साधना की। वहां से उन्हें जो ज्ञान प्राप्त हुआ उसे ही ग्रंथ के रूप में पिरोया। उसी ग्रंथ का नाम स्वर्वेद है। यह महामंदिर वाराणसी के चौबेपुर स्थित उमरहा में है। स्वर्वेद महामंदिर की सबसे बड़ी विशेषता है कि यहां पर भगवान की नहीं, योग- साधना की पूजा होती है। जहां स्व में आत्मा और परमात्मा से सीधा जुड़ाव है। स्वर्वेद महामंदिर का उद्देश्य मानव जाति को अपनी शानदार आध्यात्मिक आभा से रोशन करना है, जिससे दुनिया को शांतिपूर्ण सतर्कता की स्थिति में आच्छादित किया जा सके। मंदिर स्वर्वेद की शिक्षाओं को बढ़ावा देता है, ब्रह्म विद्या पर विशेष जोर देता है। ज्ञान का एक समूह जो आध्यात्मिक साधकों को संपूर्ण ज़ोन की स्थिति बनाए रखने के लिए सशक्त बनाता है, जो शांति और खुशी में अटूट स्थिरता की विशेषता है। स्वर्वेद के सिद्धांतों की वकालत करते हुए, मंदिर आध्यात्मिक साधकों को स्थिर शांति और खुशी द्वारा चिह्नित पूर्ण शांति की स्थिति प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है। ऐसे सद्विचारों से परिपूर्ण महामंदिर का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। स्वर्वेद महामंदिर एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला वास्तुशिल्प चमत्कार है, जो पारंपरिक और आधुनिक डिजाइन तत्वों का सहज मिश्रण है। जटिल संगमरमर की नक्काशी इसकी संरचना को सुशोभित करती है, और विशाल कमल के आकार के गुंबद वाराणसी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं। सात मंजिला अधिरचना समकालीन सौंदर्यशास्त्र को अपनाते हुए शहर की आध्यात्मिक विरासत के प्रमाण के रूप में स्थित है।

बता दें, संत सदाफल महाराज के विश्व के दर्जनों देशों में आश्रम हैं। वाराणसी का यह आश्रम सबसे बड़ा है। करीब 20 वर्षों से इस आश्रम के निर्माण की योजना पर काम किया जा रहा है। मकराना मार्बल से बने इस मंदिर की खासियत की चर्चा हर तरफ है। इसे स्थापत्य कला का बेजोड़ नमूना करार दिया जा रहा है। सात मंजिला यह मंदिर दुनिया का सबसे बड़ा मेडिटेशन सेंटर कहा जा रहा है। इस मंदिर में 20 हजार लोग एक साथ योग और ध्यान कर सकते हैं। यह मंदिर 64 हजार वर्गफीट में बना हुआ है। इसकी ऊंचाई 180 फीट है। स्वर्वेद महामंदिर के निर्माण कार्य की शुरु.आत साल 2004 में हुई थी. सात मंजिला स्वर्वेद महामंदिर 68,000 वर्ग फुट में फैला हुआ है और यह शिल्प और अत्याधुनिक तकनीक के अद्भुत सामंजस्य का प्रतीक है

यह एक आध्यात्मिक मंदिर है जो स्वर्वेद को समर्पित है, एक आध्यात्मिक पाठ जिसमें सात मंजिलें हैं जो मूल रूप से 7 चक्रों को समर्पित हैं। स्वर्वेद महामंदिरको कमल के फूल जैसा स्वरूप दिया गया है. स्वर्वेद मंदिर को 'विहंगम योग' यानि कि योग साधकों के लिए बनाया गया है. इस मंदिर में 3000 लोगों के एक साथ बैठ कर प्राणायाम, ध्यान और योग करने की सुविधा है। साथ ही इस महामंदिर में 125 पंखुड़ी वाला कमल गुंबद तैयार किया गया है। इस महामंदिर में सामाजिक कुरीतियों और सामाजिक बुराइयों का उन्मूलन शामिल है. इसको ग्रामीण भारत की भलाई के लिए अनेक सामाजिक-सांस्कृतिक परियोजनाओं का केंद्र भी बनाया गया है। मंदिर की नक्काशी में भारतीय विरासत की झलक दर्शाती जटिल नक्काशीदार बलुआ पत्थर की संरचनाएं हैं।

मंदिर की दीवारों के चारों ओर गुलाबी बलुआ पत्थर की सजावट भी हैं। मोदी इसके लोकार्पण मौके पर कहा कि स्वर्वेद महामंदिर के उद्घाटन का अर्थ वाराणसी में आध्यात्मिकता, सांस्कृतिक समृद्धि और आधुनिक प्रौद्योगिकी के एकीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह केंद्र शांति के प्रतीक के रूप में खड़ा है, जो भक्तों को अपनी शानदार दीवारों के भीतर शांति का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करता है। सरकार, समाज और संतगण, सब साथ मिलकर काशी के कायाकल्प के लिए कार्य कर रहे हैं. आज स्वर्वेद मंदिर का बनकर तैयार होना इसी ईश्वरीय प्रेरणा का उदाहरण है।

मां कैकई ने जानकी को मुंह दिखाई में दिया था कनक भवन

मिथिला नगरी नेपाल देश के जनकपुर धाम और अयोध्या नगरी में यह पर्व बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है। भगवान राम संग मां सीता का विवाह तो जनकपुर में हुआ था लेकिन जब मां सीता प्रभु श्री राम के साथ अयोध्या धाम में पधारी थीं। तो उन्हें माता कैकई ने मुंह दिखाई की रस्म में पूरा सोने से बना भवन भेंट में दिया था। आइए जानते हैं वर्तमान समय में उस सोने के दिव्य भवन का स्वरूप कैसा है।

मां कैकई ने सीता जी को मुंह दिखाई में दिया था कनक भवन

भगवान राम को सबसे ज्यादा मां कैकई प्रेम करती थीं और यह भी सत्य है कि उन्हीं ने दशरथ जी से कह कर भगवान राम को 14 वर्ष के वनवास के लिए भी भेजा था। परंतु जितना प्रेम माता कैकई अपने पुत्र भरत से करती थीं। उससे कई ज्यादा प्रेम वह भगवान राम से भी करती थीं और इसी वजह से जब मां सीता विवाह कर भगवान राम के साथ अयोध्या नगरी पधारीं तो माता कैकई ने अपनी बहु के रूप में मुंह दिखाई की रस्म में दशरथ जी से निवेदन कर विश्वकर्मा जी द्वारा एक स्वर्ण का भवन निर्माण करा कर उन्होंने मां सीता का यह भेंट किया था। मान्यता है कि जिस समय कैकई जी ने माता सीता को यह भवन भेंट स्वरूप दिया था उस दौरान ये पूरा सोने से बना हुआ एक दिव्य भवन था। मंदिर में भगवान के विग्रह की छत आज भी पूरे स्वर्ण की बनी हुई है।

सोने का महल होने के कारण नाम पड़ा कनक भवन

सोने का भवन होने के कारण इसका नाम कनक भवन पड़ गया। यह भवन आज भी अयोध्या नगरी में विद्धमान है और प्रमुख मंदिरों में से एक है। मंदिर परिसर में अंदर एक बड़ा सा आंगन है और यहां भगवान राम और मां सीता का विग्रह है। इस मंदिर में सीताराम जी की 3 प्रतिमाएं हैं। जिसमें से एक सीताराम जी की प्राण प्रतिष्ठित प्रतिमा है।

हनुमान जी को अनुनय-विनय करने पर मिला था प्रवेश

मान्यता है कि कनक भवन में माता सीता और राम जी के सिवाए किसी को रहने की अनुमति नहीं थी। यहां पर सीता जी की सखियां उनसे मिलने आया करती थीं। जहां सीताराम जी विराजमान हों वहां हनुमान जी तो अवश्य ही रहते हैं। हनुमान जी ने अपने आराध्या प्रभु श्री राम से कनक भवन में पहरेदार के रूप में रहने के लिए कई बार प्रार्थना की तब जाकर भगवान राम ने हनुमान जी को प्रेम पूर्वक कनक भवन में प्रवेश दिया और उनको बाहर आंगन में रहने की अनुमति दे दी। हनुमान जी का एक छोटा सा विग्रह आज भी इस मंदिर परिसर में है। माना जाता है कि राम जी के दर्शन करने से पहले हनुमान जी की अनुमति लेनी पड़ती है।

द्वापर में श्री कृष्ण ने भी कराया था इस भवन का जीर्णोधार

मान्यता है कि श्री कृष्ण द्वापर युग में जब तीर्थयात्रा करते हुए अयोध्या नगरी पहुंचे थे। तब उन्होंने इस भवन का पुनः जीर्णोधार करवाया था। कनक भवन मंदिर के अंदर एक शिला पर यह लिखा हुआ है। समय-समय पर इस भवन का जीर्णोधार होता गया। श्री कृष्ण के बाद कलयुग काल में राजा विक्रमादित्य ने इस भवन को पुनः निर्मित कराया।

बाद में ओरछा का रानी और राम जी की अनन्य भक्त वृषभानु कुंवरि ने इसे पुनर्निर्मित कराया था। राम मंदिर के अलावा यह भी अयोध्या नगरी के सबसे प्रमुख मंदिरों में से एक है जो राम मंदिर से कुछ ही दूरी पर स्थित है।

देवी-देवताओं की तस्वीर दान करनी चाहिए या नहीं?

हिंदू धर्म में दान करना बहुत ही पुण्य का काम माना जाता है। दान-पुण्य करने से ना सिर्फ भगवान का आशीर्वाद मिलता है बल्कि घर में सुख-शांति और बरकत भी आती है। ऐसा भी कहा जाता है कि मंदिर में दान करने से व्यक्ति की सात पीढ़ियों का कल्याण होता है। अगर दान या तोहफे की बात की जाए तो देवी-देवताओं की मूर्ति या फिर गणेश जी की मूर्ति आमतौर पर दी जाती है। फिर चाहें कोई शादी-ब्याह हो, पार्टी, बर्थडे हो या फिर कोई अन्य प्रोगाम। लेकिन क्या आप जानते हैं कि किसी को देवी-देवताओं की मूर्ति गिफ्ट करनी चाहिए या नहीं। आइए जानते हैं क्या कहता है वास्तु शास्त्र।

भगवान की मूर्ति दान करनी चाहिए या नहीं?

अगर आपके आसपास कोई नया मंदिर बन रहा है तो आप देवी-देवताओं की मूर्तियां दान कर सकते हैं। ऐसा करने से आपको भगवान का आशीर्वाद मिलता है। इसके साथ ही आपको अपनी कमाई का कुछ हिस्सा मंदिर निर्माण के लिए भी देना चाहिए। लेकिन भगवान की मूर्ति किसी व्यक्ति को दान नहीं कर सकते हैं। अगर हम

किसी को उपहार या दान के रूप में किसी देवता की मूर्ति या तस्वीर देते हैं, तो इसका मतलब है कि हम देवता को अपने घर से दूर भेज रहे हैं। वहीं चांदी के सिक्के जिन पर देवी-देवताओं के चित्र बने हों, देना शुभ नहीं होता है।

ये 5 चीजें भी किसी को न करें गिफ्ट

कैंची, चाकू, सुई धागा या फिर लोहे का कोई भी सामान किसी को गिफ्ट नहीं करना चाहिए। क्योंकि इससे वास्तु दोष तो लगता ही है साथ ही आपसी मतभेद भी बढ़ते हैं। भूलकर भी किसी को चमड़े का सामान गिफ्ट में न दें। वास्तु के अनुसार जूते, चप्पल, बेल्ट, पर्स इत्यादि गिफ्ट करना शुभ नहीं माना जाता है।

कभी भी किसी को गिफ्ट में परफ्यूम या फिर तेल गिफ्ट में नहीं देना चाहिए। ये भी अशुभ माना जाता है।

वास्तु कहता है कि कभी भी किसी को मनी प्लांट का पौधा दान में नहीं देना चाहिए। क्योंकि ऐसा करके आप अपने घर की दौलत सामने वाले को दे देते हैं। जिससे आप गरीब बन सकते हैं।

वास्तु के अनुसार कभी भी किसी को घड़ी गिफ्ट नहीं करनी चाहिए। क्योंकि ऐसा करके आप अपना समय सामने वाले को देते हैं, अगर समय अच्छा चल रहा है तो आपका अच्छा समय सामने वाले के पास चला जाएगा और आपका बुरा समय शुरू हो जाएगा।

'जाने तू...या जाने ना' के बाद, सेकंड लीड रोल ही ऑफर होते थे : मंजरी फडनिस

इमरान खान और जेनेलिया डिसूजा की फिल्म 'जाने तू...या जाने ना' को रिलीज हुए 15 साल हो चुके हैं। फिल्म में एक्ट्रेस मंजरी फडनिस बतौर सेकंड लीड नजर आई थी। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म काफी सक्सेसफुल रही हालांकि मंजरी की माने तो इस फिल्म की सफलता ने उनके करियर में कोई मदद नहीं की।

दरअसल, 'जाने तू...या जाने ना' के बाद मैं स्टीरियोटाइप हो गई थी, मुझे एक जैसे ही रोल ऑफर होते थे। फिल्म को बहुत अच्छा रिस्पांस मिला था, मैं उसमे सेकंड लीड रोल निभा रही थी। मैंने ये सोचकर फिल्म साइन की थी कि मैं एक अच्छे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनूंगी। सोचा था कि क्या हुआ यदि मैं फिल्म में सेकंड लीड का रोल निभा रही हूं, मैं ये दिखाना चाहती थी की मैं किसी प्रोजेक्ट को लीड भी कर सकती हूं। लेकिन जैसा सोचा वैसा नहीं हुआ। इस फिल्म के बाद, मुझे हर बार सेकंड लीड का ही रोल ऑफर हुआ करता था, जिससे मैं बिलकुल संतुष्ट नहीं थी। मैं सपोर्टिंग रोल भी वही करना चाहती थी जो इम्पैक्टफुल रहे, ऑडियंस पर छाप छोड़े। लेकिन, वैसे रोल भी नहीं मिलते थे। इसीलिए मैंने इस तरह के रोल को अपनाने से बेहतर इंतजार करने का फैसला लिया। 'जाने तू जाने ना' मेरे दिल के बहुत करीब है। यदि कभी मेकर्स ने इस फिल्म का पार्ट 2 बनाए और उसमें यदि मुझे अच्छा रोल ऑफर करें तो मैं जरूर हिस्सा बनना चाहूंगी।

इमरान खान अचानक से गायब हो गए

इमरान खान बहुत अच्छे को-स्टार थे। फिल्म के बाद मैं उनके संपर्क में रहना चाहती थी जिसकी मैंने कोशिश भी की थी हालांकि वो अचानक से गायब हो गए। उनके साथ की हर मेमोरी बहुत स्पेशल है। वो वाकई में बहुत अच्छे इंसान हैं और मुझे पूरा यकीन है कि वो जल्द ही कमबैक करेंगे।

'किस किसको प्यार करूं' और 'ग्रैंड मस्ती'कोई फायदा नहीं दे पाईं

मैंने 'किस किसको प्यार करूं' और 'ग्रैंड मस्ती' जैसी फिल्में की। हालांकि इन फिल्मों ने भी मेरे करियर में कुछ ज्यादा बदलाव नहीं लाए लेकिन ये हिट जरुर रहीं। ऑडियंस को आज भी इन फिल्मों से मेरे डायलॉग याद हैं, ये अच्छी बात है। सीरीज 'बरोट हाउस' को मैं अपने करियर में टर्निंग पॉइंट मानती हूं।

मेरे इस प्रोजेक्ट को क्रिटिक और ऑडियंस दोनों से पॉजिटिव रिस्पांस मिले। इसके बाद से ओटीटी प्लेटफार्म पर मुझे अच्छे काम ऑफर होने शुरू हो गए। अब मैं पहले से काफी बेहतर काम कर रही हूं।

कई बार सोचा कि सबकुछ छोड़कर पेरेंट्स के पास चली जाऊं

इस बात से इंकार नहीं करूंगी कि अब तक के करियर में मैंने कई ब्रेकिंग पॉइंट्स का सामना किया। कई बार मुझे लगा कि सबकुछ छोड़कर अपने पेरेंट्स के पास, पुणे चली जाऊं। देखिए, मुंबई में रहना आसान नहीं है खासतौर पर हम जैसे लोगों के लिए जो अपनी शर्तों पर जीते हैं। मैं अपने काम को लेकर बहुत चूजी हूं।

साल 2017 के बाद, तकरीबन दो साल तक मेरे पास कोई काम नहीं था। 2019 में मैंने अपने पिता को कॉल किया और कहा कि मुझे घर लौटना है, मेरी सेविंग्स खत्म हो रही थी। उस वक्त पापा ने मुझे सपोर्ट किया और कहा कि मैं अपनी पढ़ाई पूरी करके, फील्ड बदल सकती हूं।

हालांकि, मैंने फिर थोड़ा इंतजार करने का फैसला लिया। फिर मुझे 'बरोट हाउस' ऑफर हुई। यकीन मानिए जब-जब ऐसा ख्याल आता, अचानक से मेरे पास ऐसा प्रोजेक्ट ऑफर होता जिससे मेरी उम्मीदें बढ़ जाती।

नीरज पांडे सर के साथ काम करना चाहती थी

मैं कई सालों से नीरज पांडे सर के साथ काम करना चाहती थी। आखिरकार, जब मुझे 'द फ्रीलांसर' के लिए ऑडिशन का कॉल आया, तो काफी खुशी हुई। नीरज सर मेरा ऑडिशन ले रहे थे। आखिरकार, मुझे शॉर्टलिस्ट कर लिया गया। जब मैं फाइनल हुई, तो मैं बेहद भावुक हो गई थी। मेरा किरदार काफी मजबूत था। इस किरदार को मैंने काफी एन्जॉय किया।

सालार के डायरेक्टर प्रशांत नील बोले- बड़े स्टार्स को फ्लॉप फिल्मों से फर्क नहीं पड़ता

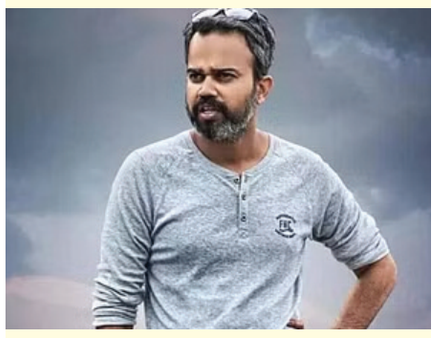

स्टार हमेशा स्टार ही रहता है। कुछ फिल्मों के फ्लॉप होने पर उसका स्टारडम नहीं गिरता। यह कहना है, प्रभास की फिल्म सालार के डायरेक्टर प्रशांत नील का। प्रशांत ने कहा कि उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि प्रभास की पिछली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर पिट गई हैं। उन्हें बस एक हिट फिल्म की जरूरत है। बाहुबली में उन्होंने जो काम किया है, उसे भुलाया नहीं जा सकता। प्रशांत नील ने शाहरुख खान का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि शाहरुख की भी पिछली फिल्में फेल हो रही थीं। लेकिन इस साल उन्होंने वापसी करके दिखा दिया है कि वो कितने बड़े स्टार हैं। प्रशांत ने यहां शाहरुख की तारीफ की है, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर उनकी फिल्म के साथ टक्कर लेने जा रहे हैं। शाहरुख की फिल्म डंकी कल यानी 21 दिसंबर को रिलीज हो रही है। वहीं सालार 22 दिसंबर को पैन इंडिया रिलीज होगी। दोनों फिल्मों की टक्कर को महाक्लैश की तरह देखा जा रहा है।

लोग बाहुबली को कभी भूल नहीं पाएंगे

प्रशांत नील ने कहा- प्रभास बड़े स्टार हैं। बाहुबली के बाद वो सबसे बड़े स्टार हो गए। लोग शायद इस फिल्म को कभी नहीं भूल पाएंगे। वो चाहे एक फ्लॉप दें या 20, उन्हें बस एक हिट की जरूरत है।

मुझे फिल्म के बिजनेस से फर्क नहीं पड़ता

प्रशांत नील ने डंकी के साथ क्लैश पर भी बात की। उन्होंने कहा- फिल्म कितना कमाएगी। फिल्म का बिजनेस कितना होगा। इन सब चीजों में मैं फंसना नहीं चाहता। मुझे फिल्म बनाने के लिए एक पर्टिकुलर अमाउंट मिलता है। मेरा काम उस पर्टिकुलर अमाउंट में फिल्म को रेडी कर सही समय पर रिलीज करना है। प्रशांत ने यहां राजकुमार हिरानी और शाहरुख खान की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि उनके दिल में दोनों के लिए बहुत ज्यादा रिस्पेक्ट है।

विद्युत की एक्शन-सर्वाइवल-थ्रिलर 'क्रैक' का टीजर आउट : दिल दहला देने वाले स्टंट और एक्शन सींस

विद्युत जामवाल की आने वाली फिल्म 'क्रैकः जीतेगा तो जिएगा' का टीजर आज रिलीज हो गया है। टीजर की शुरुआत डायलॉग - 'जिंदगी तो सबके साथ खेलती है, लेकिन असली प्लेयर वही है जो जिंदगी के साथ खेले' से होती है। आगे विद्युत जबरदस्त एक्शन सींस करते नजर आते हैं। फिर चाहे स्केटिंग में फाइट सीन हो, या माउंटेन क्लाइंबिंग का थ्रिल- टीजर में बखूबी देखने को मिला है। विद्युत हमेशा से ही कमाल के स्टंट और एक्शन परफॉर्मर रहे हैं। फिल्म इंडस्ट्री में शायद ही इनका मुकाबला कोई कर सकता है।

कमाल के स्टंट और एक्शन सींस देखने को मिले

धड़कनों को तेज कर देने वाले इस 1 मिनट 25 सेकंड के टीजर में नोरा फतेही, अर्जुन रामपाल और एमी जैक्सन भी नजर आ रहे हैं। एमी जैक्सन की हाथ में गन लिए कमाल की झलक दिखाई दी है। वहीं अर्जुन रामपाल और नोरा फतेही भी शानदार अंदाज में नजर आए हैं। एक बार फिर 'कमांडो-3' के डायरेक्टर आदित्य दत्त और एक्टर विद्युत जामवाल साथ काम कर रहे हैं। ऐसे में जाहिर सी बात है कि फिल्म में एक्शन, रोमांच, थ्रिल की कोई कमी नहीं होगी। इस फिल्म के को-प्रोड्यूसर भी विद्युत जामवाल हैं। फिल्म 23 फरवरी को विद्युत के प्रोडक्शन हाउस 'एक्शन हीरो फिल्म्स' तले सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

2021 में विद्युत ने अपना प्रोडक्शन हाउस लॉन्च किया

विद्युत जामवाल ने 19 अप्रैल 2021 में 'एक्शन हीरो फिल्म्स' नाम से अपना प्रोडक्शन हाउस लॉन्च किया था। उस दौरान उन्होंने कहा था- मैं वर्ल्ड सिनेमा में 'एक्शन हीरो फिल्म्स' के पदचिह्न को स्थापित करना चाहता हूं। मेरा हमेशा साथ देने के लिए मैं जामवलियंस का तहे दिल से शुक्रगुजार हूं। यह जितनी मेरी उपलब्धि है, उतनी ही उनकी भी है। विद्युत ने तेलुगु फिल्म 'शक्ति' से सिनेमा की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद साल 2011 में उनकी पहली बॉलीवुड फिल्म 'फोर्स' आई थी।

विद्युत को नेचर से बहुत प्यार है

विद्युत जामवाल को प्रकृति से काफी प्रेम है। शायद इसी वजह से वो हर साल में 7 से 10 दिन जंगलों और पहाड़ों के बीच रहते हैं। इस दौरान वो मोह माया से दूर पूरी तरह जंगल के एक निवासी की तरह जीवन जीते हैं। उनके तन पर एक कपड़ा भी नहीं होता। इस साल अपने बर्थडे पर उन्होंने अपनी कुछ तस्वीरें भी शेयर की थीं, जिसमें वो नग्न अवस्था में समय व्यतीत करते दिखाई दिए थे।

एडवांस बुकिंग में सालार ने डंकी को पीछे किया 2.4 करोड़ रुपए से आगे निकली प्रभास की फिल्म

फिल्म डंकी 21 दिसंबर और सालार 22 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार हैं। दोनों फिल्मों की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। प्रभास की सालार ने एडवांस बुकिंग में 2.4 करोड़ रुपए की अधिक कमाई कर शाहरुख की डंकी को पीछे कर दिया है। इस आंकड़े से ऐसा मालूम होता है कि दर्शक की पहली नजर सालार पर टिकी है।

कम शोज में सालार ने डंकी से ज्यादा कमाई की

फिल्म सालार ने एडवांस बुकिंग में अबतक 12.67 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। वहीं फिल्म के 6439 शोज के लिए 5,77,406 टिकट बिक चुके हैं। दूसरी तरफ डंकी के 12608 शोज के लिए 3,60,508 टिकट बिके हैं, जिससे एडवांस बुकिंग में फिल्म की कमाई 10.26 करोड़ रुपए हो गई है।

साउथ में सालार के लिए दीवानगी

तेलुगु बेल्ट में दर्शक सालार के लिए ज्यादा एक्साइटेड हैं। फिल्म के तेलुगु वर्जन के लिए अब तक 3,82,617 टिकट बिके हैं, जिससे 8.78 करोड़ का कलेक्शन हुआ है। हिंदी वर्जन में फिल्म ने 1.74 करोड़ की कमाई की है। वहीं मलयालम में फिल्म के 978 शोज के लिए 8,72,77 टिकट बिके हैं, जिससे 1.2 करोड़ का कलेक्शन हुआ है।

हिंदी वर्जन में हिट रहेगी डंकी!

हिंदी बेल्ट में महाराष्ट्र के दर्शक डंकी के लिए बेहद एक्साइटेड हैं। वहां पर ओपनिंग डे के लिए फिल्म ने 1.81 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। वहीं दिल्ली में फिल्म ने 1.55 करोड़ और पश्चिम बंगाल में 1.22 करोड़ का कलेक्शन किया है।

सालार के साथ डंकी के स्क्रीन शेयर नहीं होंगे

इसी बीच यह भी खबर सामने आई है कि डंकी की टीम ने डिस्ट्रीब्यूटर्स से कह दिया है कि वो सालार के साथ स्क्रीन शेयर नहीं करना चाहते हैं। अगर उन्हें सारे 4 शोज थिएटर में नहीं मिल सकते, तो उन्हें एक भी शोज नहीं चाहिए। शाहरुख की पिछली फिल्में पठान और जवान की तरह डंकी को डब करके सभी भाषाओं में रिलीज नहीं किया जाएगा। वहीं सालार कुल 5 भाषाओं तेलुगु, तमिल, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगी।

फिल्म सालार को KGF, KGF-2 जैसी फिल्में बना चुके प्रशांत नील डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म को होम्बले फिल्म्स के बैनर तले विजय किरंगदूर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में प्रभास के अलावा श्रुति हासन, मधु गुरुस्वामी और पृथ्वीसुकुमार मुख्य किरदार में नजर आएंगे।

फिल्म डंकी 2023 में रिलीज होने वाली शाहरुख खान की तीसरी फिल्म है। इससे पहले उनकी दोनों फिल्में पठान और जवान ब्लॉकबस्टर साबित हुई हैं। फिल्म डंकी को राजकुमार हिरानी ने डायरेक्ट किया है। राजकुमार हिरानी के ट्रैक रिकॉर्ड में नजर डालें तो उनके डायरेक्शन में बनी सभी फिल्में हिट रही हैं। ऐसे में उम्मीद है कि यह फिल्म भी हिट रहेगी।

रश्मिका डीपफेक केस : दिल्ली पुलिस के हाथ लगे 4 संदिग्ध पकड़े गए चारों वीडियो क्रिएटर नहीं, सिर्फ अपलोडर

'एनिमल' फेम एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के डीपफेक केस से जुड़ा एक नया अपडेट सामने आया है। इस मामले में आरोपियों की तलाश कर रही दिल्ली पुलिस ने 4 संदिग्धों को ढूंढ निकाला है।

पकड़े गए चारों ने सिर्फ अपलोड किया था वीडियो

दिल्ली पुलिस का कहना है कि उन्होंने रश्मिका के डीपफेक वाले प्रोफाइल मामले में शामिल 4 संदिग्धों का पता लगा लिया गया है। हालांकि, ये चारों संदिग्ध इस वीडियो के क्रिएटर नही, बल्कि अपलोडर हैं। ऐसे में फिलहाल पुलिस मामले में मुख्य साजिशकर्ता की तलाश कर रही है।

नवंबर में वायरल हुआ था डीपफेक वीडियो

नवंबर 2023 में एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें एक महिला लिफ्ट में एंटर करती नजर आ रही थी जो देखने में तो बिल्कुल रश्मिका जैसी लगती थी। हालांकि यह महिला रश्मिका नहीं बल्कि जारा पटेल नाम की एक लड़की थी, जिसके चेहरे को बदलकर रश्मिका का चेहरा लगा दिया गया था। न्यूज के एक जर्नलिस्ट ने डीपफेक वीडियो वायरल होने के बाद इसका खुलासा किया था।

रश्मिका ने ट्वीट कर जताया था दुख

बाद में खुद एक्ट्रेस ने इस मामले पर ट्वीट करते हुए सफाई दी थी। रश्मिका ने भड़कते हुए लिखा था कि मेरा एक डीपफेक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है, जिसके बारे में बात करते हुए मुझे बेहद दुख हो रहा है। ईमानदारी से कहूं तो ये सिर्फ मेरे लिए ही नहीं, बल्कि हममें से हर एक के लिए बेहद डरावना है, जो इस टेक्नोलॉजी के मिस यूज की वजह से खतरे में आ गए हैं।

एक्ट्रेस के सपोर्ट में आए ये अमिताभ बच्चन

इस मामले में अमिताभ बच्चन ने रश्मिका का सपोर्ट किया था और कहा था कि उन्हें इस मामले में लीगल एक्शन लेना चाहिए। अमिताभ के अलावा नागा चैतन्य और मृणाल ठाकुर ने भी रश्मिका का सपोर्ट किया था। हालांकि, रश्मिका के बाद कटरीना कैफ, काजोल और आलिया भट्ट समेत कई एक्ट्रेसेस के AI डीप फेक वीडियो सामने आए हैं।

अंकिता को फिर आई सुशांत की याद : बोलीं- ब्रेकअप की खबर अनाउंस नहीं करना चाहती थी, मुनव्वर की हालत समझ सकती हूं

अंकिता लोखंडे जब से बिग बॉस-17 का हिस्सा बनी हैं, वो अपनी मैरिड लाइफ और पास्ट दोनों को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। अंकिता ने एक बार फिर एक्स ब्वॉयफ्रेंड और दिवगंत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत का जिक्र किया है। शो की कंटेस्टेंट ईशा से अंकिता ने कहा कि वो मुनव्वर की हालत समझ सकती हैं कि उन्होंने क्यों अपने ब्रेकअप की बात छिपाई। ये अनाउंस करना इतना आसाना नहीं होता है।

एक्ट्रेस ने कहा कि आपको ये उम्मीद होती है कि आपका रिश्ता सही हो सकता है। पब्लिक डोमेन में नाम आने के बाद रिश्ता बिगड़ जाता है। उन्होंने कहा जब मेरा और सुशांत का ब्रेकअप हुआ था तो मैं भी किसी से नहीं बताती थी। क्योंकि मुझे उम्मीद थी कि सब ठीक हो जाएगा। बता दें शो में नया ट्विस्ट आया है। हाल ही में शो में मुनव्वर फारूकी की करीबी दोस्त आयशा खान की एंट्री हुई है। उन्होंने मुनव्वर पर डबल डेटिंग का आरोप लगाया। लेकिन मुनव्वर ने इसपर सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने किसी को धोखा नहीं दिया है।

दो साल तक किया था सुशांत का इंतजार

अंकिता ने ईशा से कहा- कई बार इंसान बताता नहीं है ब्रेकअप के बारे में क्योंकि उसे लगता है कि शायद वापस रिश्ता ठीक हो जाएगा। आपके अंदर एक उम्मीद रहती है। मुझे याद है जब मेरा ब्रेकअप हुआ था तो दो साल तक मैं नहीं चाहती थी कि किसी को इसके बारे में पता चले। जब मैं विक्की के साथ रिलेशनशिप में आई तो सभी ने उसे बुरी तरह ट्रोल किया। लेकिन उसने मेरा बहुत साथ दिया, इतना कोई देता नहीं है। ब्रेकअप के दो साल तक मैंने इस बारे में खुलकर बात नहीं की थी। अंकिता की बात सुनकर ईशा इमोशनल हो गईं। ईशा ने कहा- मैं समझ सकती हूं। जब मैंने अभिषेक को डेट किया, तो इन्हीं वजहों से मैंने एक भी इंटरव्यू में हमारे रिश्ते को एक्सेप्ट नहीं किया।

अंकिता ने इसका जवाब देते हुए कहा- मुझे सुशांत के वापस लौटने की उम्मीद थी। क्योंकि हमारा रिश्ता 7 साल का था। मुझे

उम्मीद थी कि वह घर लौट आएगा। इस कारण से मैंने किसी को नहीं बताया। मैं ऐसे घर में रह रही थी जिसमें हर जगह हमारी तस्वीरें थीं। जब मैं विक्की से मिली तो मुझे नहीं पता था कि इसके साथ मेरा कुछ होगा, लेकिन उन्होंने मुझे बहुत सपोर्ट किया।

मुनव्वर फारूकी को अंकिता ने सपोर्ट किया

बिग बॉस 17 में कॉमेडियन और लॉकअप शो के विनर मुनव्वर फारूकी सबसे चर्चित कंटेस्टेंट्स में से एक हैं। शो में उन्हें काफी पसंद किया जा रहा था। हालांकि अब उनकी गर्लफ्रेंड की एंट्री से काफी विवाद शुरू हो गया है।

बिग बॉस 17 में मॉडल और एक्ट्रेस आएशा खान वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट बनकर आई हैं। शो में आने से पहले आएशा ने बताया है कि वो मुनव्वर फारूकी को डेट कर रही थीं, लेकिन उन्हें अब पता चला है कि मुनव्वर उनके साथ-साथ किसी दूसरी लड़की को भी डेट कर रहे थे। अब आएशा ने शो में एंटर होते ही मुनव्वर की क्लास लगा दी है।

संदीप वांगा डायरेक्टर की 'एनिमल पार्क' समेत अगली 3 फिल्में प्रोड्यूस करेंगे भूषण कुमार

डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'एनिमल' डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर 519.64 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी है। इस फिल्म की सक्सेस को एंजॉय करते हुए वांगा ने अपनी अगली फिल्म 'स्पिरिट' की ऑफिशियल अनाउंसमेंट की है। इसमें साउथ के सुपरस्टार प्रभास लीड रोल में नजर आएंगे।

वॉयलेंट कॉप एक्शन थ्रिलर होगी 'स्पिरिट'

संदीप ने सोशल मीडिया पर इस बारे में अनाउंस करते हुए एक पोस्ट शेयर की। उन्होंने बताया कि यह प्रभास की बाकी फिल्मों की तरह बाइलिंगुअल नहीं, बल्कि तेलुगु पैन-इंडियन फिल्म होगी। संदीप ने यह जानकारी भी दी कि यह एक वॉयलेंट कॉप एक्शन थ्रिलर होगी, जिसे टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार प्रोड्यूस करेंगे।

संदीप के साथ 3 फिल्में करेगी टी-सीरीज

दूसरी तरफ 'एनिमल' की सक्सेस को देखते हुए टी-सीरीज ने संदीप के साथ 'स्पिरिट' के अलावा दो और फिल्में प्रोड्यूस करने की प्लानिंग की है। इनमें से एक तो एनिमल की ही सीक्वल 'एनिमल पार्क' होगी। इसके अलावा एक और अनटाइटल्ड फिल्म है जिसमें 'पुष्पा' फेम अल्लू अर्जुन लीड रोल में होंगे। इस बारे में अनाउंस करते हुए टी-सीरीज ने ट्वीट कर लिखा- 'यह एक ऐसी पार्टनरशिप है जो भरोसे पर बिल्ट हुई है, क्रिएटिव फ्रीडम ने इसे इंस्पायर किया है और जो अटूट बंधन सी मजबूत है।'

संदीप ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्होंने स्पिरिट का प्री-प्रोडक्शन वर्क शुरू कर दिया है। वो अगले साल सितंबर तक इसकी शूटिंग शुरू करने की प्लानिंग कर रहे हैं। यह एक एक्शन ड्रामा होगी जिसमें प्रभास काफी वक्त बाद कॉप के रोल में नजर आएंगे। वहीं चर्चा यह भी है कि वांगा स्पिरिट को एनिमल से कनेक्ट करके अपना अलग सिनेमैटिक यूनिवर्स भी क्रिएट कर सकते हैं। इस बारे में एक प्रेस मीट में रणबीर कपूर पहले ही हिंट दे चुके हैं।

एनिमल पर बोले डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा : '15-20 जोकरों को ही लगता है कि रणबीर का किरदार महिलाओं से नफरत करता है'

फिल्म एनिमल को लेकर जहां एक तरफ डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की तारीफ हो रही है, वहीं दूसरी तरफ कई लोग उन्हें क्रिटिसाइज भी कर रहे हैं। कई लोगों ने इसे एक्सट्रीम वॉयलेंट फिल्म और फिल्म में रणबीर के किरदार रणविजय को मीसोग्यनिस्ट (महिलाओं से नफरत करने वाले) बताया है। इसी बीच गलाटा प्लस को दिए एक इंटरव्यू में संदीप ने कहा कि रणविजय, कबीर सिंह और अर्जुन रेड्डी जैसे उनके पॉपुलर फिल्म कैरेक्टर मीसोग्यनिस्ट नहीं हैं। कुछ 15-20 जोकरों को ही ऐसा लगता है कि उनके किरदार बुरे हैं।

'मेरे प्रोडक्शन हाउस का नाम भद्रकाली पिक्चर्स है'

संदीप से जब पूछा गया कि क्या वो अपने किरदार रणविजय को मीसोग्यनिस्ट मानते हैं? तो उन्होंने कहा- 'मिसोजिनी महिलाओं की इज्जत ना करना है। इसकी सही परिभाषा तो यही है ना? चाहे कबीर सिंह हो, चाहे एनिमल या चाहे मैं खुद हूं।

मैं हमेशा महसूस करता हूं कि मेरे प्रोडक्शन हाउस का नाम भद्रकाली पिक्चर्स है और मुझे समझ नहीं आता कि लोगों को ऐसा क्यों लगता है। और बहुत सारे नहीं, बल्कि सिर्फ 15-20 जोकरों को ही ऐसा लगता है। पर कबीर सिंह और एनिमल के ऊपर यह वर्ड फिट नहीं बैठता।'

रणबीर के अपोजिट सिर्फ बॉबी को ही इमेजिन कियाः संदीप

वहीं FM कनाडा को दिए एक इंटरव्यू में वांगा ने फिल्म में बॉबी देओल के किरदार पर बात की। वांगा ने कहा, "मेरे दिमाग में शुरुआत से ही यह बात थी कि मेरी फिल्म का हीरो और विलेन रनवे पर शर्ट उतारकर फाइट करेंगे। तो जब मैंने रणबीर के अपोजिट किसी को इमेजिन किया तो मुझे सिर्फ बॉबी देओल का चेहरा नजर आया।'

इंटरव्यू में वांगा ने आगे कहा- 'मैं अपनी फिल्म में विलेन की रुटीन एंट्री नहीं चाहता था। टीजर और ट्रेलर रिलीज होने के बाद सबको पता था कि फिल्म में बॉबी देओल विलेन हैं और मुझे पता था कि लोग फिल्म में उनके लिए इंतजार करेंगे। तो फिल्म शुरू होने के 15 मिनट बाद से ही टेंशन शुरू हो जाती है पर करीब 2 घंटे तक विलेन कहीं नजर नहीं आता। मैंने इंटरवल के बाद भी करीबन आधे घंटे तक लोगों को इंतजार करवाया। फिर मैंने उसे दूल्हे के तौर पर इंट्रोड्यूस किया। मैं यह दिखाना चाहता था कि जब रणविजय अपनी लाइफ के लो फेज में है तब फिल्म का विलेन एंजॉय कर रहा है और तीसरी शादी करने जा रहा है।'रणबीर और बॉबी के अलावा एनिमल में अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना, तृप्ति डिमरी और शक्ति कपूर जैसे कलाकार भी नजर आए हैं। फिल्म का वर्ल्ड वाइड कलेक्शन 800 करोड़ रुपए और डोमेस्टिक कलेक्शन 500 करोड़ रुपए पार हो चुका है।

कैल्शियम से भरपूर मखाना, वजन घटाने से लेकर दिल को रखेगा स्वस्थ

मखाना एक ऐसा ड्राई फ्रूट है जिसे कई लोग खाना पसंद करते हैं। कई लोग इसे भूनकर मखाने का सेवन करते हैं। स्वादिष्ट होने के साथ-साथ यह कई सारे पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम, कार्ब्स और प्रोटीन काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होते हैं। इसके अलावा यह ग्लूटेन फ्री होता है। इसमें कोलेस्ट्रॉल फैट और सोडियम की मात्रा कम मौजूद होती है। मखाना खाने से हड्डियां भी मजबूत बनती हैं। ब्लड शुगर कंट्रोल रहती है। इसका सेवन स्वास्थ्य को और भी कई तरह के फायदे देता है। तो चलिए आज इस आर्टिकल के जरिए आज आपको बताते हैं मखाने का सेवन करने से स्वास्थ्य को क्या-क्या फायदे होंगे....

हड्डियां भी बनेगी मजबूत

मखाना में कैल्शियम काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। यह हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसका सेवन करने से जोड़ों और हड्डियों को दर्द भी दूर रहता है।

दिल रहेगा स्वस्थ

मखाने मैग्नीशियम का बहुत अच्छा स्त्रोत माना जाता है। मैग्नीशियम हृदय के स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी होता है। यह ब्लड प्रेशर और हार्ट बीट को कंट्रोल करने में मदद करता है इसका सेवन करने से दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी कम होता है।

पाचन रहेगा स्वस्थ

मखाना फाइबर का भी बेहतरीन स्त्रोत माना जाता है इसका सेवन पाचन के लिए बेहद लाभकारी होता है। इसमें पाया जाने वाला फाइबर पाचन को स्वस्थ रखने मं मदद करता है और कब्ज को भी दूर करने में भी मदद करता है।

वजन घटाने में मिलेगी मदद

इसमें कैलोरी और फैट कम मात्रा में मौजूद होता है। यह प्रोटीन और फाइबर का अच्छा स्त्रोत माना जाता है। ऐसे में यदि आप वजन कम करना चाहते हैं तो इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

कैंसर से होगा बचाव

मखाना एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्त्रोत माना जाता है ऐसे में यह शरीर को फ्री रेडिकल्स के कारण होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करता है। फ्री रेडिकल्स सेल्स को नुकसान पहुंचाते हैं जिसके कारण कैंसर और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ता है। ऐसे में मखाने को आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। मखाने में अन्य पोषक तत्व जैसे पौटेशियम, फॉस्फोरस और विटामिन-बी3 मौजूद होते हैं। ऐसे में यह पोषक तत्व हाई ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में और ब्रेन हेल्थ में सुधार करने में भी मदद करते हैं।

लिवर को नैचुरली साफ करने का काम करती हैं ये हेल्दी ड्रिंक्स, घर पर ही बनाएं

शरीर के जरुर अंगों की बात करें तो उसमें लीवर भी आता है। लीवर शरीर में से जहरीले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है इसके अलावा यह कई मिनरल्स और आयरन को स्टोर करके शरीर को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है। ऐसे में इसे स्वस्थ रखने के लिए इसे डिटॉक्स करना भी जरुरी है। लीवर को डिटॉक्स करने के लिए आप दवाईयों की जगह कुछ घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कुछ ऐसे डिटॉक्स ड्रिंक्स जो आपके लिवर को डिटॉक्स करने में मदद करेंगे। आइए जानते हैं...

कब करना चाहिए लीवर को डिटॉक्स?

लीवर को डिटॉक्स करने से पहले यह जानना जरुरी है कि शरीर को इसको डिटॉक्स करने की जरुरत कब पड़ती है। थोड़ा सा काम करते ही थकान महसूस होना, स्किन का रंग बदलना, बार-बार एलर्जी होना, छाती में जलन, भोजन शरीर को न लगना जैसी प्रॉब्लम यदि शरीर में दिखे तो कहा जाता है कि लीवर सही तरह से काम नहीं कर रहा और डिटॉक्सीफाई करने की जरुरत है।

नींबू और गुनगुना पानी

शरीर में से फैट बाहर करने के लिए अक्सर कई लोग गुनगुने पानी के साथ नींबू पानी पीने की सलाह देते हैं। वहीं नींबू लीवर की डिटॉक्सीफिकेशन करने में भी मदद करता है। प्रतिदिन एक गिलास नींबू और गुनगुना पानी पीने से शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं और लिवर बिल्कुल हेल्दी रहता है। गर्म पानी के साथ नींबू आप सुबह और शाम दोनों समय पी सकते हैं। जानकारी की मानें तो एक दिन में एक गिलास से ज्यादा गर्म पानी और नींबू पानी नहीं पीना चाहिए।

हल्दी वाला पानी

भारतीय घरों में हल्दी का इस्तेमाल भी होता है। यह स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभकारी होती है जिन लोगों को लीवर संबंधी समस्याएं होती हैं उन्हें एक्सपर्ट्स भी रोज ल्दी का पानी पीने की सलाह देते हैं। हल्दी का पानी शरीर में एंजाइम को बूस्ट करने का काम करत है। इससे खाने के साथ पेट के अंदर गए टॉक्सिन्स बाहर निकालने में मदद मिलती है। रोजाना रात को सोने से पहले आप हल्दी का पानी पी सकते हैं। गुनगुना हल्दी वाला पानी आप पी सकते हैं।

चुकंदर का जूस

यह भी लीवर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। इसका सेवन करने से शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स और प्लांट बेस्ट नाइट्रेट पाया जाता है जो फैटी लिवर डिजीज से बचाता है।

अदरक-नींबू वाली चाय

नींबू में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं वहीं अदरक एक एंटीइंफ्लेमेटरी फूड है। दोनों चीजों का मिश्रण लीवर को डिटॉक्सीफाई करने में मदद करता है। इन दोनों चीजों से बनी चाय का सेवन करके आप लीवर को डिटॉक्सीफाई कर सकते हैं।

आंवला जूस

खाली पेट आंवला का जूस पीने से भी आपका लीवर डिटॉक्सीफाई होगा। यह डिटॉक्स ड्रिंक बालों और त्वचा के लिए बेहद लाभकारी मानी जाती है। इसके अलावा इस ड्रिंक का सेवन करने से लीर की बीमारी भी नहीं होती।

बच्चों की डाइट में शामिल करें ये फल नहीं होगी विटामिन-बी12 की कमी

पेरेंट्स चाहते हैं कि उनके बच्चे की डाइट में सभी हेल्दी चीजें ही शामिल की जाएं। हेल्दी चीजें बच्चों को न देने के कारण उनके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है लेकिन आजकल के खराब खान-पान के कारण बच्चों की डाइट खराब है वह कोई भी चीज खाने में सौ तरह के नखरे दिखाते हैं। इसी चलते उनके शरीर में कई तरह के विटामिन्स की कमी होने लगती है। बच्चों के शारीरिक और ब्रेन डेवलपमेंट के लिए विटामिन-बी12 बहुत ही जरुरी माना जाता है। यदि बच्चों में इस विटामिन की कमी हो जाए तो ब्रेन डैमेज, नर्व डैमैज जैसी कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए जरुरी है कि पेरेंट्स बच्चों की डाइट में विटामिन-बी12 से युक्त चीजों को शामिल करें। आज आपको इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं कि विटामिन-बी12 की कमी आप बच्चों के शरीर में से कैसे पूरी कर सकते हैं। आइए जानते हैं...

संतरा

संतरा विटामिन-सी का बहुत अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह इम्यूनिटी को मजबूत बनाने और सर्दी-जुकाम जैसी समस्याओं से बच्चों को दूर रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा संतरा विटामिन-बी12 से भरपूर माना जाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं जो बच्चों की ग्रोथ करने में और उनकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

सेब

सेब में विटामिन-बी12 के साथ-साथ एंटीऑक्सीडेंट्स, फ्लेवेनॉयड्स और फाइबर मौजूद होता है। रोजाना का एक सेब आप बच्चे को खाने के लिए दे सकते हैं। इससे उसकी सेहत में भी सुधार होगा और बच्चे के शरीर में से पोषक तत्वों की कमी भी पूरी होगी। रोजाना एक सेब खाने से बच्चे बीमारी भी नहीं होंगे।

ब्लूबेरी

मुख्यतौर पर ब्लूबेरी का सेवन वेट लॉस के लिए ही किया जाता है लेकिन यह विटामिन-बी12 का भी बहुत अच्छा स्त्रोत मानी जाती है। बच्चों को ब्लूबेरी के लिए जरुर दें। इससे बालों और स्किन को भी फायदा होता है। इससे बच्चे की स्किन की ड्राईनेस भी दूर होगी।

अमरुद

इसका सेवन करना भी बच्चे के लिए बेहद लाभकारी होता है। यह मौसम के अनुसार बच्चों के लिए अच्छा फल माना जाता है। बच्चों को इसे खाने के लिए दें यह उनके लिए बहुत ही लाभकारी फल माना जाता है। यह विटामिन-सी, विटामिन-बी12 का अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह बच्चे का ब्लड शुगर लेवल भी सुधारने में मदद करता है। अमरुद खाने से बच्चों में डायबिटीज का रिस्क भी कम होता है।

ये चीजें भी खिला सकते हैं

यदि आपका बच्चा नॉन वेज खा लेता है तो आप उसे मछली, दही या फिर तले हुए अंडे दे सकते हैं। इसके अलावा डेयरी प्रोडक्ट्स में भी काफी अच्छी मात्रा में विटामिन-बी12 मौजूद होता है। आप उन्हें यह खाने के लिए दे सकते हैं।

पॉजिटिविटी का संचार करेंगे ये पौधे घर में हमेशा रहेगी बरकत

वास्तु शास्त्र में ऐसे कई सारे पेड़-पौधे बताए गए हैं जिन्हें घर में लगाने से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। यदि घर में पेड़-पौधे लगाते समय वास्तु नियमों का ध्यान रखा जाए ता व्यक्ति की किस्मत बदल सकती है। तो चलिए आज आपको बताते हैं वास्तु शास्त्र में किन पौधों को लकी माना जाता है.....

तुलसी

वास्तु शास्त्र के अनुसार, तुलसी को बहुत ही पवित्र और शुभ पौधा माना जाता है। यह घर में पॉजिटिविटी बढ़ाती है। घर में इसे लगाने से नेगेटिविटी दूर होती है और पॉजिटिविटी का संचार होता है। घर के आंगन, बालकनी या फिर खिड़की के पास आप यह पौधा लगा सकते हैं।

अपराजिता का पौधा

हिंदू धर्म में यह पौधा बहुत ही महत्व माना जाता है। ऐसे में इस

पौधे को घर की पूर्व, उत्तर या उत्तर पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। माना जाता है कि इस पौधे को घर में लगाने से मां लक्ष्मी विराजमान रहती है। इस पौधे को घर में लगाने से धन-धान्य की भी कोई कमी नहीं रहती। इस पौधे को लगाने से व्यक्ति को आरोग्य की प्राप्ति भी होती है।

शमी का पौधा

भगवान शिव की पूजा में शमी का पौधा भी विशेष रुप से अर्पित किया जाता है। ऐसे में शमी का पौधा घर में होने से पॉजिटिविटी आती है और सौभाग्य आकर्षित होता है। शमी का पौधा घर में लगाने से परिवार में भी सुख-शांति बनी रहती है। इस पौधो को घर में लगाने से शनि का अशुभ प्रभाव भी दूर होता है।

बांस का पौधा

यह पौधा फेंगशुई और वास्तु दोनों शास्त्रों में बहुत ही शुभ माना जाता है। इस पौधे को सौभाग्य से जोड़कर देखा जाता है। इस पौधे में 5,6 या फिर 7 डंठल लगाने शुभ माने जाते हैं। यह पौधा व्यक्ति के सौभाग्य में भी वृद्धि करता है। बांस के पौधे को घर के पूर्व कोने में रखना शुभ माना जाता है।

जेड प्लांट

वास्तु शास्त्र के अनुसार, जेड प्लांट की गोल पत्तियां घर में लगाने से धन का आगमन तेजी से बढ़ता है। इसे धन रखने वाली जगह पर रखना चाहिए। इस पौधे को घर में लगाने से बरकत बनी रहती है। साथ ही इससे स्वास्थ्य और संपदा भी बनी रहती है।

हेल्दी एलोवेरा जूस

लोग सुबह- सुबह सर्दियों के मौसम में गर्म चाय पीना चाहते हैं। लेकिन खाली पेट चाय पीने से गैस की समस्या होती है और भी कई सारे पेट संबंधी समस्याएं होती हैं। इसके बदले आप दिन की शुरुआत हेल्दी तरीके से करें। एलोवेरा जूस एक बेहद ही हेल्दी ड्रिंक है जो इम्यूनिटी स्ट्रांग करता है और खून भी साफ करता है। आइए आपको बताते हैं एलोवेरा जूस बनाने की विधि...

सामग्री

एलोवेरा : एक टहनी

पानी

शहद

नींबू का रस

एलोवेरा जूस बनाने की विधि

एलो वेरा का जूस बनाने के लिए सबसे पहले आप एलोवेरा के पौधे से एक एलोवेरा का टहनी काट लें। अब चाकू की मदद से एलोवेरा की के छिलके और किनारों को अच्छी तरह से हटा दें। अब एक टेबलस्पून की मदद से उसके अंदर का जेल निकाल कर एक बर्तन में रख लें। जब सारा जेल निकल जाए, तो उसे एक बार साफ पानी से धो लें। ऐसा करने से एलोवेरा की कड़वाहट दूर हो जाती है। अब उसे ग्राइंडर में रखकर पानी डालकर पीस लें।जब एलोवेरा अच्छी तरह से ग्राइंड हो जाए, तो उसे एक गिलास में निकालकर उसमें शहद और नींबू का रस निचोड़ कर मिला लें और पिएं।

इन जानवरों की आयु होती है बहुत कम, एक जीव की उम्र होती है महज 24 घंटे

पृथ्वी पर जीवों की लाखों प्रजातियां पाई जाती हैं, ये सभी अपने आप में विशेष होती हैं। कुछ सुनहरे रंग के कारण लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनते हैं तो कुछ अपने भारी भरकम वजन के कारण अक्सर चर्चा में रहते हैं। ग्रीनलैंड शार्क को पृथ्वी पर सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाले जानवरों में से एक माना जाता है, इसका जीवनकाल 500 साल तक हो सकता है। इसके अलावा कछुए का जीवनकाल 150 साल तक का माना जाता है। पर इस लेख में हम आपको ऐसे जीवों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनका जीवनकाल बहुत कम होता है।

नेचर और एनिमल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि कुछ जीवों की आयु तो इतनी कम होती है कि वे मजह एक दिन ही जीवित रहते हैं। आइए ऐसे ही कम आयु वाले जीवों-कीड़ों के बारे में जानते हैं।

कुछ हफ्तों तक जीवित रहती हैं तितलियां

क्या आप जानते हैं तितलियों का जीवनकाल केवल कुछ हफ्तों से लेकर कुछ महीनों तक होती है। अमेरिकी कॉपर प्रजाति वाली तितलियों का जीवनकाल लगभग दो सप्ताह तक ही होती है। तितलियां फूलों से परागकण लेकर पौधों के विकास में बहुत सहायक जीव होती है। पर इनकी आयु 60-80 दिनों तक से अधिक नहीं होती है।

गिरगिट की आयु

तितलियों के अलावा, रंग बदलने के लिए मशहूर जीव गिरगिट भी बहुत कम समय तक जीवित रहते हैं।

गिरगिटों की एक प्रजाति लैबोड्र्स चैमेलियॉन जिसे फ्रेंच एक्सप्लोरर जीन लैबोर्ड के नाम से भी जाना जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये जीव 4 से 5 महीने ही जीवित रहते हैं। गिरगिटों की अन्य प्रजातियों की भी उम्र इसी के आसपास होती है।

मक्खी का जीवन सबसे कम

मक्खी का जीवनकाल सबसे छोटा होता है, चाहे आप किसी भी प्रजाति की बात कर रहे हों ये आमतौर पर एक से डेढ़ दिन ही जीवित रहती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मेफ्लाई मक्खी का औसत जीवनकाल केवल 24 घंटे होता है। कुछ मक्खियों की प्रजातियों की आयु कुछ सप्ताह तक की भी हो सकती है।

फ्रूट फ्लाई मक्खी का जीवनकाल

फ्रूट फ्लाई बेहद छोटी मक्खियां होती हैं जो केवल कुछ इंच की ही होती हैं। ये सड़े हुए फलों पर बैठती हैं। मक्खियों की ये प्रजाति डेढ़ माह से अधिक नहीं होती है। माना जाता है कि फ्रूट फ्लाई अपने जीवनकाल में दो हजार तक अंडे दे सकती है और ये अंडे औसत 12 दिनों में तैयार होकर मक्खियों में परिवर्तित हो जाती हैं।

आंवले का मुरब्बा

सर्दियां आते ही बाजार में आंवले का जाते हैं। इसे सलाद और अचार के रूप में तो खाया ही जाता है, पर क्या आपको पता है कि आंवले का मुरब्बा न सिर्फ खाने में टेस्टी लगता है, बल्कि सर्दियों में इसे खाने में इम्यूनिटी बहुत स्ट्रांग होती है। आइए हन आपको बताते हैं इसकी आसान रेसिपी...

सामग्री

आंवला- 250 ग्राम

गुड़- 300 ग्राम (क्रम्बल किया हुआ)

नींबू- 1

काली मिर्च- 1/4 छोटा चम्मच

काला नमक- 1/2 छोटा चम्मच

आंवले का मुरब्बा बनाने की विधि

- सबसे पहले आंवले को धोकर स्टीम कर लें। आंवले को जल्दी से ठंडा करने के लिए एक प्लेट में रख लें।

- फिर कांटे से उसमें छेद करके एयर टाइट कांटेनर में भरकर रख लें।

- गुड़ को आंवले के ऊपर रखकर, ढक्कन बंद करके, धूप में गुड़ के पिघलने और चाशनी बनने तक रख दें।

- 2 दिन बाद गुड़ पिघल जाएगा। इसे गाढ़ा करने के लिए आंवले को कढ़ाई में डालकर पकने दें।

- गुड़ की चाशनी को 5 मिनट गाढ़ा होने तक पका लें।

- मुरब्बे के ठंडे होने पर, इसमें 1 नींबू का रस डालकर अच्छी तरह से मिला लें। मुरब्बा बनकर तैयार है।

रिजर्व बैंक ने आईएमएफ से कहा

विनिमय बाजार में हस्तक्षेप का फैसला उतार-चढ़ाव रोकने के लिए

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने देश की विनिमय दर व्यवस्था को 'पुनर्वर्गीकृत' करने के अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के तर्क को खारिज करते हुए कहा कि विदेशी मुद्रा बाजार में लगातार हस्तक्षेप का मकसद अत्यधिक उतार-चढ़ाव को रोकना है। आईएमएफ ने भारतीय अधिकारियों के साथ अनुच्छेद-चार के परामर्श के बाद दिसंबर, 2022 से अक्टूबर, 2023 के बीच की अवधि के लिए विनिमय दर व्यवस्था की स्थिति को 'फ्लोटिंग' से 'स्थिर व्यवस्था' में पुनर्वर्गीकृत किया। आईएमएफ में भारत के कार्यकारी निदेशक केवी सुब्रमण्यन और वरिष्ठ सलाहकार संजय कुमार हंसदा और आनंद सिंह ने विश्लेषण के लिए आईएमएफ द्वारा अपनाई गई चयन की अवधि और देश की विनिमय दर व्यवस्था के पुनर्वर्गीकरण पर भी सवाल उठाया है। उन्होंने रिपोर्ट के साथ संलग्न बयान में कहा, ''आईएमएफ के कर्मचारियों द्वारा भारत की विनिमय दर को 'स्थिर व्यवस्था' के रूप में वर्णित करना गलत है और यह वास्तविकता से दूर है। पूर्व की तरह विनिमय दर में लचीलापन बाहरी झटकों से बचाव का पहला माध्यम बना रहेगा। विनिमय बाजार में हस्तक्षेप सिर्फ बाजार में 'अव्यवस्था' को दूर करने के लिए किया गया है। आईएमएफ द्वारा अनुच्छेद चार परामर्श रिपोर्ट किसी देश की वर्तमान और मध्यम अवधि की आर्थिक नीतियों और दृष्टिकोण की समीक्षा करती है। रुपये की विनिमय दर अंतरबैंक बाजार में निर्धारित होती है,हस्तक्षेप करता है। आरबीआई का घोषित हस्तक्षेप उद्देश्य अत्यधिक अस्थिरता पर अंकुश लगाना है। दिसंबर, 2022 और अक्टूबर, 2023 के बीच अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये का कारोबार 80.88-83.42 के दायरे में हुआ। अक्टूबर के बाद विदेशी मुद्रा बाजार में अस्थिरता और कम हो गई और यह 82.90-83.42 के दायरे में आ गया। रिपोर्ट में रिजर्व बैंक ने कहा है कि वे वित्तीय स्थिरता के लिए उतार-चढ़ाव को सीमित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें रुपये के स्तर को लेकर कोई विचार शामिल नहीं है। इसके अलावा रिजर्व बैंक का मानना है कि 2023 में विनिमय दर में स्थिरता देश की मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद को दर्शाती है। खासकर चालू खाते के घाटे या कैड में कमी आई है और विदेशी मुद्रा भंडार की संतोषजनक स्थिति की वजह से पूंजी प्रवाह की स्थिति में सुधार हुआ है।

अगले पांच वर्षों में अमेरिका के बराबर होगा भारत का रोड इंफ्रास्ट्रक्चर : नितिन गडकरी

तिरुवनंतपुरम, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। अगले पांच वर्षों के रोड इंफ्रास्ट्रक्चर के लक्ष्य को लेकर सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि महानगरों में भीड़ कम करने और यात्रा के समय और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के अलावा हमने अपने सड़क बुनियादी ढांचे को अमेरिका के बराबर बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। पिछले नौ वर्षों में देश की सड़कों को सुरक्षित और स्मार्ट बनाने के मिशन मोड में गडकरी ने कहा कि उनके मंत्रालय ने 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के लिए काम सौंपा है। मौजूदा नीतियों में सुधार करके अनुबंधों को मंजूरी देने की प्रक्रिया को भी आसान बनाया है। उन्होंने मनोरमा ईयरबुक 2024 में प्रकाशित एक साक्षात्कार में कहा, 'किसी भी ठेकेदार को ठेका स्वीकृत कराने के लिए मेरे पास आने की जरूरत नहीं है। हम निर्णय लेने में पारदर्शी, समयबद्ध परिणामोन्मुख और गुणवत्ता के प्रति जागरूक और तेज हैं। हम अच्छे काम को प्रोत्साहित करते हैं और यही कारण है कि हमारे पास सात विश्व रिकॉर्ड हैं। यह मंत्रालय की बड़ी उपलब्धि है।' गडकरी ने कहा कि मुझे विश्वास है कि पांच साल बाद हमारा सड़क बुनियादी ढांचा अमेरिका के बराबर हो जाएगा। ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भारत को नंबर एक बनाने को लेकर उन्होंने कहा कि भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग हाल ही में जापान को पीछे छोड़कर चीन और अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा, हमारा उद्योग 7.5 लाख करोड़ रुपये का है और राज्यों और केंद्र सरकार को अधिकतम जीएसटी इसी क्षेत्र से मिलती है। अब तक इस उद्योग से 4.5 करोड़ नौकरियां पैदा हो चुकी हैं। मेरा सपना अगले पांच वर्षों में हमारे ऑटोमोबाइल उद्योग का आकार दोगुना कर 15 लाख करोड़ रुपये करना है।' उन्होंने जीवाश्म ईंधन की खपत को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक और फ्लेक्स ईंधन वाहनों को पेश करने की भी जोरदार वकालत की, जिनका आयात बिल 16 लाख करोड़ रुपये है। गडकरी ने कहा कि यह भारतीय किसानों को ऊर्जा उत्पादक के रूप में दोगुना करने के साथ-साथ 'अन्नदाता' (खाद्य उत्पादक) बनने के लिए भी सशक्त बनाएगा क्योंकि गन्ने और चावल के डंठल जैसी फसलों से इथेनॉल ईंधन का उत्पादन किया जा सकता है। सार्वजनिक परिवहन के भविष्य को लेकर उन्होंने कहा कि भारत अब रोपवे, केबल कार बना रहा है। बिजली से सार्वजनिक परिवहन चला रहा है। अधिक शहरों में इलेक्ट्रिक बसें शुरू करने के प्रयास चल रहे हैं। पांच साल के भीतर सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह बदल जाएगा। यह कम प्रदूषण फैलाने वाला, अधिक लागत प्रभावी विकल्प होगा। महानगरों में भीड़ कम करने के लिए 65,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं शुरू की गई हैं, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी में द्वारका एक्सप्रेसवे (9,000 करोड़ रुपये), छह-लेन शहरी विस्तार सड़क (8,000 करोड़ रुपये), ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (12,000 करोड़ रुपये), और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे (8,000 करोड़ रुपये) शामिल हैं। तेज यात्रा समय सुनिश्चित करने के अपने मंत्रालय के प्रयासों के समर्थन में, उन्होंने मनाली और लाहौल-स्पीति घाटी के बीच रोहतांग दर्रे पर अटल सुरंग का उदाहरण दिया, जिसने यात्रा समय को तीन घंटे से घटाकर आठ मिनट कर दिया है। इसी तरह, कटरा-दिल्ली एक्सप्रेसवे दिल्ली और अमृतसर के बीच चार घंटे, दिल्ली और कटरा (जम्मू-कश्मीर) के बीच छह घंटे और दिल्ली और श्रीनगर के बीच आठ घंटे में यात्रा की अनुमति देगा।

भारत के 200 बिलियन डॉलर पर नई आफत

स्वेज नहर के इस संकट ने उड़ाई निर्यातकों की नींद !

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। वैश्विक व्यापार में रणनीतिक अहमियत रखने वाली स्वेज नहर एक बार फिर से संकट की चपेट में है। स्वेज नहर के ऊपर संकट का बादल मंडराते ही वैश्विक व्यापार प्रभावित होने लग गया है और इससे ग्लोबल सप्लाई चेन में व्यवधान की आशंका तेज हो गई है।

इस संकट से भारतीय व्यापारी भी बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं।स्वेज नहर का ताजा संकट इजरायल और हमास के बीच महीनों से छिड़े युद्ध के कारण पैदा हो रहा है। दरअसल यमन का हाउती समूह स्वेज नहर से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों को निशाना बना रहा है। हाउती समूह के लड़ाकों के द्वारा स्वेज नहर से गुजरने वाले कुछ कमर्शियल जहाजों पर मिसाइल से हमले करने के बाद वैश्विक व्यापार का यह अहम मार्ग प्रभावित हो गया है और शपिंग कंपनियां इस रूट को अवॉयड करने लग गई हैं।स्वेज नहर की बात करें तो इसकी भौगोलिक स्थिति काफी रणनीतिक है। 192 किलोमीटर लंबी यह नहर एशिया और यूरोप के बीच सबसे छोटा और सबसे कम समय में तय होने वाला व्यापारिक मार्ग साबित होती है।

आर्थिक मोर्चे पर मिल रहे मजबूत संकेत

मोदी की आर्थिक नीतियों पर कैसे सवाल उठाएगा विपक्ष

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की तैयारियों में तेजी आ चुकी है और इसके साथ ही विपक्ष ने केंद्र सरकार पर हमले भी तेज कर दिए हैं। विपक्ष की ओर से सरकार पर सबसे बड़ा हमला उसकी आर्थिक नीतियों को लेकर है। विपक्ष का आरोप है कि बेरोजगारी बढ़ रही है, अर्थव्यवस्था कमजोर हो रही है और लोगों की आर्थिक क्षमता घट रही है। लेकिन विपक्ष के इन दावों के उलट आईएमएफ आने वाले वर्षों में भारत की विकास दर छह फीसदी से अधिक होने का अनुमान लगा रहा है। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि दुनिया की अर्थव्यवस्था की कुल वृद्धि में अकेले भारत की हिस्सेदारी 16 फीसदी के करीब रह सकती है। जीएसटी कर संग्रह में भी लगातार वृद्धि होने से देश की अर्थव्यवस्था के बेहतर होने का संकेत मिल रहा है। ऐसे में बड़ा प्रश्न है कि विपक्ष के केंद्र सरकार की नीतियों पर हमला कितना जमीनी है और लोकसभा चुनाव में इसका क्या असर पड़ सकता है?

अपना ही रिकॉर्ड तोड़ रहा देश- विष्णु मित्तल

आर्थिक मामलों के जानकार और भाजपा नेता विष्णु मित्तल ने अमर उजाला से कहा कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों पर विपक्ष के इन हमलों का आंकड़े साथ नहीं देते। अर्थव्यवस्था के हर मोर्चे पर बेहतर आंकड़े सामने आ रहे हैं और इसके आलोक में कहा जा सकता है कि सरकार सही आर्थिक नीतियों पर आगे बढ़ रही है, जिसका परिणाम लगातार बेहतर आंकड़ों के रूप में सामने आ रहा है। विश्व बैंक, आईएमएफ और प्रतिष्ठित आर्थिक पत्र-पत्रिकाओं की रिपोर्ट भी केंद्र के आंकड़े को सही करार देते हैं। ऐसे में विपक्ष के दावों को सही नहीं कहा जा सकता।

विष्णु मित्तल ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में नवंबर माह तक का जीएसटी कर संग्रह पिछले वर्ष के इसी समय अवधि की तुलना में 11.9 फीसदी अधिक है। अभी तक 1.50 लाख करोड़ रुपये के जीएसटी कर संग्रह को एक बेंच मार्क माना जा रहा था, लेकिन इस वित्त वर्ष में 1.60 लाख करोड़ रुपये का कर संग्रह रिकॉर्ड छह बार दर्ज किया जा चुका है। अकेले नवंबर माह में ही 1.67 लाख करोड़ रुपये से अधिक जीएसटी कर संग्रह किया गया, जो पिछले वर्ष के इसी माह की तुलना में 15 फीसदी ज्यादा है। इस तरह हम कह सकते हैं कि भारत स्वयं अपना ही रिकॉर्ड लगातार तोड़ रहा है।

अर्थव्यवस्था में जिस तरह की मजबूती के संकेत मिल रहे हैं, आने वाले समय में भी यह क्रम लगातार बरकरार रह सकता है। जीएसटी कर संग्रह सीधे तौर पर सेवाओं और वस्तुओं के उत्पादन और बिक्री पर लगता है। यदि इसका आकार बढ़ रहा है, तो यह प्रमाणित तथ्य हो गया कि देश में सेवाओं-वस्तुओं के उत्पादन-निर्माण और बिक्री में वृद्धि हो रही है। यह किसी भी अर्थव्यवस्था को मापने का सबसे प्रत्यक्ष और मजबूत संकेत है।

'बेरोजगारी के आंकड़े दुरुस्त करे विपक्ष'

विष्णु मित्तल ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था का लगभग छह फीसदी संगठित क्षेत्र से आता है, जबकि लगभग 94 फीसदी हिस्सेदारी असंगठित क्षेत्र की है। सकल अर्थव्यवस्था के बेहतर प्रदर्शन के लिए आवश्यक है कि असंगठित क्षेत्र भी उतनी ही मजबूती से प्रदर्शन करे।

साढ़े 62 हजार पर पहुंचा सोना:चांदी फिर 74 हजार के पार निकली, 22 दिसंबर तक सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश का मौका

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दामों में आज यानी, 20 दिसंबर को तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 365 रुपए महंगा होकर 62,449 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं 18 कैरेट सोने का भाव 46,837 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। वहीं चांदी में भी आज बढ़त देखने को मिली। ये 388 रुपए महंगी होकर 74,040 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 73,652 रुपए पर थी। इस महीने 4 दिसंबर को चांदी 77 हजार के पार पहुंच गई थी।

2023 में अब तक साढ़े 7 हजार रुपए महंगा हुआ सोना

साल 2023 की शुरुआत में सोना 54,867 रुपए प्रति ग्राम पर था जो अब 62,449 प्रति ग्राम पर है। यानी इस साल अब तक इसकी कीमत में 7,582 रुपए (14%) की तेजी आई है। वहीं चांदी भी 68,092 रुपए से बढ़कर 73,674 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है।

22 दिसंबर तक सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश का मौका

सरकार फिर एक बार सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करने का मौका दे रही है। बॉन्ड की नई सीरीज आज सोमवार (18 दिसंबर) से खुल गई है। इसमें 22 दिसंबर तक निवेश का मौका मिलेगा। इस बार सरकार ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के लिए 6,199 रुपए प्रति ग्राम का भाव तय किया है। ऑनलाइन अप्लाय करने और डिजिटल पेमेंट करने पर प्रति ग्राम 50 रुपए का डिस्काउंट मिलेगा। यानी आपको 1 ग्राम सोने के लिए 6,149 रुपए देने होंगे।

शेयर बाजार में भारी गिरावट के साथ ही अडानी समूह का स्टॉक्स भी फिसला

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार में भारी गिरावट के बाद अडानी समूह के स्टॉक्स में बड़ी गिरावट आई है. स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड अडानी समूह के सभी 10 स्टॉक्स लाल निशान में बंद हुए. सबसे बड़ी गिरावट अडानी एनर्जी के स्टॉक में देखने को मिली है जो पहले अडानी ट्रांसमिशन के नाम से जाना जाता था. फ्लैगशिप कंपनी अडानी पोर्ट्स और अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर भी गिरावट के साथ बंद हुआ है.

औंधे मुंह गिरे अडानी के शेयर्स

अडानी समूह की सभी लिस्टेड कंपनियों में सबसे बड़ी गिरावट अडानी एनर्जी के शेयर में रही है जो 7.18 फीसदी की गिरावट के साथ 999 रुपये पर क्लोज हुआ है. अडानी टोटल गैस का शेयर 6.39 फीसदी की गिरावट के साथ 960.70 रुपये पर क्लोज हुआ है. अडानी पोर्ट्स एंड एसईजेड का शेयर 5.76 फीसदी की गिरावट के साथ 1012 रुपये पर बंद हुआ है. अडानी समूह की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 5.35 फीसदी की गिरावट के साथ 2783 रुपये पर बंद हुआ है.

अडानी के सीमेंट स्टॉक्स भी गिरे

आज के कारोबार में अडानी समूह की दोनों सीमेंट कंपनियों के शेयरों में भी गिरावट देखने को मिली है. एसीसी 5.27 फीसदी की गिरावट के साथ 2086 रुपये पर क्लोज हुआ है जबकि अंबुजा सीमेंट 6.11 फीसदी की गिरावट के साथ 490 रुपये पर बंद हुआ है. अडानी पावर 4.98 फीसदी की गिरावट के साथ 508.80 रुपये तो अडानी विलमर 4.70 फीसदी की गिरावट के साथ 346 रुपये पर क्लोज हुआ है. अडानी ग्रीन एनर्जी का स्टॉक भी 5.20 फीसदी की गिरावट के साथ 1452 रुपये पर तो एनडीटीवी 5.81 फीसदी की गिरावट के साथ 264 रुपये पर बंद हुआ है.

सहारा के निवेशकों का पैसा लौटाने के लिए सरकार ने बताया प्लान राज्यसभा में कही यह बात

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। सहारा समूह से और धन हासिल करने और निवेशकों को लौटाने के लिए सरकार एक बार फिर उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी। सरकार ने राज्यसभा में यह बताते हुए कहा है कि तीन करोड़ निवेशकों ने कंपनी की सहकारी समितियों में फंसे 80,000 करोड़ रुपये के रिफंड की मांग की है। राज्यसभा में सहकारिता राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि सहकारिता मंत्रालय ने निवेशकों के लिए एक पोर्टल शुरू किया है, जहां वे सोसाइटियों में फंसे अपने धन को प्राप्त करने के लिए आवेदन कर सकते हैं।वर्मा ने कहा कि तीन करोड़ निवेशकों ने पोर्टल पर पंजीकरण कराया है और 80,000 करोड़ रुपये वापस मांगे हैं। उन्होंने कहा, हमने 45 दिनों में निवेशकों का पैसा लौटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हमें 5,000 करोड़ रुपये मिले हैं... हम सभी निवेशकों को भुगतान करने के लिए (सहारा समूह से) और धन प्राप्त करने के लिए फिर से शीर्ष अदालत जाएंगे। सहारा समूह के निवेशकों का एक-एक पैसा वापस किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कई निवेशकों को उनका पैसा वापस मिल गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रक्रिया (पोर्टल पर) से गुजरने वाले सभी निवेशकों को उनका पैसा वापस मिल जाएगा।

सिम कार्ड के लिए बायोमेट्रिक पहचान जरूरी होगी

मैसेज इंटरसेप्ट कर सकेगी सरकार, टेलीकम्युनिकेशन बिल 2023 लोकसभा में पास

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में बुधवार, 20 दिसंबर को नया टेलीकम्युनिकेशन बिल 2023 पास हो गया। ये तीन कानूनों का स्थान लेगा। बिल में टेलीकॉम कंपनियों को उपभोक्ताओं को सिम कार्ड जारी करने से पहले अनिवार्य रूप से बायोमेट्रिक पहचान करने का प्रावधान है। यह बिल सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से किसी भी टेलीकॉम सर्विस या नेटवर्क के टेक ओवर, मैनेजमेंट या उसे सस्पेंड करने की अनुमति देगा।

यानी, युद्ध जैसी स्थिति में जरूरत पड़ने पर सरकार टेलीकॉम नेटवर्क पर मैसेजेज को इंटरसेप्ट कर सकेगी। यह बिल 138 साल पुराने भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम को बदलेगा जो टेलीकॉम सेक्टर को कंट्रोल करता है। इसके अलावा द इंडियन वायरलेस टेलीग्राफ एक्ट 1933 और टेलीग्राफ वायर्स एक्ट 1950 की भी यह बिल जगह लेगा। ये टीआरएआई एक्ट 1997 को भी संशोधित करेगा।नए बिल के बाद लाइसेंसिंग सिस्टम में भी बदलाव आएगा। वर्तमान में, सर्विस प्रोवाइडर्स को विभिन्न प्रकार की सर्विसेज के लिए अलग-अलग लाइसेंस, अनुमतियां, अनुमोदन और पंजीकरण लेना पड़ता है। ऐसे 100 से अधिक लाइसेंस या पंजीकरण हैं जो टेलीकॉम डिपार्टमेंट जारी करता है।इस बिल में टेलीकॉम स्पेक्ट्रम के एडमिनिस्ट्रेटिव एलॉकेशन को बायपास करने का प्रावधान है, जिससे सर्विसेज की शुरुआत में तेजी आएगी। नए बिल से रिलायंस जियो, भारती एयरटेल के वनवेब और एलन मस्क के स्टारलिंक जैसे प्लेयर्स को फायदा होगा।इसमें यह भी अनिवार्य किया गया है कि कंज्यूमर्स को गुड्स, सर्विसेज के लिए विज्ञापन और प्रमोशनल मैसेज भेजने से पहले उनकी सहमति लेनी होगी। इसमें यह भी बताया गया है कि टेलीकॉम सर्विसेज देने वाली कंपनी को एक ऑनलाइन मैकेनिज्म बनाना होगा, जिससे यूजर्स अपनी शिकायत ऑनलाइन दर्ज करा सके।इस बिल में, ओवर-द-टॉप सर्विसेज जैसे ई-कॉमर्स, ऑनलाइन मैसेजिंग को टेलीकॉम सर्विसेज की परिभाषा से बाहर रखा गया है। पिछले साल जब टेलीकम्युनिकेशन बिल का ड्राफ्ट पेश किया गया था तो उसमें ओटीटी सर्विसेज भी दायरे में थी। इसे लेकर इंटरनेट कंपनीज और सिविल सोसाइटी ने भारी हंगामा किया था। इसी के बाद ओटीटी को इस बिल से बाहर किया गया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु में	धनु....	06-24 बजे
चंद्र-	मीन में	मकर..	08-31 बजे
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ...	10-21 बजे
बुध-	धनु में	मीन...	12-00 बजे
गुरु-	मेष में	मेष--	13-35 बजे
शुक्र-	तुला में	वृष--	15-20 बजे
शनि-	कुंभ में	मिथुन..	17-20 बजे
राहु-	मीन में	कर्क...	19-33 बजे
केतु-	कन्या में	सिंह...	21-44 बजे
		कन्या..	23-51 बजे
		तुला....	01-57 बजे
		वृश्चिक.	04-07 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 06-45 सूर्यास्त - 17-43
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी - **09 -37** - तक उपरान्त दशमी
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष , गुरूवार **21 December**
नक्षत्र - रेवती - **22- 08** - तक उपरान्त अश्विनी
योग - वरियान - **13 - 27**- तक उपरान्त परिघ
करण- कौलव - **09 -37** - तक उप- तैतिल
विशेष:- पंचक **-22-08** तक
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्ध योग-**07-25** से

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:37 से 14:59 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ.	06:45 - 08:05 शुभ	अमृत	17:43 - 19:23 शुभ
रोग	08:05 - 09:28 अशुभ	चंचल	19:23 - 20:59 शुभ
उत्पात	09:28 - 10:51 अशुभ	रोग	20:59 - 22:37 अशुभ
चंचल	10:51 - 12:14 शुभ	काल	22:37 - 24:14 अशुभ
लाभ	12:14 - 13:37 शुभ	लाभ	24:14 - 01:51 शुभ
अमृत	13:37 - 14:59 शुभ	उत्पात	01:51 - 03:29 अशुभ
काल	14:59 - 16:23 अशुभ	शुभ	03:29 - 05:06 शुभ
शुभ	16:23 - 17:43 शुभ	अमृत	05:06 - 06:45 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है ,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा । अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें । आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे । यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं । टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी । आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आपका दिमाग आज बहुत सक्रिय है ,आप उर्जा और प्रेरणा से भरे हैं । आपके दिमाग में नयी योजनायें आती रहेंगी जिन्हें आप आसानी से कार्यान्वित भी कर पायेंगे । आपकी समस्या आज यही रहेगी की आपके दिमाग में आज लगातार नए विचारों की बाढ़ सी आती रहेगी । आप अपने आसपास के सभी लोगों को भी अधिक प्रेरित कर पायेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपकी सोच आज अद्भुत रूप से साफ़ और स्पष्ट है और आज आप अपने कार्यों के आने वाले समय में लाभ का बिलकुल ठीक अंदाजा लगा पायेंगे । इसीलिए आज का दिन आपके रास्ते में आने वाले अवसरों और निवेश का मुलांकन करके किसी सही निर्णय पर पहुंचने के लिए बिलकुल ठीक है । आप आज अपने आसपास के लोगों में से भी अपने शुभचिंतकों को पहचान पायेंगे।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

ग्रहों की स्थिति आपके पक्ष में है,दिन की शुरुआत अच्छी होगी ,विशेषत दोपहर से पहले। अपने ऑफिस सम्बन्धी कामों की योजना अगर हो सके तो दोपहर से पहले ही बनाएं,सफलता की सम्भावना अधिक है । शाम को या तो कुछ न करें या कोई हल्का –फुल्का काम करें । कोई अप्रत्याशित व्यक्ति आपसे मिलने आ सकता है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

पुरानी और बेकार चीजों को जीवन से हटा देने का समय है । आप किसी पिछली स्थिति से महज किसी अहसान की भावना या मजबूरी के चलते चिपके हुए हैं जो अब आपको कतई पसंद नही है ।आपको इसमें से बाहर आ पाना मुश्किल लग रहा था ,लेकिन आज आप इस स्थिति से बाहर आने के लायक मानसिक शक्ति जुटा पायेंगे । आपको अपने इस काम में किसी घटना से भी मदद मिलेगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आपकी किस्मत आपके साथ है । आप अपने समस्या को सुलझा लेने की कुशलता से सबको अचरज में डाल देंगे । सहकर्मी आपसे प्रभावित होंगें । आपका आत्मविश्वास देखने लायक होगा और आपको एक नया काम मिलेगा । खुश रहें और अपनों के साथ ख़ुशी बाँटें । आज कोई दोस्त मिल सकता है । दिन कुल मिलाकर मजेदार रहेगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आपका विशेष ध्यान दोस्तों पर रहेगा। किसी पुराने दोस्त से या तो आप मिलेंगे या उनमे से कोई आपसे मिलने आज अचानक चला आएगा। आज अपनी किसी एक या अधिक दोस्तों की परेशानी में मदद भी करने वाले हैं । दूसरी ओर,एक दोस्त आपके ऊपर अपना गुस्सा भी निकल सकता है लेकिन बुरा ना मानें ।उस दोस्त की अपनी कुछ परेशानियां चल रही अहिं और इसीलिए वह ऐसे व्यवहार कर रहा है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आप सच्चे और ईमानदार लोगों से मिलना पसंद करते हैं । लेकिन आज आपकी मुलाक़ात उनसे होगी जो मुखौटे लगाये रखते हैं । उन्हें पहचानने की कोशिश करें । आपसे जल्दी फैसले लेना समय की मांग रहेगी । किसी भी फैसले को अंतिम रूप देने से पहले अच्छी तरह सोच लें और फैसले लेने तक कोई भी अन्य काम न करें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

इस समय आपके जीवन में अजीब ही घटनाएँ हो रही हैं । जिससे भी आप मिलते हैं,आपके मन में उसी के लिए कोमल भावनाएं पैदा हो जाती हैं ,विशेषत विपरीत लिंग को आप बहुत आकर्षित करेंगे । साथ ही आप उस काम के बारे में भी जागरूक रहेंगे जो आपको दूसरों के लिए घर और कार्यस्थल पर करना है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आप खुद की जरुरत से अधिक आलोचना करने के मूड में हैं । आपको भी पता है कि आपकी अधिकतर चिंताएं निरर्थक हैं,फिर भी आप चिंता करते रहते हैं । इसका एकमात्र समाधान यह है कि अपने किसी ऐसे करीबी से सा अपनी चिंताओं के बारे में बात करें जो आपको सहारा दे सके । इससे पहले कि आप विकर्षित अनुभव करें ,आपको किसी विश्वसनीय व्यक्ति से सलाह लेनी चाहिए ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है ।आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे । आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है ।

पं .महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

'दक्षिण' की कमान संभालेंगे शिवराज

क्या लोकसभा चुनाव में भी एमपी से बाहर रहेंगे चौहान नई भूमिका और बयानों को लेकर तरह-तरह की अटकलें

भोपाल, 20 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव जीतने के बाद भाजपा के भीतर सबसे बड़ा सवाल था कि शिवराज सिंह चौहान अब किस भूमिका में फिट बैठेंगे? मंगलवार दोपहर को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद अब शिवराज के अगले रोल का ट्रेलर रिलीज हो गया है। शिवराज ने खुद कहा कि विकसित भारत यात्रा में वे दक्षिण के राज्यों की ओर जाएंगे। हालांकि, पिक्चर का पूरा सीन सामने नहीं आया है। शिवराज ने आगे ये भी कहा कि लोकसभा चुनावों के लिए उनकी भूमिका नड्डा ही तय करेंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद एक बात तो साफ हो गई कि फिलहाल शिवराज को केंद्रीय मंत्रिमंडल में कोई जगह नहीं दी जा रही है। उन्हें संगठन की ही जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। शिवराज ने ये भी कहा कि जेपी नड्डा उनके पुराने मित्र रहे हैं। जब नड्डा युवा मोर्चा के अध्यक्ष थे, तब वे राष्ट्रीय सचिव थे। दोनों ने लंबे समय तक संगठन में साथ काम किया है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में शिवराज को दक्षिण के राज्यों में ही जाने के लिए क्यों कहा गया है? एमपी में उनकी भूमिका क्या रहेगी? शिवराज ने जो बयान दिए, उनके क्या मायने हैं? इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

लोकसभा चुनाव में शिवराज का रोल

शिवराज से दिल्ली में जब मीडिया ने उनकी भूमिका पर सवाल किया तो जवाब मिला- पार्टी के कार्यकर्ता होने के नाते मैंने पहले कई बार कहा है कि भारतीय जनता पार्टी का काम मेरे लिए जनता की सेवा का मिशन है। जब आप मिशन में काम करते हैं तो आप यह तय नहीं करते हैं कि आप क्या करेंगे? यह मिशन तय करता है कि आप क्या काम करेंगे? उन्होंने कहा कि पार्टी ही मेरे लिए काम तय करेगी। उनके बयान के मायने तो यही निकलते हैं कि फिलहाल लॉन्ग टर्म के लिए उनकी भूमिका तय नहीं है। अभी उन्हें संगठन का ही काम देखना है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में उन्हें जगह मिलती नहीं दिख रही है।

शिवराज ने कहा- केंद्र में भी रहूंगा और राज्य में भी। जब जरूरी होगा तो नए मुख्यमंत्री की मदद करता रहूंगा। ये भी कहा कि पार्टी अध्यक्ष से मध्यप्रदेश के

मंत्रिमंडल के गठन के संबंध में चर्चा हुई है। सलाह-मशविरा हुआ है। मतलब साफ है कि संगठन उन्हें प्रदेश के बाहर नई भूमिका पर भेजने की तैयारी में है, लेकिन शिवराज मध्यप्रदेश में भी अपना कंट्रोल बनाए रखना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल के नामों पर भी मैंने नड्डा को सलाह दी है। नाम तय करने का काम पार्टी का है।

नड्डा से मुलाकात के बाद तो इस बात का कोई इशारा नहीं दिख रहा है। मध्यप्रदेश में नई लीडरशिप की जमावट के बाद शिवराज को दूसरे राज्यों में लोकसभा चुनाव के लिए अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है। फिलहाल शिवराज के लोकसभा चुनाव लड़ने का कोई संकेत नजर नहीं आ रहा है। लोकसभा चुनाव तक शिवराज के रवैये को देखते हुए उनके बारे में पार्टी कुछ और भी सोच सकती है।

शिवराज दक्षिण भारत के राज्यों में क्यों?

उत्तर भारत के मुकाबले दक्षिण भारत के राज्यों में भाजपा की स्थिति बेहतर नहीं है। कर्नाटक और तेलंगाना की हार के साथ ही भाजपा के मिशन दक्षिण की बुनियाद दरक गई है। देश की राजनीति में दक्षिण के 5 राज्यों (कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र और तेलंगाना) की हिस्सेदारी करीब 22 से 24 फीसदी है। दक्षिण भारत में विधानसभा की 900 और लोकसभा की 130 सीटें हैं। भाजपा के पास अभी दक्षिण से 29 सांसद हैं और पार्टी ने इस बार 60 लोकसभा सीटें जीतने का टारगेट तय किया है। मतलब, शिवराज को दक्षिण के राज्यों में भेजना भाजपा का प्रयोग हो सकता है। शिवराज सॉफ्ट हिंदुत्व का चेहरा हैं। भाजपा दक्षिण के राज्यों में उत्तर भारत के बड़े चेहरों को उतारकर एक नया प्रयोग करना चाहती है। वैसे भी दक्षिण के राज्यों के लिए भाजपा के पास कोई बड़ा चेहरा नहीं है।

वीडी शर्मा का क्या होगा?

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद वीडी शर्मा की जिम्मेदारी में भी बदलाव संभव है। शिवराज की नई भूमिका तय होने के बाद अब इस बात की संभावना बढ़ गई है कि वीडी शर्मा को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिले। मध्यप्रदेश से नरेंद्र सिंह तोमर और प्रहलाद पटेल की दो सीटें केंद्रीय कैबिनेट से कम हुई हैं। ऐसे में संभव है कि वीडी के अलावा एक और किसी नए चेहरे को मोदी कैबिनेट में मौका मिले। हालांकि, अब तक पार्टी ने इस संबंध में कोई इशारा नहीं किया है।

पुलिस को बड़ी कामयाबी

छह नक्सलियों के घायल होने की सूचना, गोलीबारी अभी भी जारी

जगदलपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। जगदलपुर में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आज सुबह नक्सलियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। इस घटना में दोनों ओर से चली गोलीबारी के बाद पुलिस नक्सलियों के ऊपर भरी पड़ी।

इस गोलीबारी में छह नक्सली घायल हुए हैं, जबकि पुलिस आगे की ओर बढ़ रही है। अपने साथियों को घायल होता देख साथ ही पुलिस पार्टी के आगे बढ़ते देख सभी नक्सली भाग निकले। वहीं पुलिस अभी भी मोर्चा सभाले हुए है। पुलिस टीम पूरी तरह से सुरक्षित है। बताया जा रहा है कि 20 दिसंबर को नक्सल अभियान में डीआरजी, बस्तर फाइटर्स, कोबरा 201 बीएन के जवान संयुक्त नक्सल ऑपरेशन पर थाना चिंतलनार अंतर्गत ग्राम नागाराम एवं कोत्तापल्ली के जंगलों में नागाराम एलओएस के नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर रवाना हुए।

इस दौरान कोत्तापल्ली और नागाराम के जंगलों में पुलिस एवं नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें पांच से छह नक्सली घायल होने की बात कही जा रही है। मौके पर एक बड़ा नक्सल डेरा, विस्फोटक पदार्थ, भारी मात्रा में नक्सल सामग्री मिली। सभी जवान सुरक्षित हैं। मुठभेड़ अभी भी जारी है।

डायरिया का प्रकोप

70 से ज्यादा मरीज आए सामने, एक महिला की मौत

भिलाई, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। भिलाई के खुर्सीपार गौतम नगर में डायरिया का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। क्षेत्र में डायरिया के 70 से अधिक मरीज सामने आ चुके हैं। डायरिया प्रभावित क्षेत्र में एक संदिग्ध महिला की मौत हो गई है। स्वास्थ्य विभाग लगातार प्रभावित क्षेत्र शिविर में मरीजों का उपचार कर रहा है। साथ ही साथ घर-घर जाकर सर्वे कर एहतियातन उपाय और दवा का वितरण किया जा रहा है। गौतम नगर के वार्ड 42 में इन दिनों डायरिया से प्रभावित है। पिछले तीन से चार दिनों में डायरिया के 70 से अधिक मरीज उल्टी दस्त के मरीज सामने आए हैं। बीते दिन डायरिया प्रभावित क्षेत्र में एक करमैता गौतम नाम की महिला की संदिग्ध मौत हो गई। महिला के परिजन एक दिन पूर्व महिला के लिए शिविर से दवाई लेकर गए थे। उसके बाद महिला को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां से रायपुर मेकाहारा रेफर कर दिया गया था। लेकिन परिजन मेकाहारा न लेकर भिलाई के श्री शंकराचार्य अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया।

दिनदहाड़े कारोबारी पर फायरिंग

हाथ में लगी गोली, आरोपी गिरफ्तार देसी पिस्टल और कारतूस जब्त

रायपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। रायपुर के लाभांडी इलाके में पुरानी शराब भट्टी के पास दिनदहाड़े फायरिंग हुई है। ओडिशा के एक युवक ने नल व्यापारी को गोली मार दी। जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गया है। व्यापारी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है।

एसएसपी प्रशांत अग्रवाल का कहना है कि बुधवार सुबह 11:30 बजे गोली चलने की सूचना मिली। आरोपी अमन शर्मा ओडिशा के सुंदरगढ़ का रहने वाला है। उसने रायपुर निवासी संदीप कुमार (नल व्यापारी) पर गोली चलाई है। गोली हाथ में लगी है। आरोपी के पास से देसी पिस्टल और 2 कारतूस बरामद हुए हैं।

एसएसपी प्रशांत अग्रवाल का कहना है कि आरोपी अमन शर्मा 3 दिन पहले रायपुर की एक होटल में रुका था। उसने फोन कर पीड़ित को मिलने के लिए बुलाया था। पैसों के लेन-देन को लेकर आरोपी ने संदीप पर गोली चला दी। इसके बाद गोली लगने के बावजूद संदीप ने खुद आरोपी को पकड़ लिया और आसपास के लोगों को आवाज दी। लोगों ने उसे घेरकर पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने आरोपी अमन शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को इस मामले में सुपारी किलिंग का भी शक है। इस एंगल पर भी जांच की जा रही है। फिलहाल पूछताछ कर मामले की जांच की जा रही है।

विधानसभा सत्र के दौरान विपक्ष का हंगामा

तीन भाजपा विधायक निलंबित, मार्शल की मदद से किए गए बाहर

रांची, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। जहां एक तरफ संसद की चूक मामले में विपक्ष के हंगामे के बीच बड़ी संख्या में विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया है। जिसमें अब तक 141 सांसदों को संसद के शीतकालीन सत्र की शेष कार्यवाही ने सस्पेंड किया गया है। वहीं दूसरी ओर, झारखण्ड विधानसभा में चल रहे शीतकालीन सत्र के दौरान कार्यवाही के दौरान कुछ ऐसी ही तस्वीर दिखाई दी। झारखण्ड विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार को शुरू होते ही हंगामा के भेंट चढ़ गई। तीन भाजपा विधायकों को कार्यवाही में व्यवधान डालने के आरोप में विधानसभा सदन से ही निलंबित कर दिया। स्पीकर की कार्रवाई पर विरोध दर्ज करवाते हुए भाजपा के अन्य विधायकों ने सदन से वॉकआउट किया।

कार्यवाही के दौरान विपक्ष का हंगामा

सत्ता और विपक्षी विधायकों के हंगामे के बीच सदन दोपहर 12:30 बजे तक स्थगित किया गया था, लेकिन कार्यवाही फिर से शुरू होने पर भाजपा के मुख्य सचेतक बिरंची नारायण और विधायक भानु प्रताप साही अपनी मांगों के लिए वेल में जा पहुंचें। इस दौरान स्पीकर और विधायकों को जमकर बयानबाजी हुई। हालांकि स्पीकर रवीन्द्र नाथ महतो इस दौरान यह कहते रहे कि विधायक सदन की कार्यवाही में व्यवधान डाल रहे हैं। महतो ने आदेश सुनाते हुए कहा कि भाजपा के तीन विधायकों को सदन की शेष कार्यवाही से निलंबित कर दिया गया है। स्पीकर के आदेश के बाद सदन में मौजूद मार्शलों ने विधायकों को सदन से बाहर निकाला।

अमर बाउरी ने कहा- निलंबन एक तरह की तानाशाही

भाजपा विधायकों के निलंबन के बाद नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने स्पीकर की कार्रवाई को तानाशाही रैवय्या करार दिया। बाउरी ने कहा, हम राज्य के युवाओं से संबंधित मुद्दा उठा रहे थे। लेकिन, सरकार के पास कोई जवाब नहीं है। बता दें विधायकों के विरोध के कारण विधानसभा मे प्रश्नकाल नहीं चल सका। वहीं सत्ता पक्ष के विधायकों ने भी अपनी मांगों को लेकर विधानसभा में हंगामा किया। बाउरी ने कहा कि पंचायत सचिवालय के 18 हजार से अधिक कर्मी और दिव्यांग युवा रोजगार के लिए सड़कों पर हैं। उन्होंने कहा, रोजगार एक संवेदनशील मुद्दा है और मुख्यमंत्री को इस पर सदन में अपना बयान देना चाहिए।

दादा खेलने से रोकते थे आईपीएल में 2.20 करोड़ में बिके

दरभंगा के सुशांत पर गुजरात टाइटंस ने बेस प्राइस से 11 गुना महंगी बोली लगाई

दरभंगा, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। दरभंगा के अलीनगर प्रखंड के तुमोल गांव निवासी सुशांत मिश्रा को आईपीएल 2024 के लिए 2.20 करोड़ रुपए में गुजरात टाइटंस ने खरीदा है। यह उनके बेस प्राइस 20 लाख रुपए से 11 गुना ज्यादा है। सुशांत तेज गेंदबाजी के लिए जाने जाते है। बाएं हाथ से बल्लेबाजी भी करते हैं। पूरे गांव में खुशी का माहौल है। बधाई देने सभी लोग उनके घर पहुंच रहे है। सुशांत के दादा ने कहा कि उसके खेल के लिए हमेशा विरोध करते थे, परिवार भी नहीं चाहता था कि वो खेलें, लेकिन उसके जुनून के आगे हमें झुकना पड़ा। आईपीएल 2024 के लिए मंगलवार को दुबई के कोका-कोला एरिना में खिलाड़ियों की नीलामी के लिए बोली लगाई गई। जिसमें उनका सलेक्शन हुआ। उनका बेस प्राइस 20 लाख था। सुशांत के दादा ने कृष्ण देव मिश्र ने कहा कि उसमें क्रिकेट खेलने का बचपन से ही है। सुशांत का जन्म रांची में हुआ था। दरभंगा से साढ़े चार साल की उम्र वो फिर रांची चला गया। वहां से उसने-पढ़ाई लिखाई की। क्रिकेट के लिए कोचिंग भी नहीं की। उसके खेलने का मैंने और परिवार ने विरोध किया था। खेल के आगे सुशांत ने अपनी पढ़ाई को भी मेंटेन किया।

नंदकुमार साय का कांग्रेस से इस्तीफा

छत्तीसगढ़ के आदिवासी नेता ने 8 माह पहले छोड़ी थी भाजपा, फिर हो सकती है वापसी

रायपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सीनियर आदिवासी नेता नंदकुमार साय ने बुधवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने 8 माह पहले ही भाजपा छोड़कर कांग्रेस ज्वाइन की थी। तब भाजपा पर अनदेखी का आरोप लगाया था। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है। कहा जा रहा है कि इसके बाद साय ने पार्टी छोड़ने का मन बनाया।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद साय तब सीएम रहे भूपेश बघेल के साथ कई कार्यक्रम में दिखते थे। उन्हें सीएसआईडीसी में अध्यक्ष का पद दिया गया था। अब खबर है कि भाजपा के नेता साय से संपर्क में हैं। चर्चा है कि नंदकुमार साय से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुलाकात की है। बताया जा रहा है कि साय के इस्तीफे से कांग्रेसी नेता भी अनजान थे।

जब भाजपा छोड़ी थी साय ने

1 मई 2023 को नंदकुमार

साय ने भाजपा से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने तब भाजपा से दिए इस्तीफे में लिखा था- मुझ पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। मेरी गरिमा को लगातार ठेस पहुंचाई जा रही है, जिससे मैं आहत महसूस कर रहा हूं। बहुत गहराई से विचार करने के बाद मैंने बीजेपी में अपने सभी पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है।

वे पहली बार 1977, फिर 1985 और 1998 में मध्य प्रदेश विधानसभा के सदस्य रह चुके हैं। साल 2000 में वे छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदस्य बने और पहले विपक्ष के नेता बने थे।

साय 1989, 1996 और 2004 में लोकसभा सांसद भी रह चुके हैं। इसके साथ ही 2009 और 2010 में वह राज्यसभा के लिए चुने जा चुके हैं।

नंद कुमार अपने गृह गांव भगोरा में खुद के खेतों में हल चलाते हुए और बुबाई करते देखा जा सकता है।

इसके पीछे उनका तर्क है कि बचपन से खेती से जुड़े होने के कारण आज भी वे किसान ही हैं।

वह अविभाजित मध्यप्रदेश में बाद में छत्तीसगढ़ में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

कांके रोड़ स्थित कुप्पू स्वामी बिल्डिंग में आग

सीएफआई इंस्टीट्यूट जल कर खाक, दमकल ने डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

रांची, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी रांची कांके रोड़ स्थित सीएफआई इंस्टीट्यूट में आज सुबह आग लग गई। आग लगने की घटना सुबह साढ़े नौ बजे के आसपास की है। यह इंस्टीट्यूट विधानसभा अध्यक्ष के आवास के ठीक सामने है। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। इस दौरान कांके रोड से परिचालन को दूसरे लेन में लगभग आधे घंटे के लिए शिफ्ट किया गया था। अगजनी की वजह से संस्थान पूरी तरह जल कर खाक हो गया। आग लगने की सूचना आड्रे हाउस स्थित अग्निशमन विभाग को दी गई। जिसके बाद मौके पर दमकल की दो गाड़ियां पहुंची और लगभग डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। कांके रोड़ के जिस बिल्डिंग में आग लगी है, उसके टॉप फ्लोर में सीएफआई इंस्टीट्यूट है। इसके अतिरिक्त इसी भवन के ग्राउंड फ्लोर में कुप्पू स्वामी रेस्टूरेंट भी है।

अंग्रेजी में अभिभाषण पर टोका-टोकी, किसान आत्महत्या पर हंगामा

छत्तीसगढ़ विधानसभा की कार्यवाही गुरुवार तक स्थगित, अनुपूरक बजट और अभिभाषण पर चर्चा

रायपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा की कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी गई है। राज्यपाल के अभिभाषण और द्वितीय अनुपूरक बजट पर चर्चा के लिए गुरुवार का दिन निर्धारित किया गया है। इससे पहले राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन का अभिभाषण हुआ। इसके बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सदन पटल पर दूसरा अनुपूरक बजट पेश किया।

राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने अंग्रेजी को लेकर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि किसी को अंग्रेजी समझ नहीं आ रही है। इसलिए भाषण पढ़ा हुआ मान लिया जाए। इसी बीच किसान आत्महत्या और दो लाख के बोनस के मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया।

राज्यपाल ने अंग्रेजी में दिया भाषण

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने अंग्रेजी में अपने अभिभाषण की शुरुआत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य की छठवीं विधानसभा के प्रथम सत्र में आप

सभी नवनिर्वाचित सदस्यों का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के इस पावन मंदिर में नवनिर्वाचित विधानसभा सदस्य के रूप में आपका अभिवादन करता हूं।

साथ ही हमारे देश के महान संविधान, संवैधानिक-लोकतांत्रिक मूल्यों और आदर्श परंपराओं के प्रति अपना आदर भाव व्यक्त करता हूं, जिनके कारण आज इस सदन में आपको संबोधित करने का अवसर मिला है। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन अंग्रेजी में भाषण दे रहे थे। हालांकि हिंदी में भाषण की प्रति सभी सदस्यों को बांटी जा चुकी थी। इसे लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उन्हें बीच में टोकते हुए कहा कि सदन में अंग्रेजी समझने वाले लोग कम हैं। हिंदी में अभिभाषण की प्रति सबके पास है, इसलिए इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाए। राज्यपाल का भाषण चल रहा था, इसी बीच विपक्ष के सदस्यों ने सदन में किसान आत्महत्या और किसानों को दो साल का बोनस देने का मुद्दा जोर-शोर से उठाया।

राज्यपाल ने विपक्ष के हंगामे को अनसुना करते हुए अपना भाषण जारी रखा। उन्होंने कहा कि मैं भारत निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ और उन हजारों अधिकारियों-कर्मचारियों को साधुवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया को बहुत अच्छी तरह से संपन्न कराने में अपना अमूल्य योगदान दिया।

नक्सल क्षेत्रों में मतदान से जनता का मनोबल बढ़ा

बहुत से नक्सलवाद प्रभावित विधानसभा क्षेत्रों में मतदान के अच्छे आंकड़े ये साबित करते हैं कि अपने लोकतंत्र की रक्षा के लिए ग्रामीण और वन अंचल में रहने वाली जनता का मनोबल मजबूत हुआ है। मैं चाहूंगा कि मेरी सरकार के जनहितकारी कार्यों से उनका विश्वास लगातार मजबूत हो।

आईएएस पी.दयानंद बने सीएम विष्णुदेव साय के सचिव

रायपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार बनने के बाद राज्य शासन ने पहली नियुक्तियां की हैं। पी.दयानंद को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का सचिव बनाया गया है। दयानंद भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। उन्हें चिकित्सा शिक्षा सेवा विभाग का अतिरिक्त सचिव का भी दायित्व सौंपा गया है। छत्तीसगढ़ निर्वाचन आयोग की मुख्य पदाधिकारी रीना बाबा साहब कंगाले के छुट्टी पर रहने के दौरान नवंबर में पी. दयानंद को उनकी जगह जिम्मेदारी दी गई थी। साल 2006 बैच के अफसर दयानंद 2018 में भाजपा शासनकाल के दौरान बिलासपुर कलेक्टर भी रह चुके हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (ओएसडी) के रूप में तीन अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इनमें राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी डॉ सुभाष सिंह राज, उमेश अग्रवाल और रविकांत मिश्रा को पदस्थ किया गया है। वहीं निज सचिव के रूप में दीपक अंधारे को पदस्थ किया गया है। राज्य शासन की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि मुख्यमंत्री कार्यालय में पदस्थ अपर मुख्य सचिव आईएएस सुब्रत साहू, परदेशी सिद्धार्थ कोमल, आईएएस अंकित आनंद और आईएएस सोलई भारती दासन को प्रभार से मुक्त कर दिया गया है। हालांकि इन अफसरों के पास पहले की तरह बाकी विभागों की जिम्मेदारी रहेगी।

हाईवे पर भीषण हादसा, चपेट में आने से चाचा की मौत

आक्रोशित लोगों ने किया चक्काजाम

मृतक की फोटो

कोरबा, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में एक भीषण सड़क हादसा हुआ। जिसमें चाचा-भतीजे को चोट लगी है। उरगा हाटी राजमार्ग पर ठेला लेकर बाजार से घर लौट रहे चाचा भतीजा को माजदा वाहन ने चपेट में ले लिया। चाचा की मौके पर मौत हो गई और भतीजा गम्भीर रूप से घायल हो गया। ठेला भी क्षतिग्रस्त हो गया है।

हादसे के बाद चालक वाहन छोड़ भाग निकला। हादसे के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने देर रात तक चक्काजाम किया। अब उचित मुआवजे के साथ चालक की गिरफ्तारी की भी मांग की जा रही है।

पुलिस के आश्वासन के बाद देर रात चक्काजाम खत्म हुआ। यह घटना करतला थाना अंतर्गत उरगा हाटी राजमार्ग स्थित नोनबिर्रा के पास की बताई जा रही है। करतला थानांतर्गत ग्राम नोनबिर्रा निवासी भागीरथी प्रजापति की मौत हो गई है।

कोलोराडो से चुनाव नहीं लड़ पाएंगे ट्रम्प

कोर्ट ने कहा– वो संसद हिंसा के जिम्मेदार अब फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

वॉशिंगटन, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी स्टेट कोलोराडो की सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया है।

अब ट्रम्प का नाम कोलोराडो में होने वाले चुनाव के बैलेट पेपर पर नहीं लिखा जाएगा। यानी रिपब्लिकन पार्टी के नेता अब ट्रम्प को वोट नहीं दे पाएंगे। इसका सीधा असर 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प को मिलने वाले वोटों पर होगा। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, फैसला सिर्फ कोलोराडो राज्य में ही लागू होगा। इस फैसले में अपील बाकी है इसलिए इसे 4 जनवरी तक होल्ड पर रखा गया है। कोर्ट ने ट्रम्प को 6 जनवरी 2021 को हुई यूएस कैपिटल हिंसा (अमेरिकी संसद) के लिए जिम्मेदार माना है। वहीं, ट्रम्प का कहना है कि कोर्ट के इस फैसले में राष्ट्रपति बाइडेन का हाथ है और वो इस फैसले को बदलने के लिए अमेरिका के मुख्य सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे।

ट्रम्प को अयोग्य घोषित करने का फैसला अमेरिकी संविधान के तहत लिया गया है। रिपोर्ट्स के

मुताबिक, अमेरिकी इतिहास में यह पहला मौका है कि जब संविधान के 14वें संशोधन की धारा 3 का इस्तेमाल कर किसी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को अयोग्य ठहराया गया है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प 4 जनवरी 2024 तक कोलोराडो सुप्रीम कोर्ट के फैसले को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे सकते हैं। इसके बाद अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट फैसला करेगा कि वो इस केस पर सुनवाई करेगा या नहीं। दरअसल, अमेरिका में 50 स्टेट्स हैं और हर स्टेट में एक टॉप कोर्ट (स्टेट सुप्रीम कोर्ट) है। इसके अलावा देश का एक मुख्य सुप्रीम कोर्ट है।

ट्रम्प बोले- फैसले में बाइडेन का हाथ

कोलोराडो कोर्ट के इस फैसले के बाद आयोव में एक संबोधन के दौरान बुधवार को ट्रम्प ने कहा- इस फैसले में बाइडेन का हाथ है। वो चुनाव में बाधा डालना चाहते हैं। वो जानते हैं कि वो हारने वाले हैं और जीत के लिए अमेरिकी संविधान के उल्लंघन करने तक के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा- बाइडेन अमेरिकी लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। वो और उनकी पार्टी मुझे रोकना चाहती हैं। उनकी पार्टी हमसे इतनी बुरी तरह से हार रही है कि बाइडेन चुनाव में बाधा डालने के लिए कानून प्रवर्तन (लॉ एनफोर्समेंट) को हथियार बना रहे हैं। ट्रम्प के स्पोक्स पर्सन ने जो स्टेटमेंट जारी किया है उसमें कहा गया कि चुनाव में बाधा डालने की बाइडेन की योजना को जॉर्ज सोरोस का समर्थन है। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक सोरोस रूढ़िवाद विरोधी विचारों को प्रमोट करने में बाइडेन की मदद कर रहे हैं। इसके अलावा वो बॉर्डर एनफोर्समेंट को खत्म करने के लिए बाइडेन प्रशासन को फंड दे रहे हैं। जॉर्ज सोरोस वही अमेरिकी अरबपति हैं जिन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी और भारत में जल्द ही एक लोकतांत्रिक बदलाव की उम्मीद जताई थी। सोरोस ने कहा था- पीएम मोदी लोकतंत्रिक देश के नेता हैं, लेकिन खुद लोकतांत्रिक नहीं हैं। वो मुसलमानों के साथ हिंसा कर तेजी से बड़े नेता बने हैं। इस बयान पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोरोस को बूढ़ा, अमीर, जिद्दी और खतरनाक बताया था। 3 नवंबर 2020 को राष्ट्रपति चुनाव हुआ।

बाइडेन को 306 और ट्रम्प को 232 वोट मिले। सब कुछ साफ था। इसके बावजूद ट्रम्प ने हार नहीं कबूली। उनका आरोप था कि वोटिंग और काउंटिंग में बड़े पैमाने पर धांधली हुई।

मलेशिया सरकार ने इजरायली जहाजों पर लगाया प्रतिबंध

कुआलालंपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। मलेशियाई सरकार ने इजरायल के स्वामित्व वाले और झंडे वाले जहाजों के साथ-साथ इजरायल जाने वाले जहाजों पर भी अपने बंदरगाहों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह निर्णय इजरायल-हमास युद्ध में इजरायल की कार्रवाई पर लिया गया है।

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने घोषणा की, जिसमें फलस्तीनी लोगों के खिलाफ जारी क्रूरता का हवाला देते हुए कहा गया कि यह प्रतिबंध इजरायल द्वारा मानवीय सिद्धांतों की अवहेलना और अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करने के बाद लगाया गया है। मुस्लिम बहुल देश मलयेशिया का फलस्तीनी लोगों की वकालत करने का इतिहास रहा है। यह इजरायल को मान्यता नहीं देता है।

अक्तूबर में हमास आतंकियों द्वारा इजरायल में हमले के बाद इजरायली सैनिक लगातार गाजा में हमले कर रहे हैं। हाल ही में इजरायली सैनिकों द्वारा गाजा में बमबारी करने के बाद मलेशिया के पीएम पर दबाव बनाने के लिए वहां के लोगों ने रैलियां निकाली।

इजरायली लोगों को हमास ने नहीं बल्कि गाजा की भीड़ ने बंधक बनाया

एक रिपोर्ट में किया गया दावा

गाजा, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। गाजा स्थित हमास आतंकी समूह द्वारा सात अक्तूबर को इजरायल पर पांच हजार रॉकेट दागे गए थे। गाजा से सटी इजरायली सीमा में लगे फेंसिंग को हमलावरों ने तोड़ दिया था, जिसके बाद हमास के लड़ाकू इजरायली शहरों में जा पहुंचे थे। इस दौरान इजरायली लोगों को बड़ी संख्या में बंधक बनाकर गाजा ले जाया गया। इस घटना के दौरान सोशल मीडिया में एक इजरायली युवती की बंधक बनाए जाने की वीडियो जमकर वायरल हो हुई थी। जिसमें दो हमास हमलावर बाइक के जरिए उसे ले जा रहे थे। हाल ही में एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि यह हमलावर हमास के नहीं बल्कि गाजा के नागरिकों की भीड़ ने बंधक बनाया था।

सात अक्तूबर की घटना के दौरान कई इजरायली नागरिकों को बंधक बनाया गया था। एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि उस दौरान इजरायली नागरिकों को बंधक बनाने वाले हमास के आतंकी नहीं बल्कि गाजा के नागरिकों की भीड़

थी। उन्होंने द्वारा हमास के हमलों का फायदा उठाया गया और इजरायल में दाखिल हो गए थे।

रिपोर्ट में दो इजरायली सैन्य अधिकारियों से बातचीत का जिक्र है। उन्होंने कहा कि यह संभव है कि सात अक्तूबर को संगीत समारोह में नुखबा फोर्स के नरसंहार के कुछ घंटों बाद कई लोगों वहां पहुंच गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकारियों में से एक ने बताया कि नोआ और अन्यों का अपहरण के वीडियो में देखा गया कोई भी बंधक सशस्त्र या सामरिक जैकेट पहने हुए नहीं दिखता है, जिससे पता चलता है कि उनके नुखबा सदस्य होने की संभावना नहीं है। नोओ अरगामनी को बंधक बनाए जाने वाला वीडियो में हमास की दरिंदगी का काला सच सामने दिखाई दे रहा था। बालों से घसीटकर युवती को ले जाया जा रहा था। वीडियो में युवती चिल्लाती और चीखें नजर आ रही है। इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम के दौरान हमास द्वारा बंधक बनाए गए 240 बंधकों में से 100 से अधिक को रिहा कर दिया गया था। नोआ उन 14 महिला नागरिकों में शामिल हैं जिन्हें अभी तक रिहा नहीं किया गया है।

नवाज बोले- पाकिस्तान की हालत के लिए भारत जिम्मेदार नहीं

देश ने खुद पैर पर कुल्हाड़ी मारी सेना ने 2018 के चुनाव में धांधली की

इस्लामाबाद, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने कहा है कि पाकिस्तान की बुरी हालत के लिए भारत, अफगानिस्तान या अमेरिका जिम्मेदार नहीं है। पाकिस्तान ने खुद अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारी है।

लाहौर में अपनी पार्टी पीएमएल-एन के एक समारोह में नवाज ने कहा- सेना ने 2018 के चुनाव में धांधली करके देश पर एक सरकार थोप दी। यही सरकार नागरिकों की परेशानी और देश की आर्थिक स्थिति धाराशायी होने का कारण बनी।

नवाज शरीफ ने कहा- देश के जज सेना के तानाशाहों के कानून तोड़ने पर माला पहनाकर उनका स्वागत करते हैं। उनके फैसलों को सही ठहराते हैं। इसके बाद उन्हीं तानाशाहों के कहने पर प्रधानमंत्री को पद से हटा दिया जाता है। कोर्ट में जज संसद को भंग करने का फैसला सुना देते हैं।

नवाज बोले- सेना ने मुझे हटाया क्योंकि वो अपनी पसंद का पीएम चुनना चाहती थी

नवाज ने आगे कहा- 1999 में एक सुबह प्रधानमंत्री था और फिर शाम आते तक मुझे हाइजैकर घोषित कर दिया गया। इसी तरह 2017 में अपने बेटे से तनख्वाह न लेने पर मुझे दोषी ठहराते हुए पद से हटा दिया गया। नवाज ने बिना नाम लिए इमरान खान पर तंज कसते हुए कहा- सेना ने ये फैसला लिया, क्योंकि अपनी पसंद के व्यक्ति को सत्ता में लाना चाहती थी। नवाज ने 2017 में सत्ता से बेदखल किए जाने के लिए पाकिस्तान के पूर्व आईएसआई प्रमुख जनरल फैज हामिद को जिम्मेदार ठहराया। नवाज ने कहा- फैज और कई दूसरे लोगों ने कहा था कि अगर नवाज जेल से बाहर आ गए तो उनकी 2 साल की मेहनत बर्बाद हो जाएगी। अब उन लोगों के

खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक मामला खोला गया है। बता दें कि नवाज शरीफ इकलौते ऐसे पाकिस्तानी हैं, जो 3 बार देश के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उन्होंने इससे पहले भी भारत से रिश्तों को लेकर बयान दिया था। नवाज ने कहा था- मुझे 1999 में सत्ता से इसलिए बेदखल कर दिया गया था क्योंकि मैंने सेना के कारगिल प्लान का विरोध किया था। मुझे इस बात की वजह जानने का हक है कि मुझे 1993 और 1999 में सत्ता से क्यों हटा दिया गया था।

इंडियन नेवी ने हाईजैक शिप से वर्कर को छुड़ाया

गंभीर रूप से जख्मी शख्स को ओमान भेजा, तीन दिन पहले हाईजैक हुआ था जहाज

नई दिल्ली/मस्कट, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना ने अरब सागर से हाईजैक किए गए माल्टा के जहाज से एक नाविक को रेस्क्यू किया है। यह नाविक गंभीर रूप से जख्मी था। इसका इलाज शिप पर मुमकिन था, लिहाजा उसे ओमान भेजा गया है। वहां इसकी हालत स्थिर बताई गई है। इस जहाज को तीन दिन पहले 6 लोगों ने अगवा किया था। हाईजैक करने वालों के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

भारतीय नौसेना ने एक बयान में कहा- इस नाविक को सोमवार को हाईजैक शिप से निकाला गया। इसकी हालत काफी गंभीर थी। उसकी हालत देखते हुए हाईजैकर्स ने उसे छोड़ दिया। अब उसे ओमान भेज दिया गया है। यहां उसे बेहतर इलाज मिल सकेगा। यह मेडिकल फेसेलिटी जहाज पर मौजूद नहीं थी। अब यह जानकारी मिली है कि जिस नाविक को रेस्क्यू किया गया है, उसकी हालत स्थिर है।

बयान के मुताबिक- घायल

नाविक की हालत खराब होती जा रही थी और उसे फौरन इलाज की जरूरत थी। जिस शिप पर ये नाविक मौजूद था, वो हाईजैकर्स के कब्जे में था और उस पर अच्छी मेडिकल फेसेलिटीज भी नहीं थीं। बाद में हाईजैकर्स ने इस व्यक्ति तो छोड़ दिया। भारतीय नौसेना ने उसे फौरन ओमान भेज दिया। वहां उसका इलाज चल रहा है। भारतीय नौसेना माल्टा के झंडे वाले जहाज का शनिवार से पीछा कर रही है। इस जहाज का नाम एमवी रुएन है। शनिवार को पता लगा था कि 6 लोगों ने इस जहाज को हाईजैक कर लिया है। ये सभी हथियारों से लैस हैं। इसके बाद अदन की खाड़ी में इसका पीछा किया गया। अगवा जहाज से भी मदद की गुहार लगाई गई थी। इंडियन नेवी की एंटी पाईरेसी यूनिट इस इलाके में गश्त करती है। अब यह जहाज सोमालिया की तरफ जा रहा है।

द मैरीटाइम एग्जीक्यूटिव की रिपोर्ट के मुताबिक हाइजैक हुआ जहाज कोरिया से तुर्किये की तरफ जा रहा था। तभी सोमालिया के समुद्री लुटेरों ने उस पर हमला कर दिया। जहाज से जब आखिरी बारी कॉन्टेक्ट हुआ, तब वो अरब सागर में सोकोट्रा आइलैंड से यमन की तरफ 380 नॉटिकल मील की दूरी पर था।

नौसेना को यूकेटीएमओ पोर्टल पर मैसेज मिला था कि 6 अनजान लोग उनकी शिप पर आ गए हैं। इसके बाद सर्विलांस के लिए नौसेना ने अपने एक विमान को भी अदन की खाड़ी में एमवी रुएन को लोकेट करने के काम पर लगा दिया। हाइजैक हुए जहाज पर 18 लोग मौजूद हैं।

2017 के बाद हाइजैक का बड़ा मामला

भारतीय नौसेना के विमान ने आज भी पूरे इलाके का हवाई सर्वे कर हालातों का जायजा लिया है। नौसेना की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक समुद्री लुटेरे हाइजैक किए जहाज को सोमालिया की तरफ ले जा रहे हैं। यूरोपियन यूनियन और स्पेन ने भी जहाज को बचाने के लिए अपनी नेवल फोर्स को काम पर लगाया है। 2017 के बाद ये अरब सागर में जहाज हाइजैक होने का सबसे बड़ा मामला है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केन्या के राष्ट्रपति के साथ समुद्री सुरक्षा का मुद्दा उठाया था। भारत दूसरे देशों के साथ मिलकर समय-समय पर अरब सागर और हिंद महासागर में एंटी पायरेसी ऑपरेशन भी चलाता रहा है।

फिलहाल ब्रिटेन ने इस इलाके से गुजरने वाले जहाजों को सतर्क करने लिए अलर्ट जारी कर दिया है। जहाज के ऑपरेटरों को कहा है कि कुछ भी संदिग्ध लगने पर तुरंत कंट्रोल रूम से संपर्क करें।

सोमालिया वो मुल्क है जिसके समुद्र में बड़ी तादाद में मछलियां मौजूद हैं। 1990 तक इसकी अर्थव्यवस्था मछलियों से ही चलती थी। तब यहां समुद्री लुटेरों का कोई डर नहीं था। अधिकतर लोग मछली का व्यापार करते थे। फिर यहां सिविल वॉर शुरू हो गई। सरकार और नौसेना नहीं रही। इसका फायदा विदेशी कंपनियों ने उठाया।

ईसीपी ने शुरू की आम चुनाव की प्रक्रिया

22 दिसंबर तक जमा होंगे नामांकन पत्र, आठ फरवरी को होगा मतदान

इस्लामाबाद, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) ने बुधवार को संभावित उम्मीदवारों से नामांकन पत्र स्वीकार करना शुरू कर दिया। इसके साथ आगामी आम चुनावों की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शीर्ष चुनाव निकाय ने कहा कि उम्मीदवार सुबह साढ़े आठ बजे से शाम 4.30 बजे तक ईसीपी से फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं और 22 दिसंबर तक अपने नामांकन पत्र को जमा कर सकते हैं। देश में संसदीय चुनाव कराने का कार्यक्रम शुरू होने के साथ ही पहले ही दिन इस्लामाबाद के भीतर तीन निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 82 उम्मीदवारों को नामांकन पत्र मिले।

जबकि, अन्य स्थानों से आंकड़े तत्काल उपलब्ध नहीं हो सके। प्रक्रिया के मुताबिक, चुनाव आयोग 23 दिसंबर को उम्मीदवारों की प्रारंभिक सूची जारी करेगा। जबकि नामांकन पत्रों की जांच 24 से 30 दिसंबर तक होगी। शीर्ष चुनाव निकाय 13 जनवरी को दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न आवंटित करेगा।

इजराइली हमले में हमास का फाइनेंसर ढेर

आईडीएफ ने राफा में घेरकर मार गिराया, गाजा के अल रिमल में एयर स्ट्राइक- 50 की मौत

तेल अवीव, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। इजराइल पर जैसे-जैसे सीजफायर के लिए दबाव बढ़ता जा रहा है। वैसे-वैसे वो गाजा पर हमले तेज कर रहा है। इसका सबूत मंगलवार को मिला, जब इजराइली डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) राफा इलाके में हमास के एक फाइनेंसर को मार गिराया गया।

फिलिस्तीनी न्यूज एजेंसी वफा के मुताबिक, रात करीब 11.45 बजे गाजा सिटी के अल रिमल इलाके में भी इजराइल ने एयर स्ट्राइक की। जिसमें 50 लोगों की मौत हो गई। दूसरी तरफ, इजराइली जांच एजेंसी की पूछताछ में गाजा के कमाल अदवान अस्पताल के पूर्व डायरेक्टर ने बताया है कि हमास ने उसके हॉस्पिटल में बंधकों को छिपाया था। जिन्हें बाद में हटा दिया था। अमेरिकी वेबसाइट 'द मैसेंजर' की रिपोर्ट के मुताबिक- हमास के मारे गए फाइनेंसर का नाम सुभी फेरवाना है। उसके बारे में आईडीएफ को कई दिन से सूचनाएं मिल रहीं थी। बाद में उसे राफा के एक खास इलाके में घेर

लिया गया। यहां ग्राउंड ऑपरेशन के पहले एयरस्ट्राइक की गई। इसमें सुभी मारा गया। इस ऑपरेशन में इजराइल की इंटरनल सिक्योरिटी एजेंसी शिन बेत का अहम रोल रहा। कुछ खबरों में कहा गया है कि इस मिशन को मोसाद की स्पेशल यूनिट ने अंजाम दिया। बहरहाल, आईडीएफ और शिन बेत ने फेरवाना के मारे जाने की पुष्टि एक संयुक्त बयान में की है। फेरवाना दुनिया के कई हिस्सों से कलेक्शन करने के बाद हमास को फंड्स ट्रांसफर करता था। वो खुद भी काफी फंड्स डोनेट करता था। गाजा में जंग के दौरान हमास को उसने काफी पैसा दिया था। इस ऑपरेशन में कुल 25 लोगों के मारे जाने का दावा किया गया है। इनमें एक बच्चा भी शामिल है। इजराइली सेना ने इसकी तस्वीर जारी की है। इजराइल में मंगलवार को कैबिनेट मीटिंग हुई। चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक- मीटिंग में नेशनल सिक्योरिटी मिनिस्टर एतमार गिविर समेत कई मिनिस्टर्स ने आईडीएफ चीफ हेर्जी हालेवी से पूछा कि हमास और इसके आतंकी सरगना कब तक खत्म हो सकेंगे। एक मंत्री ने कहा- क्या आप बता सकते हैं कि हम सबसे बड़ी कामयाबी कब हासिल करेंगे। इस बारे में आप कोई टाइम लाइन बता सकते हैं? इस पर आईडीएफ चीफ ने कहा- लादेन को मारने में अमेरिका को 10 साल लगे थे।

शिव मंदिर में पूजा, पीएम मोदी को अपशब्द कहे

19 की उम्र में पार्टी के चेयरमैन बने बिलावल भुट्टो, क्या पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बन सकेंगे

इस्लामाबाद, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। 2007 की बात है। पाकिस्तान के आम चुनाव में महज 2 महीने बाकी थे। 27 दिसंबर को पाकिस्तान पीपल्स पार्टी की नेता बेनाजीर भुट्टो रावलपिंडी में एक रैली कर अपनी गाड़ी की तरफ बढ़ रही थीं। तभी एक 15 साल के लड़के बिलाल ने उन पर गोली चला दी और फिर धमाका कर खुद को उड़ा दिया।

बेनजीर की हत्या को 3 दिन ही हुए थे कि 30 दिसंबर को 19 साल के लड़के को पार्टी में उनके पद पर बैठा दिया गया। इतनी कम उम्र में पार्टी में चेयरमैन का पद उसे सियासी हुनर की वजह से नहीं मिला था।

दरअसल, चेयरमैन बनने वाला लड़का कोई और नहीं बल्कि पाकिस्तान की इकलौती महिला प्रधानमंत्री रहीं बेनाजीर भुट्टो और आसिफ अली जरदारी का बेटा बिलावल भुट्टो था। अब बेनाजीर की मौत को 16 साल गुजर चुके हैं। पाकिस्तान फिर एक सियासी भूचाल से गुजर रहा है, फरवरी 2024 में चुनाव हैं। नवाज शरीफ 4 साल के देश निकाले के बाद सियासत के लिए मुल्क लौट चुके

हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जेल में कैद हैं। इस बीच पाकिस्तान पीपल्स पार्टी ने एक बार फिर बिलावल पर दांव खेला है। उन्हें पार्टी की तरफ से प्रधानमंत्री पद का दावेदार घोषित किया है।

इस स्टोरी में जानेंगे कि पाकिस्तान के शिव मंदिर मे पूजा करने वाले और पीएम मोदी को अपशब्द कहने वाले बिलावल कौन हैं, क्या वो पाकिस्तान की सियासत के तजुर्बेगार नवाज और पोस्टर बॉय इमरान खान को मात देकर प्रधानमंत्री बन पाएंगे-

सितंबर 1988 में बिलावल भुट्टो जिस परिवार में पैदा हुए, उससे ये तय हो गया था कि वो पाकिस्तान की सियासत से अनछुए नहीं रह सकेंगे। बिलावल पाकिस्तान के आम चुनावों से लगभग दो महीने पहले 21 सितंबर 1988 को पैदा हुए थे, इस चुनाव में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी को जीत हासिल हुई थी।

जब उनकी मां बेनजीर ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली तब बिलावल लगभग 3 महीने के थे। बेनजीर न सिर्फ पाकिस्तान बल्कि पूरे मुस्लिम जगत की पहली महिला प्रधानमंत्री थीं। उनके नाना जुल्फिकार अली भुट्टो पहले पाकिस्तान के राष्ट्रपति और फिर प्रधानमंत्री रह चुके थे।

उनके पिता आसिफ अली जरदारी भी पाकिस्तानी राजनीति के जाने-माने चेहरे थे। हालांकि, बिलावल की मां और नाना की तुलना में आसिफ अली जरदारी की छवि ज्यादा मजबूत नहीं थी। बिलावल जब 2 साल के थे तो जरदारी को जेल जाना पड़ा था। उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। जरदारी पाकिस्तान में मिस्टर 10 परसेंट के नाम से कुख्यात थे।

उन पर आरोप थे कि उन्होंने अपनी पत्नी के प्रधानमंत्री बनने का फायदा उठाकर हर प्रोजेक्ट में 10 परसेंट का कमीशन लिया। 1988 से 2007 तक जरदारी ने 14 साल पाकिस्तान की जेल में बिताए हैं। यानी बिलावल के बचपन के ज्यादातर वक्त उनके पिता जेल में थे।

तनाव के बीच एक चीनी गुब्बारे ने पार की ताइवान की सीमा, मचा हड़कंप

ताइपे, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। अब एक बार फिर चीनी गुब्बारे ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार किया है। दरअसल, ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ताइवान जलडमरूमध्य में एक चीनी सैन्य निगरानी गुब्बारा और बड़े पैमाने पर भेजे गए सैन्य विमान एवं पोत देखे गए हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सुबह छह बजे ताइवान के चारों ओर आठ चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के विमान और तीन पीएलएएन जहाजों के होने की जानकारी मिली। बाद में, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के आठ विमानों में से एक केजे-500 दक्षिण-पश्चिम में ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में घुस गया।

12 हजार फीट पर उड़ते दिखा मंत्रालय ने बताया कि ताइवान की सेना ने लड़ाकू विमानों, नौसेना के पोतों और भूमि-आधारित मिसाइल प्रणालियों के जरिए स्थिति पर नजर रखी। साथ ही जवानों को जवाब देने का काम सौंपा। गुब्बारे को लगभग 12,000 फीट ऊंचाई पर उड़ते हुए देखा गया।

ताइवान में रक्षा मंत्रालय ने आगे कहा कि कीलुंग के 63 समुद्री मील उत्तर-पश्चिम में ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार करने के बाद मंगलवार को एक पीआरसी के गुब्बारे का पता चला। गुब्बारा पूर्व की ओर बढ़ रहा था और बुधवार तड़के गायब हो गया।

गौरतलब है कि चीन आए दिन इस तरह की हरकतें करता रहता है। आए दिन चीनी सेना के विमान ताइवान के इलाके में घुसपैठ करते हैं, जिससे लगातार तनाव की स्थिति बनी हुई है।

अगले 24 घंटे क्यों भारी पड़ने वाले हैं पाकिस्तान पर

क्यों इस्लामाबाद पहुंच रहे हैं एक लाख लोग

इस्लामाबाद, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान पर अगले 24 घंटे बहुत भारी पड़ने वाले हैं। दरअसल पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में चारों ओर से तकरीबन एक लाख से ज्यादा लोग घुसने की फिराक में है। यह वह लोग हैं जो पाकिस्तानी और आईएसआई की ओर से मारे गए मासूम बलूचिस्तानियों का बदला लेने के लिए पाकिस्तान की राजधानी पहुंच रहे हैं। पाकिस्तान की ओर से बिगड़ते हालातों को देखते हुए डेरा गाजा खान इलाके में इस भीड़ को रोकने की कोशिश तो की है, लेकिन हालात बिगड़ते जा रहे हैं। पाकिस्तान में स्थित इस कदर बिगड़ चुकी है कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने सेना से गुजारिश कर कई टुकड़ियों को बॉर्डर से हटाकर इस्लामाबाद में आने की मिन्नतें शुरू कर दी हैं। पाकिस्तान में इस वक्त बहुत ज्यादा उथल-पुथल मची हुई है। इस उथल-पुथल में महत्वपूर्ण मामला बलूचिस्तान के भीतर शुरू हुए अब तक के बड़े प्रदर्शनों में से एक का भी है। विदेशी मामलों के जानकारों के मुताबिक पाकिस्तान के भीतर अगर व्यवस्थाएं चाक चौबंद नहीं रहीं, तो अगले 24 घंटे बड़े भारी पड़ने वाले हैं। दरअसल पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के भीतर तकरीबन एक लाख से ज्यादा लोग अलग-अलग रास्तों से घुसने की फिराक में हैं। यह वे एक लाख लोग हैं, जो बलूचिस्तान के तुरबत से चलते हुए अलग-अलग हिस्सों से 21 दिसंबर को इस्लामाबाद पहुंचने वाले हैं।

राजस्थान विधानसभा सत्र : डोटासरा ने शपथ लेते ही सांसदों के निलंबन का विरोध किया

सदन में हंगामा; स्पीकर के लिए देवनानी ने नामांकन किया

निर्दलीय विधायक ऋतु बनावत ट्रैक्टर चलाकर विधानसभा जाते हुए।

जयपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। 16वीं विधानसभा का पहला सत्र आज से शुरू हो गया है। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल ने अचानक सत्र बुलाने पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह भजन मंडली नहीं है। वहीं संसद में विपक्षी सांसदों के निलंबन पर विरोध जताने के लिए पूर्व सीएम अशोक गहलोत, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट सहित सभी कांग्रेस विधायक काली पट्टी बांधकर सदन में पहुंचे। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शपथ लेने वाली डायस से ही सांसदों के निलंबन का विरोध किया। उन्होंने कहा कि मैं और मेरी पार्टी देश में प्रजातंत्र की हत्या का विरोध करते हैं। इस पर प्रोटेम स्पीकर कालीचरण सराफ ने खड़े होकर कहा कि इसकी अनुमति नहीं है। विधानसभा के इस सत्र में दो दिन विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। गुरुवार को विधानसभा अध्यक्ष के पद का चुनाव होगा। इसके लिए भाजपा की तरफ से वासुदेव देवनानी उम्मीदवार होंगे। कांग्रेस ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

कई विधायकों ने राजस्थानी भाषा में शपथ लेने की कोशिश की, लेकिन नियमों का हवाला देकर प्रोटेम स्पीकर कालीचरण सराफ ने इसकी अनुमति नहीं दी। कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी को राजस्थानी में शपथ लेने पर सराफ ने टोका तो भाटी ने कहा कि नोटिस में डाला था, मेल किया था। विपक्षी विधायकों ने टोका तो उन्होंने कहा कि राजस्थानी भाषा अपना गर्व है, आप ऐसे ही किसी को नहीं टोक सकते हो। इस पर सराफ ने नियमों का हवाला दिया, तब भाटी ने हिंदी में शपथ ली।

वहीं, सूरतगढ़ से कांग्रेस विधायक डूंगराराम गेदार ने राजस्थानी भाषा में शपथ लेने की मांग की, लेकिन प्रोटेम स्पीकर कालीचरण सराफ ने इसकी अनुमति नहीं दी। सराफ ने कहा कि आठवी अनुसूची में शामिल नहीं होने के कारण आप राजस्थानी में शपथ नहीं ले सकते। शिव से निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने राजस्थानी और हिंदी दोनों में शपथ ली। आसन से किरोड़ीलाल मीणा ने आपत्ति की और राजस्थानी में ली गई शपथ को रिकॉर्ड से डिलीट करने के आदेश दिए।

सबसे पहले सीएम भजनलाल शर्मा और उसके बाद डिप्टी सीएम दीया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शपथ ली। फिर एक-एक करके दूसरे विधायकों को शपथ दिलाई जा रही है। हिंडौन (करौली) से कांग्रेस विधायक अनिता जाटव शपथ लेते समय कई शब्द बोल नहीं पाई। वे बार-बार रुक गईं। 199 नए विधायकों को शपथ दिलाने के लिए दो दिन के लिए यह विशेष सत्र बुलाया गया है।

विधानसभा के पहले दिन विधायक निराले अंदाज में पहुंचे। जयपुर की हवामहल सीट से विधायक चुने गए बालमुकुंदाचार्य हनुमानजी की गदा लेकर विधानसभा पहुंचे, तो बयाना से निर्दलीय विधायक ऋतु बनावत ट्रैक्टर चलाकर विधानसभा पहुंची। वहीं, बीकानेर पश्चिम से विधायक जेठानंद व्यास बाइक पर विधानसभा आए।

13 विधायकों ने संस्कृत में ली शपथ

इस बार अच्छी-खासी संख्या में विधायकों ने संस्कृत भाषा में शपथ ली है। गोपाल शर्मा, छगन सिंह, जोगेश्वर गर्ग, जोराराम कुमावत, नोक्षम चौधरी, जेठानंद व्यास, पब्बाराम विश्नोई, महंत प्रतापपुरी, बाबू सिंह राठौड़, दीप्ति माहेश्वरी, कैलाश मीणा ने संस्कृत में शपथ ली। ये सभी भाजपा विधायक हैं। वहीं कांग्रेस के विधायक जुबेर खान और निर्दलीय विधायक युनूस खान ने भी संस्कृत में शपथ ली है।

नए साल में ही हो पाएगा प्रशासनिक फेरबदल

47 आईएएस और 40 आईपीएस की 1 जनवरी को पदोन्नति

कुलदीप रांका, आनंद एवं श्रेया बनेंगे एसीएस

जयपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में बड़े फेरबदल से पहले 47 आईएएस अफसरों के नए साल के पहले ही दिन प्रमोशन होंगे। 1994 बैच के आईएएस कुलदीप रांका, श्रेया गुहा, आनंद कुमार प्रमोट होकर एसीएस बनेंगे। केंद्र में तैनात नरेशपाल गंगवार और रोली सिंह को परफॉर्मा प्रमोशन मिलेगा।

इन सभी 5 अधिकारियों का प्रमोशन मुख्य सचिव वेतन श्रृंखला में होगा। सीएस उषा शर्मा की अध्यक्षता वाली कमेटी ने प्रमोशन सूची पर मुहर लगा दी है। 47 आईएएस को अलग-अलग स्केल में प्रमोशन मिलेगा। कार्मिक विभाग के अनुसार 31 दिसंबर की रात या फिर पहली जनवरी को आदेश जारी होंगे। डीजीपी उमेश मिश्रा के बदलने की चर्चाओं के बीच आईपीएस अधिकारियों के प्रमोशन की मंजूरी मिल गई है। पहली जनवरी को 4 आईपीएस आईजी से एडीजी, 5 डीआईजी से आईजी और 9 एसपी से डीआईजी पद पर पदोन्नत होंगे। इनके अलावा कई अफसरों को सलेक्शन स्केल पदोन्नति मिलेगी।

ये अफसर बनेंगे डीआईजी

2010 बैच के एसपी परिस देशमुख, गगनदीप सिंगला, विकास शर्मा, डॉ. राजीव पचार, राठौड़ विनीत, मनीष अग्रवाल, योगेश दाधीच, मनोज कुमार, राजेंद्र कुमार। 2006 बैच के डीआईजी अंशुमन भौमिया, डॉन के जॉस, राहुल प्रकाश, हेमंत कुमार शर्मा, अनिल टांक।

ये अफसर बनेंगे एडीजी

1999 बैच के आईजी सत्यप्रिया सिंह, रूपिंदर सिंह, भूपेन्द्र साहू व बीएल मीना। 2011 बैच के 12 आईएएस कनिष्ठ प्रशासनिक से चयन वेतन श्रृंखला, 2015 बैच के 13 वरिष्ठ से कनिष्ठ प्रशासनिक वेतन श्रृंखला, 2020 बैच के 5 कनिष्ठ से वरिष्ठ वेतन श्रृंखला में प्रमोट होंगे। उधर, सीएम ने अधिकारियों को 10 दिन में 100 दिन के प्लान का टास्क भी दे रखा है। 2008 बैच के राजन विशाल, अर्चना सिंह, मोहनलाल यादव, महेंद्र सोनी, विजयपाल सिंह, शैली किशनानी, सुषमा अरोड़ा, रश्मि गुप्ता, वंदना सिंघवी विशिष्ट सचिव से सचिव बनेंगे। मुक्तानंद अग्रवाल को परफॉर्मा प्रमोशन मिलेगा।

सीएम भजनलाल शर्मा ने ली शपथ

कांग्रेस विधायक काली पट्टी बांधकर पहुंचे विधानसभा

जयपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। 16वीं राजस्थान विधानसभा के पहले सत्र की बैठक शुरू हो गई है। बैठक में प्रोटेम स्पीकर कालीचरण सर्राफ नव निर्वाचित विधायकों को शपथ दिला रहे है।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा,उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा ने शपथ ग्रहण की है। कांग्रेस नेता वही गोविंद सिंह डोटासरा ने शपथ लेने के बाद कहा देश में जिस तरीके से प्रजातंत्र की हत्या हो रही है उसकी हमारी पार्टी घोर निंदा करती है ,इसका विरोध करते हुए प्रोटेम स्पीकर कालीचरण सर्राफ ने शपथ के अलावा जो भी कहा गया है उसे सदन की कार्यवाही से हटाने का आदेश दिया है। कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल अचानक सत्र बुलाने पर आपत्ति जताई,कहा- यह भजन मंडली नहीं है।

जैसलमेर में मिले दो कोरोना पॉजिटिव

युवकों के परिवार और संपर्क में आए लोगों की जांच, होम आइसोलेट किया

जैसलमेर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। जैसलमेर में दो युवक कोरोना पॉजिटिव पाए गए है। दोनों युवकों में सर्दी-खांसी के लक्षण मिले थे। जांच करने पर रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। टूरिस्ट सीजन के बीच कोरोना पॉजिटिव मिलने पर मेडिकल विभाग अलर्ट हो गया है। सीएमएचओ डॉ. बीएल बुनकर ने बताया कि कोरोना पॉजिटिव युवकों की ट्रैवल हिस्ट्री को खंगाला जा रहा है। दोनों संपर्क में आए लोगों और परिवार का सैंपल लेकर भी जांच के लिए लैब भेजा गया है।

पॉजिटिव युवकों और उनके परिवार को घर में ही रहने की सलाह दी गई है। दोनों युवकों में नए वैरिएंट JN-1 की जांच के लिए सैंपल को बाहर भेजा जाएगा। जिले में इस साल कुल 92 लोग कोरोना पॉजिटिव आए थे। एक डेढ़ा गांव के बुजुर्ग की मौत हो गई थी।

राजेंद्र राठौड़ के आरोप पर बोले भाजपा सांसद कस्वां

वे जयचंद का नाम बताएं; हार के लिए जिम्मेदार ठहराने पर कहा-मेरा कभी नाम नहीं लिया

राजेंद्र राठौड़ — राहुल कस्वां

जयपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ के समर्थकों ने चूरू सांसद राहुल कस्वां पर विधानसभा चुनाव में तारानगर सीट पर हार का ठीकरा फोड़ा है। उधर, राठौड़ ने किसी का नाम लिए बिना जयचंदों को भाजपा से दूर रहने की हिदायत दी है। दो दिन पहले चूरू के तारानगर में राठौड़ की सभा थी। यहां उन्होंने किसी का नाम लिए बिना अपनी हार का जिम्मेदार बीजेपी के नेताओं और भितरघात को बताया। यहां तक कि उनकी जयचंद और विभीषण से तुलना करते हुए उन्हें पार्टी से दूर रहने तक की हिदायत दे डाली।

वहीं, जब राठौड़ चुनाव हार गए थे तो उनके समर्थकों ने इसका जिम्मेदार चूरू सांसद राहुल कस्वां को बता दिया था। अब राठौड़ के इस बयान के बाद खलबली मच गई। मामले पर भास्कर ने कस्वां से बात की। उनका कहना था- ये बात राठौड़ के समर्थक कह रहे हैं, जबकि उन्होंने कभी नाम नहीं लिया था।

ये तो राठौड़ साहब के समर्थक कह रहे हैं, उन्होंने खुद कभी मेरा नाम नहीं लिया है। जयचंद का नाम राठौड़ साहब बताएं। ऐसी कोई बात नहीं है। मैंने और मेरे पिताजी ने जीवनभर विकास की राजनीति की है। जातिगत राजनीति से ऊपर उठकर चुनाव लड़े और जीते हैं। कोई कैसे कह सकता है कि किसी जाति ने वोट दिए और किसी ने नहीं दिए। मैं राठौड़ के पर्चा भरने से लेकर पीएम की सभा तक में गया था। नॉमिनेशन वाले दिन थोड़ी देरी से 3 बजे पहुंचा। प्रचार में दो-तीन बार फील्ड में रहा। फिर मैं कैसे उनकी हार का कारण? प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी को स्थितियों का अंदाजा है, जरूरत पड़ने पर बात होगी। मैं आग्रह करता हूं कि इस तरह के विवाद से मुझे दूर रखा जाए।

वे वरिष्ठ हैं और अच्छे ताल्लुकात हैं। विकास की राजनीति को लेकर हमारे बीच चर्चा अक्सर हुई है। अगर वे मुझसे कुछ पूछते तो निश्चित रूप से जवाब देता। अब समर्थकों की ओर से की गई बातों को लेकर क्या कहूंगा, इसकी जरूरत भी नहीं है। हम एक हैं, साथ हैं। आगे नो कमेंट्स। तारानगर में सभा के दौरान राजेंद्र राठौड़ ने कहा था- किसी कारण से कोई कमी रह गई होगी, लेकिन हे जयचंदो, हे विभीषणो... इतनी मदद कर देना। आपने जो कुछ किया, वो वहीं रहना। हमारी इस पवित्र पार्टी और लोगों के पास आने की कोशिश मत करना।

इस दौरान हार के लिए भितरघात को जिम्मेदार ठहराते हुए बीजेपी नेताओं पर निशाना साधा था। कहा था- इस बार चुनाव में हार हुई है। जनता का फैसला स्वीकार्य है, लेकिन बहुत-से जयचंदों ने भी अपनी भूमिका निभाई। मुंह में राम बगल में छुरी लेकर भी कई लोग सत्ता के नजदीक आने की कोशिश कर रहे हैं। उनके चेहरे से नकाब खींचने के लिए कार्यकर्ता आतुर हैं।

ट्रॉले के टायर के नीचे डेढ़ घंटे दबा रहा इंजीनियर

बोलेरो में बैठे एईएन समेत 4 लोगों की जान गई; प्लान बदला तो आई मौत

अलवर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। अलवर से 25 किलोमीटर दूर अलवर-बहरोड़ हाईवे पर जिंदोली घाटी में राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम के इंजीनियर-टेक्नीशियन की टीम की बोलेरो कार पर ट्रॉला पलट गया। इस भीषण हादसे में जूनियर इंजीनियर राजेश गुर्जर करीब डेढ़ घंटे तक ट्रॉले के टायर के नीचे दबे रहे।

हादसे में राजेश कार से उछल कर बाहर गिरे और ट्रॉले के टायर के नीचे दब गए। इससे उनके दोनों पैर फ्रैक्चर हो गए। जैक लगाकर ट्रॉले को ऊपर उठाया गया और राजेश को निकाला। बाद में क्रेन आने पर बोलेरो में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। इस दर्दनाक हादसे को देखने वालों ने बताया कि सीमेंट से भरा 22 चक्का ट्रॉला बोलेरो कार के ऊपर था। कार बुरी तरह पिचक गई थी।

व्यंग्यकार राजेंद्र यादव को डॉक्टरेट की मानद उपाधि

दौसा, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के महेंद्रगढ़ के एक छोटे से गांव बेवल में जन्मे आजाद की गिनती देश के अग्रणी साहित्यकारों में है। लेखन के शुरुआती दौर में यादव ने पत्रकारिता के साथ ही साहित्य लेखन शुरू किया। उन्होंने अपनी क्षणिकाओं के माध्यम से छोटी-छोटी समस्याओं को मुद्दा बनाकर व्यंग्य के रूप में उठाया। वर्तमान में शिक्षा विभाग में कनिष्ठ लिपिक के पद पर कार्यरत यादव के लिखे लेखों को विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं ने प्रमुखता से प्रकाशित किया। लेखक की आत्महत्या ,अस्पताल बीमार है के अलावा उनकी पुस्तक राव तुलाराम , उम्रकैद, मजाक लोकतंत्र का, लॉकडाउन का भारत, पत्थर बोलते हैं आदि भी प्रकाशित हो चुके हैं। राजेंद्र यादव को साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान के कारण विभिन्न संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। हाल ही में माउंट अल्बर्ट सेंट्रल यूनिवर्सिटी यूएसए द्वारा आजाद को साहित्य साधना के कारण डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है।

दो दिन बारिश का अलर्ट : सीकर के फतेहपुर में 0.5 डिग्री पर पहुंचा पारा

जयपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में आज से मौसम में बदलाव शुरू हो गया। अरब सागर में बने एक वेदर सिस्टम के कारण जोधपुर, उदयपुर और अजमेर संभाग में आज हल्के बादल छाए रहे। इस सिस्टम में मॉइश्चर कम होने से बारिश होने की संभावना बिल्कुल कम है। हालांकि बादल छाने से माउंट आबू में पारा 3 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 2 डिग्री पर आ गया। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि 22 दिसंबर से एक हल्के प्रभाव का वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होगा। इससे बीकानेर, जोधपुर संभाग के अलावा शेखावाटी एरिया में बादल छा सकते हैं और बारिश हो सकती है।

राजस्थान में आज सबसे कम तापमान सीकर के फतेहपुर में 0.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। गलन भरी सर्दी के कारण गाड़ियों, पेड़-पौधों की पत्तियों पर ओस की बूंदें बर्फ में तब्दील हो गई। चूरू में न्यूनतम तापमान गिरकर 3.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। चूरू में पिछले दिन में पारा 3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है और ये गुरुवार को और भी नीचे आ सकता है। रेगिस्तानी शहर जैसलमेर में अचानक सर्दी तेज हो गई। यहां 19 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर था, जो आज गिरकर 7.3 पर आ गया, जो इस सीजन का यहां सबसे कम तापमान है। विशेषज्ञों के मुताबिक उत्तर भारत से वेस्टर्न डिस्टर्बेंस आगे निकल जाने के कारण पहाड़ों से सीधी हवा मैदानी राज्यों में आ रही है, इसी कारण राजस्थान समेत कई राज्यों में आज न्यूनतम तापमान नीचे आ गया।

इन शहरों में छाए बादल

अरब सागर में बने सिस्टम के कारण आज उदयपुर, सिरोही, बाड़मेर, पाली, राजसमंद, भीलवाड़ा, अजमेर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, जोधपुर, जालोर, जयपुर, टोंक, सवाई माधोपुर में आज बादल छाए रहे, जिससे यहां सूरज की तपिश थोड़ी कम रही।

जयपुर मौसम केंद्र के डायरेक्टर राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 22 दिसंबर से एक हल्के प्रभाव का वेस्टर्न डिस्टर्बेंस राज्य पर एक्टिव होगा। इसका असर जोधपुर, बीकानेर संभाग के अलावा शेखावाटी में सीकर, झुंझुनूं में भी देखने को मिलेगा। इन एरिया में 22 से 23 दिसंबर को आसमान में बादल छा सकते हैं और कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हो सकती है। 24 दिसंबर से राज्य के अधिकांश एरिया में मौसम साफ हो जाएगा और तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट होगी।

हत्या कर 3 घंटे लाश के पास बैठा रहा पति

बहन पर कमेंट किया तो पत्नी का गला घोंटा, पुलिस से बचने को बनाई कहानी

जयपुर, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। नेपाल से भारत बुलाकर पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी पति को जयपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने जैकेट की कैप की डोरी से गला घोंटकर पत्नी की हत्या करने की बात कबूल कर ली। आरोपी ने शराब के नशे में पत्नी की हत्या की और 3 घंटे तक शव के पास बैठा रहा। पुलिस ने मंगलवार को आरोपी पति को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसको जेल में भेज दिया गया।

एडिशनल डीसीपी गुरुशरण राव ने बताया कि दोखला (नेपाल) निवासी संदीप मेजर उर्फ विशाल (28) ने अपनी पत्नी संगीता रोका (26) की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। पूछताछ में सामने आया कि संदीप जयपुर में बिजनेसमैन के ड्राइवर था। करीब 5 साल पहले वह नेपाल स्थित अपने गांव गया था। एक शादी में संदीप की मुलाकात संगीता से हुई थी। इस दौरान संदीप ने संगीता से प्यार का इजहार किया। इसके बाद संदीप जयपुर लौट आया। कुछ दिनों तक फोन पर बातचीत के बाद दोनों ने शादी करने का फैसला किया और अपने परिजनों से बात की, लेकिन उन्होंने शादी के लिए मना कर दिया। हालांकि दबाव बनाने पर घरवाले शादी को तैयार हो गए।

शादी के कुछ दिन बाद दहेज के लिए करने लगा टॉर्चर

संदीप 7 महीने पहले शादी के लिए 1 महीने की छुट्टी लेकर काठमांडू गया था। 4 मई 2023 को उसकी संगीता से शादी हुई थी। इसके बाद संदीप काठमांडू स्थित अपने किराए के कमरे पर संगीता को लेकर चला गया था। शादी के कुछ दिनों बाद ही संदीप ने दहेज की मांग को लेकर पत्नी से मारपीट करना शुरू कर दिया था। करीब एक महीने साथ रहने के दौरान कई बार उसके साथ मारपीट की और संगीता पर पीहर से रुपए लाने का दबाव बनाया। छुट्टी खत्म होने पर संगीता को काठमांडू अकेला छोड़कर संदीप जयपुर आ गया। मोबाइल पर बातचीत के दौरान भी संदीप उसे पीहर से रुपए लाने के लिए कहता था। दीपावली से पहले संदीप ने कॉल कर पत्नी संगीता को भारत आने के लिए कहा। जब संगीता ने मना किया तो बिना वजह कमरे का किराया लगने की बात कहकर भारत आने के लिए दबाव बनाया।

इस पर संगीता दीपावली से 4 दिन पहले भारत आ गई। जयपुर आने के बाद संदीप ने संगीता को नेमी सागर कॉलोनी, वैशाली नगर स्थित घर नहीं रखा और बापू नगर में बच्चों की देखरेख के लिए केयर टेकर की नौकरी पर लगा दिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 10 दिसंबर को संगीता की तबीयत खराब हो गई थी। संदीप डॉक्टर से दवा दिलवाने के बाद संगीता को नेमी सागर कॉलोनी स्थित अपने घर ले आया था। यहां भी दहेज की मांग पर दोनों में बहस हो गई थी।

संसद में घुसपैठ के आरोपी के मां-बाप घर में कैद

बोले-अब तो हर कोई शक से देखता है, जवाब देते-देते थक गए हैं

महेश कुमावत

कुचामन, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। मैं अपने बेटे के बारे में क्या बात करूं...किसे क्या-क्या जवाब दूं। हमें तो कहीं का नहीं छोड़ा। मैं तो मामूली आदमी हूं... मजदूरी करता हूं। सुबह घर से निकलता हूं और शाम को लौटता हूं। कभी काम मिल भी जाता है तो कभी नहीं भी मिलता। घर में तीन बेटे हैं, पत्नी है। मजदूरी से जो कुछ मिलता था, उससे काम चल ही रहा था, उसे पता नहीं क्या सूझी। इतना बड़ा कांड कर दिया। अब तो हर आदमी हमें शक की नजर से देखता है, उनके सवालों के जवाब देता-देता थक गया हूं।

ये दर्द है संसद में घुसपैठ मामले में मास्टरमाइंड ललित की मदद करने वाले आरोपी महेश कुमावत (28) के पिता रूपनारायण कुमावत (50) का। महेश इस वक्त दिल्ली पुलिस की गिरफ्त में है। जब से महेश का नाम इस मामले में आया है तब से पिता रूपनारायण काम पर नहीं जा पा रहे हैं। दिनभर मजदूरी कर पत्थर तोड़ने वाले रूपनारायण कभी नहीं थके, लेकिन बेटे की हकीकत सामने आने के बाद टूट से गए।

पूरा परिवार इस घटना के बाद से घर में कैद है। कोई गेट भी खटखटाता है तो खिड़की से पहले झांक कर देखते हैं बाहर कौन आया है। अंजान शख्स चला जाए तो अंदर से ही जवाब देकर खुद को घर में बंद कर लेते हैं। साधारण परिवार का महेश कैसे इस पूरे प्लान का हिस्सा बना। कब वह इस हद तक पहुंचा कि संसद तक को निशाना बनाने की सोच ली और क्यों यह परिवार इन सबसे बेखबर रहा यह सब जानने के लिए टीम रूपनारायण के घर पहुंची। रूपनारायण का घर शहर के पुराने बस स्टैंड से करीब 6 किमी दूर पदमपुरा रोड पर है। यहां अभी ज्यादा आबादी नहीं है, इसलिए इक्का-दुक्का मकान ही है। यहां रूपनारायण के नाम से उसके घर को पहले शायद ही कोई जानता था, लेकिन अब लोग आसानी से बता देते हैं। वो रहा उसका घर। जब हम इस कॉलोनी में पहुंचे तो पहले हमारी बात पड़ोसियों से हुई। नाम न छापने की शर्त पर कुछ लोगों ने बताया कि पूरा परिवार डरा हुआ है। कोई बाहर नहीं निकलता और न ही किसी से बात करते हैं। मीडिया वालों से तो बिल्कुल नहीं। सारी बात सुनकर हम उनके घर पहुंचे। दरवाजा खटखटाया तो पहले खिड़की से देखा। लोकल भाषा में बात की तो खुद रूपनारायण ही बाहर निकले। जब उन्हें पता चला कि हम मीडिया से है तो बात करने से साफ मना कर दिया। कहा- क्या बात करनी है, उससे ही जाकर पूछो, मैं क्या बताऊं। मामूली आदमी हूं, हमारा तो जीना मुश्किल कर दिया। एक ही सांस में वे सब बोल गए और बोलते-बोलते गुस्सा हो गए। कहा- बेटे ने जो कुछ किया है, उसके लिए उसे कड़ी सजा मिले।

श्री श्याम मंदिर में एकादशी महोत्सव कल

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री काँची कामकोटि पीठम् श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति के तत्वावधान में श्री श्याम मन्दिर, काचीगुडा, वीरन्नागुट्टा में शुक्रवार 22 दिसम्बर को मोक्ष एकादशी (वैकुण्ठ एकादशी) के उपलक्ष्य में "मोक्ष एकादशी महोत्सव' मनाया जायेगा। यहाँ एक प्रेस विज्ञप्ति श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति के मंत्री इन्दरकरण सौंथलिया (बडेगाँववाले) के द्वारा दी गई । विज्ञप्ति अनुसार मोक्ष एकादशी महोत्सव के अन्तर्गत विशेष श्रृंगार किया जायेगा। भक्तों के दर्शनार्थ मन्दिर प्रातः 6 बजे से मध्याह्न 12 बजे तक तथा सायं 5 बजे से रात्रि 12 बजे तक खुला रहेगा । रात्रि 8 बजे से मंदिर परिसर में "अपनी सरकार श्याम सरकार' के प्रस्तुति "श्री श्याम संकीर्तन' के अन्तर्गत नगरद्वय के सुप्रसिद्ध भजन गायक मुरारी दाहिमा तथा प्रतीक दाहिमा द्वारा भजन प्रस्तुत किए जायेंगे। मोक्ष एकादशी के आयोजनार्थ श्री श्याम मंदिर सेवा समिति की एक विशेष बैठक बुधवार 20 दिसम्बर को श्री श्याम मन्दिर, काचीगुडा में आयोजित की गई। बैठक में समिति के उपाध्यक्ष कृष्णकुमार बड़ेगाँववाले, मंत्री इंदरकरण अग्रवाल, सहमंत्री रामदेव अग्रवाल, राजकुमार बिग सहित कैलाशचन्द्र अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल तथा प्रहलादराय टिबडेवाल ने भाग लेकर अपने-अपने सुझाव रखे। श्री श्याम मन्दिर सेवा समिति के मंत्री इन्दरकरण सोंथलिया (बडेगाँववाले) ने सभी भक्तों, सदस्यों, दानदाताओं से मोक्ष एकादशी के उपलक्ष्य में मंदिर पधारकर दर्शन एवं प्रसाद लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है ।

28 दिसंबर से गैस सिलंडर मिल सकता है 500 रूपए में

हैदराबाद, 20 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने कहा कि इस महीने दिसंबर की 28 तारीख से गैस सिलंडर 500 रुपए में मिलेगा। इस संदर्भ में तेलंगाना सरकार के नागरिक आपूर्ति विभाग के आधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, महालक्ष्मी योजना के तहत तेलंगाना सरकार इस महीने की 28 दिसंबर 2023 से 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस पार्टी को उम्मीद है कि वह अपने स्थापना दिवस के मौके पर चुनावी वादे पर अमल कर सकेगी। इसके लिए नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारी प्रक्रिया बना रहे हैं। राज्य में कितने गैस उपभोक्ता हैं और किस पर यह योजना लागू होगी, यह तय हो जायेगा। वे इस योजना के लागू होने से सरकारी खजाने पर पड़ने वाले बोझ का हिसाब लगा रहे हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, तेलंगाना में 1.20 करोड़ गैस कनेक्शन हैं। हर महीने 60 लाख सिलेंडर की आपूर्ति की जा रही है। अनुमान है कि अगर राज्य के सभी गैस उपभोक्ताओं को सब्सिडी दी गई तो सरकारी खजाने पर सालाना 3 हजार करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। हालांकि, राज्य में महिलाओं के नाम पर करीब 70 लाख कनेक्शन हैं। ऐसे में लगता है कि सरकार सिर्फ महिलाओं के नाम पर कनेक्शन पर ही सब्सिडी देने का फैसला कर सकती है। हालाँकि, चूंकि गैस कनेक्शन के लिए 'नाम परिवर्तन' विकल्प है, अन्य उपयोगकर्ताओं के पास अपना नाम बदलने की सुविधा है। इसी क्रम में अधिकारी गैस सब्सिडी के लिए गाइडलाइंस बनाने पर काम कर रहे हैं।

11 वर्षीय बच्ची का हृदय प्रत्यारोपण से पुनर्जन्म

तिरुपती, 20 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। 11 वर्षीय बच्ची का हृदय प्रत्यारोपण से पुनर्जन्म हुआ है। इस बारे में मिली तिरुपति डाक्टरी जानकारी के मुताबिक, ग्यारह साल की एक लड़की का अंग प्रत्यारोपण के बाद पुनर्जन्म हुआ। हृदय रोग से पीड़ित एक बच्ची को तिरुपति के श्रीपद्मावती अस्पताल के डॉक्टरों ने नया जीवन दिया। हार्ट ट्रांसप्लांट सर्जरी से उन्हें सांस दी गई। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के तहत आने वाले इस अस्पताल में मंगलवार को अंग प्रत्यारोपण सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी हो गई। डॉक्टरों के मुताबिक, तेलंगाना की एक ग्यारह साल की बच्ची दिल की बीमारी से पीड़ित है. बच्चे की जांच के बाद डॉक्टरों ने फैसला किया कि हृदय प्रत्यारोपण किया जाना चाहिए। जीवन दान ट्रस्ट में नाम दर्ज कराया गया।

हथकरघा श्रमिकों के साथ आयोजित थीम पवेलियन कार्यक्रम में राष्ट्रपति हुई शामिल

हैदराबाद, 20 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। हथकरघा श्रमिकों के साथ आयोजित थीम पवेलियन कार्यक्रम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शामिल हुई। इस संदर्भ में, भारत के राष्ट्रपति ने द्रौपदी मुर्मु ने हथकरघा श्रमिकों के साथ आयोजित थीम पवेलियन कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि बुनाई उद्योग से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को अच्छा रोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने पोचमपल्ली के हथकरघा कपड़े देखे तो उन्हें बहुत खुशी हुई। हथकरघा भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में से एक है। तथा पोचमपल्ली को विश्व ग्रामीण पर्यटन स्थल के रूप में मान्यता मिलना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि हथकरघा कपड़ों का काम बहुत अच्छा है। किसी और को विरासत के रूप में कला देना बहुत बड़ी बात है। हथकरघा क्षेत्र को बचाने के लिए कड़ी मेहनत करने की सलाह दी गई। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह हस्तशिल्प के विकास के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि वह अपने क्षेत्र के लोगों को पोचमपल्ली लाएंगे ताकि इस बेजोड कला से सभी परिचित हो।

राज्य निर्वाचन अधिकारी ने की वीडियो कांफ्रेंसिंग

कुमरम भीम आसिफाबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य निर्वाचन पदाधिकारी विकास राज ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए मतदाता सूची की तैयारी के साथ-साथ चुनावी तैयारी भी पूरी कर ली जाये। लोकसभा चुनाव के संचालन को लेकर अपर समाहर्ता एवं आरडीओ के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग की गयी। समाहरणालय कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंस में अपर समाहर्ता दीपक तिवारी, दसारी वेणु और आरडीओ कदम सुरेश ने भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, राज्य चुनाव अधिकारी ने सुझाव दिया कि कुछ दिनों में संसदीय चुनाव शुरू होने के मद्देनजर सुरक्षित तरीके से चुनाव कराने के लिए सभी कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचक मतदाता सूची का कार्य निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरा कर लिया जाये। वे यह देखना चाहते हैं कि सूची त्रुटिरहित हो। 18 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक व्यक्ति को मतदाता के रूप में पंजीकृत किया जाना चाहिए। इसके लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं और जिन लोगों ने अपना पता बदल लिया है, जैसे परिवर्तन, परिवर्धन आदि के लिए उनके द्वारा किए गए आवेदनों का तुरंत समाधान करने का आदेश दिया गया है। इस कार्यक्रम में तहसीलदार, संबंधित विभाग के अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

जगन ने आदुदम आंध्र योजना शुरू की

ताडेपल्ली, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदुदाम आंध्र का उद्देश्य एक प्रतिभा खोज अभियान चलाना है ताकि आंध्र प्रदेश कई पीवी सिंधु, किदांबी श्रीकांत और अंबाती रायडू पैदा कर सके। जैसा कि सभी आंध्र प्रदेश के पहले खेल महोत्सव आदुदम आंध्र के शुभारंभ का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने जमीनी स्तर पर तैयारियों की जांच करने के लिए आज अपने कैंप कार्यालय में सभी जिला कलेक्टरों और संबंधित अधिकारियों के साथ एक आभासी समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री बोत्चा सत्यनारायण, खेल मंत्री आरके रोजा, आंध्र प्रदेश खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष बायरेड्डी सिद्धार्थ रेड्डी, आंध्र प्रदेश सरकार के खेल सचिव पीएस प्रद्युम्न, और आंध्र प्रदेश खेल प्राधिकरण के वीसी और एमडी ध्यानचंद्र एचएम के साथ आधिकारिक आदुदम आंध्र उपस्थित थे। ब्रांड एंबेसडर, जिनमें पीवी सिंधु, ज्योति सुरेखा, अंबाती रायडू, किदांबी श्रीकांत, साकेत माइनेनी और शेख जाफरीन शामिल हैं। अभियान के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए, सीएम जगन ने बताया, जगनन्ना आरोग्य सुरक्षा का संचालन करने के बाद, हमें एहसास हुआ कि जीवनशैली से संबंधित विकार हमारे समाज में बढ़ रहे हैं। बीमारियों से बचाव का सबसे अच्छा तरीका व्यायाम करना और खेलों में भाग लेना है। इस तरह हम अददुदम आंध्र की अवधारणा लेकर आए। हम खेल के इस उत्सव के माध्यम से जमीनी स्तर से ही अच्छी जीवनशैली बनाए रखने की आदत विकसित करना चाहते हैं।'' समीक्षा बैठक के दौरान सीएम जगन ने सभी जिला कलेक्टरों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि महिलाएं बड़ी संख्या में भाग लें और लड़कियों को खेलों में रुचि पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने उनसे गुणवत्तापूर्ण किटों का वितरण सुनिश्चित करने को भी कहा क्योंकि यह राज्य सरकार का विशेषाधिकार है। इसके अलावा, उन्होंने कलेक्टरों को व्यक्तिगत रूप से आयोजन की निगरानी करने और दक्षता में सुधार करने का निर्देश दिया।

भारतीय मानक ब्यूरो ने बेवरेजेस कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की

हैदराबाद, 20 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो के नियमों के उल्लंघन के चलते मेसर्स न्यू बीएमडबल्यू वाटर एंड बेवरेजेस की तलाशी व जब्ती कार्रवाई की गयी है। इस संदर्भ में, बीआयएस के आधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, ग्रेटर हैदराबाद स्थित भारतीय मानक ब्यूरो(बीआयएस-ब्यूरो आफ इंडियन स्टैन्डर्ड्स) के शाखा कार्यालय के अधिकारियों को जब यह पता लगा कि, मेसर्स न्यू बीएमडबल्यू वाटर एंड बेवरेजेस कंपनी व्दारा भारतीय मानक ब्यूरो के नियमों का उल्लंघन किया है तो तत्संबंधित अधिकारियों ने दोषी पाये गये मेसर्स न्यू बीएमडबल्यू वाटर एंड बेवरेजेस नामक कम्पनी कार्यालय पर तलाशी व जब्ती की कार्रवाई की। बीआईएस अधिकारियों ने आगे बताया कि, उक्त कंपनी का कार्यालय जो सर्वे नं.184, येन्केपल्ली विलेज, मोईनाबाद रंगारेड्डी हैदराबाद तेलंगाना में स्थित है तथा इस कंपनी व्दारा नकली बीआयएस स्टैन्डर्ड मार्क से जुडे वाटर बाटल्स की उत्पत्ति एवं बिक्री की जा रही है। इसके चलते बीआयएस अधिकारियों ने बताया कि मेसर्स न्यू बीएमडबल्यू वाटर एंड बेवरेजेस कंपनी व्दारा तत्संबंधित बीआयएस मानक का उल्लंघन किये जाने के चलते इस कंपनी को सेक्शन 16 व 17 के तहत दोषी पाया गया है तथा कार्रवाई की गयी है। इस मामले में नकली बीआईएस मार्क के उत्पाद उक्त कंपनी से जब्त किये गये उनमें 1 लिटर पीइटी बाटल्स के 223 केसेस, 500 एमएल पीइटी बाटल्स 1139 केसेस, 250 एमएल पीइटी बाटल्स के 335 केसेस शामिल है।

पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करें विद्यार्थी: कोनेरू कृष्णा

कुमरम भीम आसिफाबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जेडीपी अध्यक्ष कोनेरू कृष्णा ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेल में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहिए। 67 वीं स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में राज्य स्तरीय खोखो प्रतियोगिता का शुभारंभ बुधवार को जिला केंद्र के आदर्श गर्ल्स स्पोर्ट्स स्कूल मैदान स्थानीय जेडपीटीसी अरिगेला नागेश्वर राव की उपस्थित में में हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहिए और जिले को अगले स्तर पर ले जाना चाहिए।

खेल में हार-जीत स्वाभाविक है और हारने वाले को निराश नहीं होकर जीतने का प्रयास करना चाहिए। रमैया महबूबाबाद और रमेश महबूबनगर ने पर्यवेक्षकों के रूप में काम किया, जबकि डीएसओ मीना रेड्डी, एसजीएफ सचिव पी. संबाशिव राव और पी. किशोर ने इन खेलों के समन्वयक के रूप में काम किया।इस कार्यक्रम में अली बिन अहमद, सिंगल विंडो के अध्यक्ष, गंधम श्रीनिवास, एएमसी के पूर्व अध्यक्ष डीएसपी एम वेंकटरमण सीआई राजू, रेबेना जेडपीटीसी संतोष, एसीएमओ पी. उद्धव जीसीडीओ शकुंतला एटीडीओ क्षेत्रैया, स्पोर्ट स्कूल के हेडमास्टर नैथम कृष्णराव और जिम्नेजियम के छात्र भी उपस्थित थे।

हिन्दी महाविद्यालय की स्पोर्ट्स यूनिट का चयन

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी महाविद्यालय की फिज़िकल शिक्षा यूनिट के अंतर्गत उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्त्री व पुरुष इंटर कॉलेज फेंसिग चैम्पियनशिप में हिन्दी महाविद्यालय के 9 छात्रों का चयन (साउथ एंड वेस्ट ज़ोन) के लिए हुआ है। आगामी 23 दिसंबर से 26 दिसंबर 2023 को एमजीएम यूनिवर्सिटी, औरंगाबाद (संभाजीनगर) में होगा। इस चैम्पियनशिप में दक्षिण तथा पश्चिमी क्षेत्रों की 80 यूनिवर्सिटियां भाग लेंगी। हिन्दी महाविद्यालय के चयनित छात्रों को प्राचार्या डॉ. बी. श्रीदेवी, उप-प्राचार्या अश्विनी सनपुरकर, वाणिज्य प्राध्यापक डॉ. पी.एस.एम.एल. वसंता, फिज़िकल डायरेक्टर लेफ्टिनेंट आकाश थापा आदि ने सराहना की है।

वीरमगुडा गौशाला में श्री गौमाता यज्ञ एवं तेरहवां वार्षिकोत्सव 25 को

हैदराबाद, 20 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता)। वीरमगुडा स्थित अमीनपुर मंडल संगारेड्डी जिला के प्राकृतिक वातावरण व धार्मिक स्थल पर बसी श्री ब्रहरम्भा मल्लिकार्जुना स्वामी गौशाला मे श्री गौमाता यज्ञ महोत्सव एवं तेरहवां वार्षिक उत्सव सोमवार दिनांक 25 दिसम्बर को भव्यरुप से आयोजित किया जाएगा। गौशाला चेयरमैन सोहनलाल दायमा ने बताया कि हर वर्ष की भांति श्री गौमाता यज्ञ महोत्सव एवं तेरहवां वार्षिक उत्सव आयोजित किया जाएगा। सोमवार 25 दिसम्बर प्रात: 9 बजे से हवन-यज्ञ, महाआरती, गौपूजन व दीप प्रज्वलितकर तेरहवे वार्षिकोत्सव का भव्य शुभारम्भ पदाधिकारीयों व गौभक्तों के सानिध्य मे किया जाएगा। गौशाला प्रागण मे 15000 वर्ग फुट गौमाता का शेड बनाकर सहयोग करने पर महिपाल रेड्डी विधायक पटेनचेरु, लक्ष्मीनारायण दीपककुमार सुंथवाल, सुरेन्द्र अग्रवाल, शिवप्रसाद मनोजकुमार चोकड़ा, सानतना बाबु-कोमल कोठारी, रामदेव गौसेवा समिति निजामापेट का विशेष सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम मे पधारे गौभक्तों के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था मध्यान् 12.15 बजे से कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। महोत्सव को सफल बनाने के लिए ट्रस्ट बोर्ड के सदस्य एवं मासिक गौदानदाता प्रमुखरुप से उपस्थित रहेगे। चैयरमैन सोहनलाल दायमा ने बताया कि दक्षिण भारत की सबसे बड़ी गौशालाओं मे से एक जहां एक हजार से ज्यादा गायों व कबूतरों का संरक्षण होता है। उन्होने बताया कि गौमाता की पुजा-अर्चना, सेवा करने व दर्शन मात्र से ही मानव का कल्याण हो जाता है। जो सच्चे मन से गौमाता की सेवा करता है वो हमेशा सुख- सम्पन्न रहता है। गौसेवार्थ गौभक्तों से निवेदन है तेरहवें वार्षिकोत्सव मे सपरिवार समयपर पधारकर गौपूजन एवं कबूतरों को दाना एवं दान-पुण्यकर लाभ लेवे।

केबीआर पार्क, हैदराबाद में गणेशजी की पूजा-आरती में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, अशोक लाकोटिया, मंसारम अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, सुरेश, सीए नरेंद्र खेतान, गोपाल बल्दवा, पीसी जैन, अशोक अग्रवाल, बद्रीनाथ, विजय कुमार, प्रमोद सरायवाला, इन्द्रजीत सिंह उपस्थित रहे।

कागजनगर नगर पालिका के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

कुमरम भीम आसिफाबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद जिले के कागजनगर नगर पालिका के 24 पार्षद अविश्वास प्रस्ताव के लिए तैयार हैं। बुधवार को 24 पार्षदों ने अध्यक्ष सद्दाम हुसैन और उपाध्यक्ष गिरीश कुमार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया और प्रस्ताव की प्रतियां डीआरओ कदम सुरेश कुमार को सौंपी। इस मौके पर पार्षदों ने कहा कि नगर पालिका में 30 वार्ड पार्षद हैं, फिर भी नगर पालिका में कुछ काम होते हैं।

उन्होंने कहा कि वे विकास में सहयोग नहीं कर रहे हैं और हमेशा की तरह पार्षदों की अनदेखी कर हर मामले में अड़ंगा लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 24 पार्षदों ने एकजुट होकर डीआरओ को अविश्वास प्रस्ताव दिया है, क्योंकि वे नगरपालिका अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ओंटेडु के व्यवहार को सहन नहीं कर सके। कागजनगर नगर पालिका वार्ड पार्षद शिवप्रसाद सागरिका श्रीलता जयचंद्र झाँसी समता सहित 24 वार्ड पार्षदों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

आंगनवाडी शिक्षकों में साड़ियां वितरित

मदनूर, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय आंगनवाड़ी प्रोजेक्ट अधिकारी सुनंदा ने बताया कि बुधवार के दिन मदनूर आंगनवाड़ी प्रोजेक्ट अंतर्गत आने वाले बिचकुंडा और जुक्कल मंडलों के आंगनवाड़ी अध्यापिका व आयम्मा के लिये परियोजना बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी डीडब्ल्यूओ बाबय्या ने मुख्य अतिथि के रूप भाग लेते हुए आंगनवाडी शिक्षकों को गणवेश साड़ियां प्रदान कीं। एसएफपी समन्वयक प्रसाद ने आंगनवाड़ी शिक्षकों को विविध कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम में सीडीपीओ सुनंदा, सेक्टर पर्यवेक्षक देवा, करुणा, कविता, पोषण अभियान समन्वयक बालकृष्ण ने भाग लिया।

जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने जामबाग डिविजन के हिंद नगर में सीवरेज लाइन ओवरफ्लो और न्यू मैनुहाल का काम करवाया। साथ में हैं जामबाग प्रबंधक शेखर, रघु, सनी, और क्षेत्र के लोग।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

तीन नए क्रिमिनल ...

फिर आरोपी अगर घायल को पुलिस स्टेशन या अस्पताल ले जाता है तो उसे कम सजा दी जाएगी। हिट एंड रन केस में 10 साल की सजा मिलेगी। मॉब लिंचिंग में फांसी की सजा होगी। स्नैचिंग के लिए कानून नहीं था, अब कानून बन गया है। किसी के सिर पर लाठी मारने वाले को सजा तो मिलेगी, इससे ब्रेन डेड की स्थिति में आरोपी को 10 साल की सजा मिलेगी। शाह ने कहा-नए कानून में अब पुलिस की भी जवाबदेही तय होगी। अब कोई गिरफ्तार होगा तो पुलिस उसके परिवार को जानकारी देगी। पहले यह जरूरी नहीं था।

किसी भी केस में 90 दिनों में क्या हुआ, इसकी जानकारी पुलिस पीड़ित को देगी।

देश में कई केस लटके हुए हैं, बॉम्बे ब्लास्ट जैसे केसों के आरोपी पाकिस्तान जैसे देशों में छिपे हैं। अब उनके यहां आने की जरूरत नहीं है। अगर वे 90 दिनों के भीतर कोर्ट के सामने पेश नहीं होते हैं तो उसकी गैरमौजूदगी में ट्रायल होगा।

सोनिया बोलीं-सरकार ...

ऐसा करके उन्होंने संसद की गरिमा के प्रति तिरस्कार और देश की जनता के प्रति अपनी उपेक्षा जाहिर की है।

इस सत्र में जम्मू-कश्मीर से जुड़े कुछ अहम बिलों को पास किया गया। जो लोग जवाहरलाल नेहरू जैसे महान देशभक्त को बदनाम करने के लिए इतिहास को तोड़ते-मरोड़ते हैं और ऐतिहासिक तथ्यों के साथ छेड़खानी करते हैं, वे लंबे समय से कैंपेन चला रहे हैं। इन कैंपेन की अगुआई पीएम और होम मिनिस्टर कर रहे हैं, लेकिन हम डरने या झुकने वाले नहीं हैं। हम सच सामने लाते रहेंगे।

लोकसभा से आज ...

लोकसभा कार्यवाही के दौरान तख्तियां दिखाने के आरोप में विपक्ष के सांसद सी थॉमस और ए एम आरिफ को निलंबित किया गया हैं।

13 दिसंबर को संसद की सुरक्षा में चूक की घटना के बाद से ही विपक्ष आक्रमक दिखाई दे रहा है, जिसको लेकर कार्यवाही के दौरान विपक्ष जमकर हंगामा कर रहा है। विपक्ष की मांग है कि सुरक्षा की चूक मामले में सदन में चर्चा की जाए। अब तक 143 सांसद शेष शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित किए जा चुके हैं। बुधवार को लोकसभा में हंगामा करने और तख्तियां दिखाने के आरोप में विपक्षी सांसद सी थॉमस और सांसद ए एम आरिफ को निलंबित सांसदों की सूची में डाल दिया गया है। पिछले हफ्ते गुरुवार को लोकसभा के 13 सांसद और राज्यसभा से एक सांसद को निलंबित किया गया था। वहीं, सोमवार को लोकसभा से 33 और राज्यसभा से 45 सासंदों को निलंबित किया गया थे। मंगलवार को लोकसभा के 49 सांसदों पर कार्रवाई की गई थे। बुधवार को लोकसभा की कार्यवाही के दौरान दो अन्य सांसद को निलंबित किया गया हैं।

बता दें मंगलवार को लोकसभा सचिवालय ने एक सर्कुलर जारी करते हुए कहा कि निलंबित सांसदों को सदन में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। बुधवार को निलंबित विपक्षी सांसद लगातार संसद परिसर में केंद्र के खिलाफ हंगामा कर रहे हैं। गांधी प्रतिमा के सामने विपक्षी सांसदों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई विपक्षी दलों के सांसद मौजूद थे।

पहली बार पन्नू ...

भारतवंशी सांसदों ने कहा था-पन्नू केस रिश्तों को खतरे में डाल सकता है

16 दिसंबर 2023 को पांच भारतवंशी अमेरिकी सांसद एमी बेरा, प्रमिला जयपाल, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति और श्री थानेदार ने कहा था-पन्नू की हत्या की साजिश मामले में जांच नहीं हुई तो भारत और अमेरिका के रिश्ते खतरे में पड़ सकते हैं। यह बेहद गंभीर मामला है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों का ऐलान

चिराग-सात्विक को खेल रत्न, शमी को अर्जुन अवॉर्ड

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन स्टार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को खेल रत्न के लिए चुना गया है। मेजर ध्यानचंद खेल रत्न भारत का सर्वोच्च खेल सम्मान है जो भारत के यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स मिनिस्ट्री द्वारा हार साल दिया जाता है। वहीं तेज गेंदबाज मोहममद शमी को अर्जुन अवॉर्ड मिलेगा।

मिनिस्ट्री ने बुधवार, 20 दिसंबर को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2023 की घोषणा की। मंत्रालय की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अवॉर्ड सेरेमनी 9 जनवरी, 2024 (मंगलवार) को 11:00 बजे राष्ट्रपति भवन में होगी, जहां सभी खिलाड़ियों को अवॉर्ड दिया जाएगा।

शमी ने वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लिए

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के नाम की सिफारिश वर्ल्ड कप 2023 में शानदार प्रदर्शन के आधार पर की गई है। उन्होंने 7 मैचों में सबसे ज्यादा 24 विकेट लिए थे। वर्ल्ड कप फाइनल में हार के बाद जब पीएम मोदी टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में पहुंचे थे, तो उन्होंने भी शमी को गले लगाकर उनके प्रदर्शन की तारीफ की थी।

चिराग-सात्विक की जोड़ी ने इस साल 3 बीडब्ल्यूएफ टाइटल जीते

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने इस साल शानदार प्रदर्शन किया है। इस जोड़ी ने 3 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल जीते हैं। इस जोड़ी ने इंडोनेशिया सुपर 1000, कोरिया सुपर 500 और स्विस सुपर 300 के खिताब जीते हैं। इस जोड़ी को नवंबर के अंत में चाइना मास्टर्स 750 के फाइनल में पराजय का सामना करना पड़ा।

5 कोच बनेंगे द्रोणाचार्य

कोचिंग में सबसे बड़े अवॉर्ड के लिए 5 लोगों को नामित किया गया है। इनमें गणेश प्रभाकरन (मल्लखंभ), महावीर सैनी (पैरा एथलेटिक्स), ललित कुमार (कुश्ती), आरबी रमेश (शतरंज) और शिवेंद्र सिंह (हॉकी) शामिल हैं।

मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी 2023

गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर (विनर), लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पंजाब (फर्स्ट रनर-अप), कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र (फर्स्ट रनर-अप)।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार में सम्मानित किए जाएंगे ये एथलीट

खेल रत्न अवॉर्ड

नाम	खेल
चिराग शेट्टी	बैडमिंटन
सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी	बैडमिंटन

अर्जुन अवॉर्ड

नाम	खेल
ओजस प्रवीण देवताले	तीरंदाजी
आदिति गोपीचंद स्वामी	तीरंदाजी
श्रीशंकर	एथलेटिक्स
पारुल चौधरी	एथलेटिक्स
मोहम्मद हुसामुद्दीन	बॉक्सिंग
आर वैशाली	शतरंज
मोहम्मद शमी	क्रिकेट
अनुश अग्रवाल	घुड़सवारी
दिव्यकृति सिंह	घुड़सवारी ड्रेसेज
दीक्षा डागर	गोल्फ
कृष्ण बहादुर पाठक	हॉकी
सुशीला चानु	हॉकी
पवन कुमार	कबड्डी
रितु नेगी	कबड्डी
सरीन	खो-खो
पिंकी	लॉन बॉल्स
ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर	शूटिंग
ईशा सिंह	शूटिंग
हरिंदर पाल सिंह	स्क्वैश
अयहिका मुखर्जी	टेबल टेनिस
सुनील कुमार	रेसलिंग
अंतिम	रेसलिंग
रोशी बिना देवी	वुशु
शीतल देवी	पैरा आर्चरी
अजय कुमार	ब्लाइंड क्रिकेट
प्राची यादव	पैरा कैनोइंग

रोहित को कप्तानी से हटाना कठिन और इमोशनल डिसीजन था

जयवर्धने ने फैसले के बारे में बताया; एमआई को 5 खिताब दिला चुके हैं रोहित

मुंबई, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग की पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने हाल ही में रोहित शर्मा को हटाकर हार्दिक पंड्या को टीम का नया कप्तान घोषित किया। फ्रेंचाइजी के इस फैसले से फैंस काफी निराश हैं और सोशल मीडिया के जरिए अपना गुस्सा निकाल रहे हैं।

फैंस की नाराजगी को देखते हुए टीम के ग्लोबल डायरेक्टर जयवर्धने ने बयान दिया है। उन्होंने कहा, यह एक कठिन निर्णय था। ईमानदारी से कहूं तो यह इमोशनल डिसीजन था। हम क्रिकेट प्रेमियों की भावनाओं का कद्र करते हैं। मुझे लगता है कि हर कोई भावुक है और हमें इसका भी सम्मान करना होगा। लेकिन, साथ ही एक फ्रेंचाइजी के रूप में आपको ऐसे निर्णय लेने होते हैं।

पंड्या को 15 दिसंबर को टीम का नया कप्तान घोषित किया गया

पंड्या को 15 दिसंबर को टीम का नया कप्तान घोषित किया गया था। गुजरात टाइटंस के पूर्व कप्तान रोहित की जगह लेंगे, जिनके नाम पांच आईपीएल खिताब हैं। नवंबर में रिटेंशन की समयसीमा से पहले पंड्या को जीटी से एमआई में ट्रेड किया गया था। पंड्या के लिए दोनों फ्रेंचाइजी के बीच ऑल कैश डील हुई थी।

गुजरात को पहली बार में चैंपियन बनाया

मुंबई की फ्रेंचाइजी ने कप्तानी के लिए रोहित शर्मा के बाद हार्दिक पंड्या पर भरोसा जताया है।

पंड्या ने पहले ही सीजन में गुजरात टाइटंस को चैंपियन बनाया था। गुजरात की टीम 2022 के सीजन में चैंपियन बनी और 2023 में रनरअप रही। गुजरात टाइटंस ने पंड्या के जाने के बाद शुभमन गिल को कप्तान बनाया है।

मुंबई के 5वें रेग्युलर कप्तान होंगे पंड्या

हार्दिक पंड्या मुंबई इंडियंस के 5वें रेग्युलर कप्तान होंगे। उनसे पहले रोहित शर्मा, रिकी पोंटिंग, हरभजन सिंह और सचिन तेंदुलकर टीम की कप्तानी कर चुके हैं।

आईपीएल की दूसरी सबसे सफल टीम

मुंबई इंडियंस आईपीएल की सबसे सफल टीमों में से एक है। टीम ने अब तक 5 खिताब जीते हैं। फ्रेंचाइजी सबसे ज्यादा आईपीएल टाइटल जीतने के मामले में चेन्नई सुपरकिंग्स के बराबर है, चेन्नई ने भी 5 खिताब जीते हैं। साथ ही चेन्नई की टीम 6 बार रनरअप रही है, जबकि मुंबई इंडियंस एक ही बार रनरअप रही है। इसलिए सीएसके लीग की सबसे सफल टीम है।

भारत के 5 स्टार, जिन्हें ऑक्शन में नहीं मिला कोई खरीदार

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 के लिए नीलामी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। ऑक्शन के दौरान सभी टीमों को अपनी कमजोर कड़ी को सुधारते हुए देखा गया। इस दौरान कई टीमों के बीच खिलाड़ियों को अपने बेड़े में शामिल करने के लिए कड़ी जद्दोजहद भी देखी गई। हालांकि, कुछ ऐसे खिलाड़ी भी रहे जिनपर टीमों ने गौर करना भी मुनासिब नहीं समझा। बात करें आईपीएल 2024 नीलामी के पांच ऐसे बड़े खिलाड़ियों के बारे में जिनको लेकर उम्मीद जताई जा रही थी कि ऑक्शन के दौरान उनपर बड़ी लग सकती है, लेकिन बोली तो दूर उन्हें कोई खरीदार भी नहीं मिला है, तो उनके नाम इस प्रकार हैं-

करुण नायर:

खास लिस्ट में सबसे पहला नाम करुण नायर का आता है। नायर भारतीय टीम के साथ-साथ आईपीएल में भी शिरकत कर चुके हैं। उम्मीद थी इस बार उन्हें किसी टीम का जरुर साथ मिल जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। 32 वर्षीय नायर इस बार भी अनसोल्ड रहे हैं।

सरफराज खान:

सरफराज खान मौजूदा समाय में घरेलू क्रिकेट के बड़े नाम हैं। पिछले कुछ सीजन से वह आईपीएल में लगातार शिरकत भी कर रहे थे, लेकिन इस बार उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला है। सरफराज ने आईपीएल अबतक कुल 50 मुकाबलों में शिरकत की है। इस बीच उनके बल्ले से 37 पारियों में 22.5 की औसत से 585 रन निकले हैं।

मनन वोहरा:

मनन वोहरा को भी इस बार किसी टीम का साथ नहीं मिला है। उनकी उम्दा बल्लेबाजी को देखते हुए उम्मीद जताई जा रही थी कि कोई न कोई टीम तो अपने बेड़े में शामिल कर ही लेगी, लेकिन दिन के आखिर में फैसला हैरानी भरा रहा। आईपीएल में उन्होंने कुल 56 मैच खेले हैं। इस बीच उनके बल्ले से 51 पारियों में 22.1 की औसत से 1083 रन निकले हैं।

इशान पोरेल:

इशान पोरेल घरेलू क्रिकेट के उभरते हुए युवा सितारा हैं। नीलामी में वह 20 लाख की बेस प्राइस के साथ मैदान में उतरे थे, लेकिन उनमें किसी भी टीम ने दिलचस्पी नहीं दिखाई है। पोरेल ने आईपीएल में अबतक महज एक मुकाबला खेला है। इस बीच उन्हें एक सफलता हाथ लगी है।

मुरुगन अश्विन:

घरेलू क्रिकेट के अनुभवी स्पिनर मुरुगन अश्विन को भी इस बार कोई खरीदार नहीं मिला है। मुरुगन 20 लाख की बेस प्राइस के साथ मैदान में उतरे थे। मुरुगन अश्विन के पास आईपीएल में शिरकत करने का लंबा अनुभव है। उन्होंने यहां 44 मैच खेलते हुए 44 पारियों में 33.2 की औसत से 35 विकेट चटकाए हैं।

अंतरराज्यीय-अंतर क्षेत्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप

एएआई पुरुष और महाराष्ट्र महिला वर्ग में चैंपियन

गुवाहाटी, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। महिला वर्ग के फाइनल में महाराष्ट्र की श्रुति मुंदादा, अलीशा नाइक और सिमरन सिंघी एवं ऋतिका ठाकर की युगल जोड़ी ने लगातार जीत के साथ टीम को चैंपियन बनाने में मदद की।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने यहां 75वीं अंतरराज्यीय-अंतर क्षेत्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में दमदार प्रदर्शन से मंगलवार को पुरुष टीम वर्ग का खिताब जीता और महिला वर्ग में उपविजेता रहा। एएआई ने पुरुषों के फाइनल में कर्नाटक को 3-0 से हराया।

महिलाओं की स्पर्धा में भी एएआई की टीम फाइनल में पहुंची लेकिन उन्हें महाराष्ट्र से हार का सामना करना पड़ा। पुरुष वर्ग के फाइनल में थारुन मन्नेपल्ली और मैसनाम मीराबा ने एकल जबकि अलाप मिश्रा एवं रविकृष्ण की जोड़ी ने युगल मुकाबले को जीत कर एएआई का दबदबा कायम किया।

महिला वर्ग के फाइनल में महाराष्ट्र की श्रुति मुंदादा, अलीशा नाइक और सिमरन सिंघी एवं ऋतिका ठाकर की युगल जोड़ी ने लगातार जीत के साथ टीम को चैंपियन बनाने में मदद की।

हार्दिक को दूसरा बड़ा सम्मान

सविता तीसरी बार एफआईएच के वार्षिक पुरस्कार से हुईं सम्मानित

लुसाने, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर हार्दिक सिंह और महिला टीम की कप्तान सविता को एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) के सालाना पुरस्कार में साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और साल की सर्वश्रेष्ठ महिला गोलकीपर चुना गया।

विजेताओं का चयन एक विशेषज्ञ पैनल द्वारा किया जाता है जिसमें राष्ट्रीय संघ (राष्ट्रीय टीमों के कप्तान और कोच), मीडिया के प्रतिनिधियों के अलावा प्रशंसकों का मतदान शामिल होता है। देश के लिए 114 मैच खेल चुके हार्दिक को भारतीय हॉकी का भविष्य माना जाता है।

उनके खेल में इसकी झलक भी दिखी है। वह टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य थे। हार्दिक का यह साल का दूसरा बड़ा पुरस्कार है। उन्हें इससे पहले हॉकी इंडिया ने साल 2022 के लिए बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार (साल का सर्वश्रेष्ठ भारतीय खिलाड़ी) से सम्मानित किया था।

सविता ने लगातार तीसरी बार इस खिताब को अपने नाम किया है। भारतीय गोलकीपर 2023 में शानदार लय में रही है। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैचों से लेकर हांगझोऊ एशियाई खेलों में उन्होंने लगातार प्रभावित किया।

इस 33 साल की खिलाड़ी ने अक्तूबर में भारत में आयोजित एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत को विजेता बनाने में अहम भूमिका निभाई।

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 75 रन से हराया

टी20 में एक पारी में सर्वाधिक रन बनाने वाले बैटर बने सॉल्ट, 59 गेंद में 119 रन जड़े

त्रिनिदाद, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने फिल सॉल्ट के लगातार दूसरे शतक की मदद से वेस्टइंडीज को त्रिनिदाद में खेले गए चौथे टी-20 मैच में 75 रन से हराया। इसके साथ ही ब्रिटिश टीम ने 5 टी-20 मैचों की सीरीज में 2-2 की बराबरी कर ली है।

सॉल्ट ने 59 गेंदों में 119 रन की पारी खेली। यह इंग्लैंड की ओर से टी-20 की एक पारी में सर्वोच्च स्कोर है। सॉल्ट ने पारी में 10 छक्के भी जड़े।

इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए करते हुए 3 विकेट के नुकसान पर 267 रन बनाए। वहीं 268 रन के टारगेट का पीछा करने उरती वेस्टइंडीज की पूरी टीम 15.3 ओवर में 192 रन पर ढेर हो गई।

इंग्लैंड का पहल विकेट 117 रन पर गिरा

टॉस हार कर बैटिंग करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत काफी अच्छी रही। इंग्लैंड को पहला झटका 117 रन पर लगा। ओपनर जोस बटलर ने 29 गेंदों पर 55 रन बनाकर जेसन होल्डर की गेंद पर रोवमन पॉवेल को कैच देकर पवेलियन लौट गए।

वहीं सॉल्ट ने 57 गेंदों पर 119 रन बनाए। इन दोनों के अलावा लियाम लिविंगस्टोन 21 गेंदों पर 54 रन और विल जैक्स ने 9 गेंदों पर 24 रन बनाए।

वेस्टइंडीज की खराब शुरुआत

268 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की खराब शुरुआत रही। वेस्टइंडीज को पहला झटका 1 रन के स्कोर पर लगा। ओपनर ब्रैंडन किंग ओवर की पहली गेंद पर ही पवेलियन लौट गए। उसके बाद निकोलस पूरन ने काइल मेयर्स के साथ 10 गेंदों पर 32 रन की पार्टनरशिप की।वहीं वेस्टइंडीज के लिए सबसे बड़ी साझेदारी आंद्रे रसेल और अकिल हुसैन के बीच हुई। दोनों ने 21 गेंदों पर टीम के लिए 40 रन बनाए।

शुभमन गिल, रोहित, कोहली के बाद केएल राहुल ने इस साल किया यह खास कमाल, द्रविड़ का 19 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा

नई दिल्ली, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में कप्तानी कर रहे केएल राहुल ने दूसरे वनडे मुकाबले में प्रोटियाज के खिलाफ कप्तानी पारी खेली और 56 रन बनाए। इस मैच में केएल राहुल के अलावा ओपनर बल्लेबाज साई सुदर्शन ने भी 62 रन की पारी खेली और इन दोनों की अर्धशतकीय पारी के दम पर भारत ने 212 रन का स्कोर साउथ अफ्रीका के सामने खड़ा किया।

इस मैच में इन दोनों को छोड़कर अन्य भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। केएल राहुल ने अपनी इस पारी के दम पर साल 2023 में वनडे में 1000 रन पूरे किए और युवराज सिंह, एमएस धोनी, राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों की इस एलीट लिस्ट में शामिल हो गए।

केएल राहुल ने दूसरे वनडे मुकाबले में भारत के लिए 56 रन की पारी खेली और यह रन उन्होंने 7 चौकों की मदद से 64 गेंदों का सामना करते हुए बनाया। इस मैच में साउथ अफ्रीका के गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया और भारत को सिर्फ 212 रन के स्कोर पर रोक दिया। हालांकि केएल राहुल ने इस पारी के दम पर साल 2023 में वनडे में अपने 1000 रन पूरे कर लिए और इस साल में वह भारत के लिए 1000 रन का आंकड़ा पार करने वाले चौथे बल्लेबाज बने। इस साल में वनडे में भारत के लिए इससे पहले शुभमन गिल, विराट कोहली और रोहित शर्मा यह कमाल कर चुके हैं।

केएल राहुल ने इस साल वनडे में 1000 रन का आंकड़ा छू लिया और वह भारत की तरफ से वनडे में एक साल में 1000 रन का आंकड़ा छूने वाले मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में छठे नंबर के बल्लेबाज बने। भारत की तरफ से बतौर मध्यक्रम बल्लेबाज एक साल में 1000 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज केएल राहुल से पहले युवराज सिंह, एमएस धोनी, मो. अजरुद्दीन, अजय जडेजा और राहुल द्रविड़ थे। यही नहीं मध्यक्रम यानी 4 से 7 नंबर के बीच एक साल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में वह पांचवें नंबर पर आ गए और राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 13 साल पहले यानी साल 2004 में 1025 रन बनाए थे। केएल राहुल के अब इस साल में 1039 रन हो गए हैं।

वनडे में एक साल में किसी भारतीय मध्यक्रम बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक रन

1107 रन – युवराज सिंह (2007)
1097 रन – एमएस धोनी (2008)
1079 रन – मो. अजरुद्दीन (1997)
1047 रन – अजय जडेजा (1999)
1039 रन – केएल राहुल (2023)
1025 रन – राहुल द्रविड़ (2004)

भारतीय हॉकी टीम को जर्मनी से मिली हार

पिछले मैच में बेल्जियम से मिली थी शिकस्त

वेलेंसिय, 20 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का पांच देशों के टूर्नामेंट में लचर प्रदर्शन जारी रहा जब यहां जर्मनी के खिलाफ 2-3 की हार से उसे लगातार तीसरी पराजय का सामना करना पड़ा। भारत के लिए पहले हाफ में अभिषेक और शमशेर सिंह ने गोल दागे।

जर्मनी ने हालांकि दो गोल से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए माल्टे हेलविग (28वें मिनट), क्रिस्टोफर रुहर (50वें मिनट) और गोंजालो पेइलाट (51वें मिनट) के गोल से जीत दर्ज की। इससे पहले भारत को स्पेन के खिलाफ 0-1 और बेल्जियम के खिलाफ 2-7 से शिकस्त झेलनी पड़ी थी। भारत ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले क्वार्टर में अभिषेक और शमशेर के गोल से 2-0 की बढ़त बनाई। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

कालेश्वरम परियोजना के लिए 97,499 करोड़ रुपये का कर्ज : सीएम

श्वेत पत्र जारी करने का मुख्य उद्देश्य सही तथ्यों को सामने लाना

'ऋण के लिए बैंकों से संपर्क करने के समय, बीआरएस सरकार ने वादा किया था कि किसानों, उद्योगों, निवासियों को पानी की आपूर्ति की जाएगी

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने कालेश्वरम परियोजना के लिए एक विशेष निगम की स्थापना की थी और 97,499 करोड़ रुपये उधार लिया था। बुधवार को विधानसभा में 'तेलंगाना राज्य वित्त-श्वेत पत्र' पर एक संक्षिप्त चर्चा में भाग लेते हुए, मुख्यमंत्री ने विधानसभा के पूर्ण सदन में कालेश्वरम परियोजना के बारे में झूठ बोलने के लिए सिंचाई परियोजनाओं के मामले में पिछली केसीआर सरकार द्वारा लिए गए कर्ज पर पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक हरीश राव की गलती पाई और विवरण का खुलासा किया। मुख्यमंत्री ने कहा, 'ऋण के लिए बैंकों से संपर्क करने के समय, बीआरएस सरकार ने वादा किया था कि किसानों, उद्योगों, निवासियों को पानी की आपूर्ति की जाएगी और वह कालेश्वरम परियोजना के निर्माण के बाद उनसे धन एकत्र करेगी।' उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार कालेश्वरम परियोजना के नाम पर ऋण लेकर आई थी, लेकिन उसने उपयोगिता ऋण ठीक से नहीं दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था पर श्वेत पत्र जारी करने का मुख्य उद्देश्य तथ्यों को लोगों के सामने रखना और राज्य की वित्तीय स्थिति की वास्तविक स्थिति का खुलासा करना है।

बीआरएस सरकार ने तेलंगाना की वित्तीय मजबूती की नींव रखी : हरीश

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री हरीश राव ने आज कहा कि पिछली बीआरएस सरकार ने तेलंगाना राज्य की वित्तीय मजबूती के लिए मजबूत नींव रखी थी, भले ही कांग्रेस सरकार उनकी टिप्पणियों से सहमत होगी या नहीं? उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी की सरकार ने प्रगति के व्यापक रास्ते बनाए हैं। उन्होंने कहा कि नई सरकार को उन रास्तों पर आगे बढ़ना चाहिए और राज्य के विकास को केंद्र बनाकर जनता के साथ काम करना चाहिए। राजनीतिक प्रतिशोध के इर्द-गिर्द घूमने की प्रवृत्ति के विपरीत, अगर वे विकास की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो यह उनके लिए अच्छा है। यह लोकतांत्रिक प्रणालियों के लिए अच्छा है, उन्होंने कहा। उन्होंने राज्य के वित्त पर राज्य सरकार द्वारा जारी श्वेत पत्र पर चर्चा में भाग लेते हुए ये टिप्पणी की। इस अवसर पर बोलते हुए, हरीश राव ने कहा कि श्वेत पत्र पर नजर डालें तो इसका उद्देश्य राज्य के लोगों की भलाई के बजाय राजनीतिक विरोधियों पर तथ्यों को तोड़-मरोड़कर हमला करना है। उन्होंने कहा कि उन्होंने श्वेत पत्र के पृष्ठ 5 पर कर्नाटक राज्य के लिए बजट अनुमान और व्यय पर सीएजी रिपोर्ट देखी है। इसमें से बजट अनुमान 2,31,142 करोड़ रुपये दिखाया गया थाष खर्च भी 2,61,932 करोड़ रुपये दिखाया गया। सीएजी रिपोर्ट के आधार पर यह 2,54,525 करोड़ रुपये है। लगभग 7,000 करोड़ रुपये का व्यय अधिक दिखाया गया है। उन्होंने कहा और कहा कि विवरण त्रुटियों के साथ दर्ज किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार को बदनाम करने के लिए श्वेत पत्र पेश किया गया है।

एससीआर को टीएसआरईडीसीओ से पांच और एपीएसईसी से दो ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार मिले

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने तेलंगाना राज्य नवीकरणीय ऊर्जा विकास निगम (टीएसआरईडीसीओ) और राज्य ऊर्जा मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत 'तेलंगाना राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार-2023' (टीएसईसी) में पांच पुरस्कार जीते। ये पुरस्कार राज्य सरकार द्वारा दुधवार को 'द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, विश्वेश्वरैया भवन, हैदराबाद में आयोजित एक समारोह में प्रदान किए गए।

एससीआर ने आंध्र प्रदेश राज्य ऊर्जा संरक्षण मिशन द्वारा प्रस्तुत "आंध्र प्रदेश राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार- 2023"(एपीएसईसी पुरस्कार) में भी दो पुरस्कार जीते। ये पुरस्कार 20 दिसंबर को विजयवाड़ा के विवांता होटल में आयोजित एक समारोह में प्रदान किए गए हैं। टीएसईसी पुरस्कारों में रेलवे स्टेशन भवन श्रेणी में नलगोंडा रेलवे स्टेशन के लिए स्वर्ण पुरस्कार, सरकारी भवन श्रेणी में लेखा भवन (एससीआर लेखा कार्यालय भवन) के लिए स्वर्ण पुरस्कार, रेलवे स्टेशन भवन श्रेणी में काचीगुडा रेलवे स्टेशन के लिए रजत पुरस्कार, सरकारी भवन श्रेणी में यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) भवन, हैदराबाद के लिए रजत पुरस्कार मध्यम उद्योग श्रेणी में कैरिज वर्कशॉप, लालागुडा के लिए रजत पुरस्कार मिला है। एपीएसईसी पुरस्कारों में भवन श्रेणी में गुंतकल मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय भवन के लिए स्वर्ण पुरस्कार, भवन श्रेणी में गुंटूर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय भवन के लिए रजत पुरस्कार मिला है। पुरस्कार सबंधित मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधकों और मंडल विद्युत अधिकारियों को प्राप्त हुए हैं। वर्ष 2022-23 के दौरान ऊर्जा के कुशल उपयोग, ऊर्जा संरक्षण, अनुसंधान और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए व्यवस्थित और गंभीर प्रयासों के लिए तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्य में स्थित भवनों व स्टेशनों के लिए पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। हितधारकों का चयन उस विशेष श्रेणी में ऊर्जा संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों और योगदान के आधार पर किया जाता है। पुरस्कार न केवल मात्रात्मक उपलब्धियों के आधार पर बल्कि अपनाई जा रही नवीन तकनीकों और तकनीकों जैसे विभिन्न अन्य कारकों पर भी विचार करके तय किए जाते हैं। इन पुरस्कारों के मूल्यांकन के लिए अन्य क्षेत्रों में ऊर्जा प्रबंधन, पर्यावरण मित्रता, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन व खरीद, इकाई में ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए संगठनात्मक व्यवस्था आदि के प्रति प्रतिबद्धता को ध्यान में रखा गया है। इस अवसर पर, एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने दक्षिण मध्य रेलवे के पूरे इलेक्ट्रिकल विंग, मंडल रेल प्रबंधकों, गुंटूर, गुंतकल, हैदराबाद और सिकंदराबाद और मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, लालागुडा और अन्य रेलवे कर्मचारियों को बधाई दी।

सरकार गरीबों के इलाज को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है : कोंडा सुरेखा

बीमार बच्चे के इलाज कराने का आश्वासन दिया

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हनमाकोंडा जिले के रेड्डी कॉलोनी के मोहम्मद नसीम हैमद के दो लड़के हैं। छोटा लड़का, एमडी आदिल हैमाद, कुछ समय से हड्डी के कैंसर से पीड़ित है। परिवार, गरीबी से पीड़ित है और लाखों की संख्या में चिकित्सा उपचार का खर्च उठाने में असमर्थ है। अपना दुख व्यक्त करने के लिए मंत्री कोंडा सुरेखा के साथ मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी मिले। सीएम ने संबंधित अधिकारियों को बताया और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार इसका खर्च वहन करेगी। मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार गरीब लोगों के इलाज को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और हम खतरे में पड़े मरीजों की मदद के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। मंत्री सुरेखा ने कहा कि हमारी जनता की सरकार और सीएम रेवंत रेड्डी हमारी जनता की सरकार के साथ खड़े हैं और जिन्हें वित्तीय सामर्थ्य के कारण चिंतित नहीं होना चाहिए। वन, पर्यावरण और राजस्व विभाग मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि लोक कल्याण का लक्ष्य मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी सरकार हर तरह से गरीब लोगों का समर्थन करेगी।

मंत्री ने हरीश राव की आलोचना की

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य वित्त पर राज्य सरकार द्वारा जारी श्वेत पत्र पर चर्चा के दौरान विधानसभा में मंत्री कोंडा सुरेखा और पूर्व मंत्री हरीश राव के बीच बहस हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने कमीशनखोरी के लिए नये भवनों का निर्माण कराया था। उन्होंने कहा कि डबल बेडरूम वाले घर गरीब लोगों को नहीं दिए गए और ये बीआरएस पार्टी कार्यकर्ताओं को दिए गए। उन्होंने कहा कि जगन मोहन रेड्डी और के. चंद्रशेखर राव बाहर एक-दूसरे को डांटते हैं, लेकिन वे अंदर मिलते हैं और एक-दूसरे के साथ अच्छे से घुलमिल जाते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री कृष्णा नदी का पानी पड़ोसी राज्यों को बेच रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सीएम केसीआर ने खुद को केंद्र से दूर कर लिया है। उन्होंने पूछा, वारंगल जेल को ध्वस्त करने के बाद उन्होंने क्या किया, उन्होंने कहा कि पुराने सचिवालय को ध्वस्त करने की कोई जरूरत नहीं थी। इससे पहले, हरीश राव ने आरोप लगाया कि केंद्र ने तेलंगाना राज्य के विकास में योगदान नहीं दिया।

तेलंगाना की निशानेबाज ईशा सिंह व मुक्केबाज मोहम्मद हुसामुद्दीन को अर्जुन पुरस्कार

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की स्टार निशानेबाज ईशा सिंह और निजामाबाद के मुक्केबाज मोहम्मद हुसामुद्दीन को अर्जुन पुरस्कार के लिए चुना गया है। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने बुधवार को पुरस्कारों की सूची की घोषणा की। इस बीच, भारतीय बैडमिंटन युगल खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया है। तेलंगाना के मुक्केबाज हुसामुद्दीन को अर्जुन पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया

हुसामुद्दीन 2018 गोल्ड कोस्ट और 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में दो बार कांस्य पदक विजेता हैं। उन्होंने 2023 में विश्व चैंपियनशिप और 2022 में एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य भी जीता। इस बीच, निशानेबाज ईशा ने हाल ही में 2020 एशियाई खेलों में चार पदक के साथ इतिहास रचा है। उन्होंने 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में स्वर्ण और व्यक्तिगत रजत पदक जीता था, जबकि 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में दूसरा स्थान और व्यक्तिगत वर्ग में रजत पदक हासिल किया था। ईशा टोक्यो ओलंपिक की कोर टीम का हिस्सा थीं, लेकिन मामूली अंतर से खेलों में हिस्सा लेने से चूक गईं। युवा खिलाड़ी ने 2022 काहिरा में आईएसएसएफ जूनियर विश्व चैम्पियनशिप में 20 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक और एक टीम स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता।

रैतू बंधु सहायता स्वीकृत करने का आग्रह किया

आदिलाबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। किसानों के संगठन ने सरकार से रैतू बंधु सहायता को मंजूरी देने का आग्रह किया रैतू स्वराज्य वेदिका के जिला अध्यक्ष संगेपु बोर्रान्ना ने कहा कि जिले के 1.5 लाख से अधिक किसान रैतू बंधु योजना के तहत वित्तीय सहायता प्राप्त करने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। रैतू स्वराज्य वेदिका के जिला अध्यक्ष संगेपु बोर्रान्ना ने कहा कि जिले के 1.5 लाख से अधिक किसान रैतू बंधु योजना के तहत वित्तीय सहायता प्राप्त करने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। यहां इंदरवेल्ली में जारी एक बयान में, बोर्रान्ना ने कहा कि जिले में 4.85 लाख एकड़ में कपास, सोयाबीन, सब्जी और पत्तेदार सब्जियां उगाने वाले 1.64 लाख किसानों को अभी तक विभिन्न फसलें उगाने के लिए इनपुट के लिए धनराशि नहीं मिली है। उन्होंने अफसोस जताया कि जुलाई और अगस्त में भारी बारिश के कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि किसानों को घाटा उठाकर दो या तीन बार बीज खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ता है। उत्पादकों को संकट का सामना करना पड़ रहा था क्योंकि उन्हें अपनी उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं मिल पा रहा था। अब उनके पास निजी उधारकर्ताओं से अत्यधिक ब्याज दरों पर ऋण लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

उन्होंने बताया कि इस पहल के तहत अब तक जिले के 10,056 किसानों को यासांगी सीजन के खर्चों को पूरा करने के लिए 3.07 करोड़ रुपये मिले हैं। उन्होंने कहा कि 49,000 किसानों को अभी भी 32.89 लाख रुपये की धनराशि प्राप्त करने की आवश्यकता है। संकटग्रस्त किसानों की दुर्दशा को देखते हुए राज्य सरकार को तुरंत धनराशि जारी करनी चाहिए।

हैदराबाद में येलो अलर्ट जारी, न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विकास योजना सोसायटी ने एक पीला अलर्ट जारी किया है, क्योंकि हैदराबाद आगामी ठंड के दौर से गुजर रहा है, अगले पांच दिनों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे जाने का अनुमान है। अलर्ट के अनुसार, मल्काजगिरी, सिकंदराबाद, हयातनगर, कुकटपल्ली, मलकपेट, अंबरपेट, एलबी नगर, खैरताबाद, जुबली हिल्स, बेगमपेट और मुशीराबाद सहित कई इलाकों में न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। इस अवधि के दौरान लगभग पूरे शहर में सर्द मौसम का अनुभव होने की संभावना है। बुधवार को, हैदराबाद में औसत न्यूनतम तापमान 13.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, बीएचईएल फैक्ट्री में सबसे कम तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद राजेंद्रनगर में 12.3 डिग्री

सेल्सियस और वेस्ट मारेडपल्ली में 13.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)- हैदराबाद ने अगले पांच दिनों में सुबह के समय कोहरे या धुंध का अनुमान लगाया है। शहर में अधिकतम तापमान भी पिछले कुछ दिनों से सामान्य से नीचे रहा है, बुधवार को अधिकतम तापमान सामान्य 28.5 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले 27.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी-हैदराबाद का अनुमान है कि अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों का असर विशेष रूप से हैदराबाद के आसपास के जिलों पर पड़ रहा है। बुधवार को कुमारम भीम जिले में सबसे कम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कोमरम भीम, आदिलाबाद, मंचेरियल, जयशंकर, पेद्दापल्ली और निर्मल जिलों में यह प्रवृत्ति जारी रहने की उम्मीद है, जहां अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान एकल अंक तक गिर सकता है।

अशांति को रोकने का सीआरपीसी 107 एक प्रभावी साधन : श्रीनिवास रेड्डी

सीपी ने अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (कार्यकारी) के रूप में कार्रवाई शुरू की

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीआरपीसी की धारा 107 धार्मिक जुलूसों, त्योहारों, मेलों, चुनाव, राजनीतिक आंदोलनों या समूहों/गुटों के बीच अन्य विवादों के संबंध में शांति भंग करने या सार्वजनिक शांति में अशांति को रोकने का एक प्रभावी साधन है, जो संभवतः शांति भंग या अशांति का कारण बन सकता है। सार्वजनिक शांति के लिए ऐसे व्यक्ति को यह कारण बताने की आवश्यकता हो सकती है कि उसे एक वर्ष से अधिक की अवधि के लिए शांति और अच्छा व्यवहार बनाए रखने के लिए ज़मानत के साथ या उसके बिना एक बांड निष्पादित करने का आदेश क्यों नहीं दिया जाना चाहिए। यह जरूरी नहीं है कि हर मामले में दो पक्ष एक-दूसरे के खिलाफ हों। कार्यवाही शुरू करने से पहले, पुलिस मामले की परिस्थितियों, उस विशिष्ट अवसर जिस पर शांति भंग होने की आशंका है या ऐसी परिस्थितियों के अस्तित्व से परिचित व्यक्तियों के साक्ष्य एकत्र करेगी जिनसे शांति भंग होने की संभावना है। यदि कोई व्यक्ति या समूह ऐसा कार्य करता है जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र में शांति और सार्वजनिक शांति भंग होती है, तो उसे सीआरपीसी की धारा 107 के तहत उन्हें क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए बांड निष्पादित करने का निर्देश देकर बाध्य किया जा सकता है। के श्रीनिवास रेड्डी, पुलिस आयुक्त और अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (कार्यकारी), हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय, सीआरपीसी के तहत प्रदत्त शक्तियों के साथ, पुलिस आयुक्त, हैदराबाद ने 107 सीआरपीसी शुरू करना शुरू कर दिया है। हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय की सीमा में आज पुलिस आयुक्त ने कालापत्थर पुलिस स्टेशन सीमा क्षेत्र में उपद्रवी गिरोहों के बीच प्रतिद्वंद्विता है, एक समूह का नेतृत्व कालापत्थर पुलिस स्टेशन के उपद्रवी शीटर मोहम्मद शाहनवाज गाजी कर रहे हैं, दूसरे का नेतृत्व साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट के मैलारदेवपल्ली पुलिस स्टेशन के उपद्रवी शीटर मोहम्मद अरबाज कर रहे हैं। इनका मकसद हैदराबाद पुलिस कमिश्नरेट की सीमा में अपना प्रभुत्व स्थापित करना है। इनके आपसी संघर्ष में तीन लोगों की जान जा चुकी है। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त ने दोनों पक्षों को भविष्य में किसी भी प्रकार की उपद्रवी गतिविधियों में शामिल न होने की चेतावनी दी। मामले को आगे की सुनवाई के लिए स्थगित कर दिया गया। इसी क्रम में बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन क्षेत्र के राउडी शीटर सैयद मजीद उर्फ बंगाली उर्फ डॉक्टर और राउडी शीटर सैयद ऐजाज उर्फ गोली उर्फ गैल काटा ऐजाज के बीच वर्चस्व कायम करने के लिए एक गिरोह की प्रतिद्वंद्विता थी। बंजारा हिल्स और हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय के अन्य पुलिस स्टेशनों की सीमाएं, जिसके कारण हमले और जवाबी हमले हुए, जिसके परिणामस्वरूप लोगों की जान चली गई, जो सीआर से संबंधित विषय हैं। इस मामले आगे की सुनवाई के लिए स्थगित कर दिया गया। पुलिस आयुक्त ने कहा कि हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय की सीमा में सार्वजनिक शांति को भंग करने वाले अनियंत्रित तत्वों को नियंत्रित करने के लिए 107 सीआरपीसी की कार्यवाही एक बहुत ही उपयोगी उपकरण है ताकि शहर में शांति सुनिश्चित की जा सके।

टीएसआरटीसी बसों में मुफ्त बस यात्रा में मूल आईडी 'अनिवार्य' : सज्जनार

प्रत्येक महिला यात्री को अपना मूल पहचान पत्र दिखाना होगा

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसआरटीसी एमडी वीसी सज्जनार ने बुधवार को कहा, महालक्ष्मी योजना के तहत तेलंगाना की महिलाओं के लिए 'मुफ्त बस यात्रा' सुविधा को महिला यात्रियों से अप्रत्याशित प्रतिक्रिया मिली है।

उन्होंने कि कई लोग अपने पहचान पत्र की फोटो प्रतियां ला रहे थे, सज्जनार ने स्पष्ट किया कि बसों में यात्रा करने वाली प्रत्येक महिला यात्री को अपना मूल पहचान पत्र दिखाना होगा।

उन्होंने कहा कि टीएसआरटीसी अधिकारी बसों में शून्य टिकट का लाभ उठाने के लिए महिलाओं से अपना मूल आधार, मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस या केंद्र या राज्य सरकारों द्वारा जारी कोई अन्य कार्ड दिखाने के लिए कहेंगे। उन्होंने कहा कि स्मार्ट फोन पर फोटो कॉपी दिखाने पर मुफ्त यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी, उन्होंने महिला यात्रियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि वे जो आईडी कार्ड पेश करते हैं, उस पर तस्वीरें स्पष्ट रूप से दिखाई दें। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने शिकायत की है कि कई लोगों के आधार कार्ड पर उनके बचपन की तस्वीरें हैं और महिलाओं से शून्य टिकट जारी करने के लिए उन्हें अपडेट करने का अनुरोध किया गया है। सज्जनार ने स्पष्ट किया कि सरकार के निर्देशों के अनुसार यह योजना केवल तेलंगाना राज्य की महिलाओं के लिए लागू होगी। उन्होंने कहा कि टीएसआरटीसी बसों में यात्रा करने वाली अन्य राज्यों की महिलाओं को अनिवार्य शुल्क का भुगतान करना चाहिए और टिकट प्राप्त करना चाहिए। एमडी ने घोषणा की है कि बढ़ती भीड़ को देखते हुए टीएसआरटीसी प्रबंधन ने 2050 नई बसें उपलब्ध कराने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि नई बसें अगले चार-पांच महीनों में चरणबद्ध तरीके से उतारी जाएंगी।

उन्होंने कहा, ''1050 डीजल बसें और 1000 इलेक्ट्रिक बसें लॉन्च की जाएंगी।''

एसीपी नागेंद्र राव का हृदय गति रुकने से निधन

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सहायक पुलिस आयुक्त रैंक के अधिकारी नागेंद्र राव का सोमवार को एक अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। 1998 बैच के अधिकारी नागेंद्र एलबी नगर में रहते थे। सोमवार को, उन्होंने सीने में दर्द की शिकायत की और उन्हें कामेनिनी अस्पताल के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां शाम को उनका निधन हो गया। नागेंद्र राव ने अपने 25 साल से अधिक लंबे करियर के दौरान शहर के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में काम किया।

प्रोफेसर टी सैमसन ने ईफ्लू के प्रॉक्टर का पदभार दोबारा संभाला

हैदराबाद, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रोफेसर टी सैमसन ने ईएफएलयू के प्रॉक्टर के रूप में दोबारा पदभार संभाला लिया है। ईएफएलयू ने एक बयान में कहा कि प्रोफेसर सैमसन का विश्वविद्यालय में एक शिक्षक और प्रशासक के रूप में बेदाग रिकॉर्ड रहा है। ईएफएलयू ने एक बयान में कहा कि प्रोफेसर सैमसन का विश्वविद्यालय में एक शिक्षक और प्रशासक के रूप में बेदाग रिकॉर्ड रहा है। इससे पहले सात नवंबर को प्रोफेसर सैमसन को विश्वविद्यालय की प्रगति के प्रति उनकी ईमानदारी और प्रतिबद्धता को देखते हुए डीन, योजना और सदस्य, कार्यकारी परिषद, जो कि विश्वविद्यालय की सर्वोच्च संस्था है, नियुक्त किया गया था।

उप-सरपंच को बड़े भाई ने मौत के घाट उतारा

मेदक, 20 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चिन्ना शंकरमपेट मंडल में शालिपेटा के उप-सरपंच अंजनेयुलु (39) की बुधवार सुबह उनके कृषि क्षेत्र में हत्या कर दी गई। कथित तौर पर भूमि विवाद को लेकर उसका अपने बड़े भाई सत्यनारायण के साथ विवाद हुआ था। गुस्से में सत्यनारायण ने कथित तौर पर अंजनेयुलु पर स्टील की रॉड से हमला किया। कुछ घंटों बाद उसके परिवार के सदस्यों ने उसे खून से लथपथ पाया। इस घटना से गांव में तनाव पैदा हो गया क्योंकि पीड़ित परिवार ने पुलिस से आरोपी व्यक्ति को उन्हें सौंपने की मांग की है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एरिया अस्पताल मेदक में स्थानांतरित कर दिया गया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.